10 स्मृति मंधाना....

12 ईशा मालवीय....

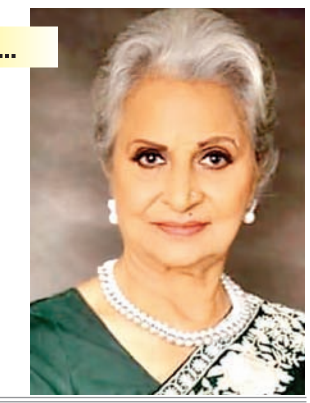

झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, सोमवार, 21 सितंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -93 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

करम पर्व प्रकृति के साथ जनजातीय समाज के गहरे संबंध का प्रतीक: राज्यपाल

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि करम पर्व झारखंड की जनजातीय संस्कृति और प्रकृति के साथ गहरे संबंध का प्रतीक है. उन्होंने करमा पूजा के अवसर पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं. राज्यपाल रविवार को बेड़ो में आयोजित करम पर्व पूर्व संध्या समारोह को संबोधित कर रहे थे. राज्यपाल ने कहा कि करम वृक्ष की डाली की स्थापना और पूजा के साथ सामूहिक नृत्य-संगीत की परंपरा झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान है. करम पर्व से जुड़ी लोककथाएं अच्छे कर्म, परिश्रम, भाईचारे और सद्भाव का संदेश देती हैं. उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जनजातीय समाज की जीवन पद्धति का हिस्सा रहा है. आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन की चुनौती से जूझ रही है. ऐसे समय में करम पर्व का प्रकृति के सम्मान और संरक्षण का संदेश और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है. इसकी परंपराएं प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण की प्रेरणा देती हैं.

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की भाषाएं, लोकगीत, लोकनृत्य, लोककलाएं और पारंपरिक ज्ञान अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं. युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझना चाहिए. भाषा और परंपराओं के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए. आधुनिक शिक्षा और तकनीकी ज्ञान के साथ संस्कृति से जुड़े रहने से पहचान और मजबूत होगी. उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकताओं को अपने ज्ञान और अनुभव का लाभ ग्रामीण और वंचित वर्गों तक पहुंचाने के लिए आगे आना चाहिए. राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की विशेषता इसकी बहुरंगी संस्कृति और सामाजिक सद्भाव में भी है. यहां विभिन्न धर्मों, समुदायों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं. पर्व-त्योहार लोगों को करीब लाते हैं. इससे आपसी भाईचारा मजबूत होता है और देश की विविधता में एकता की परंपरा भी सुदृढ़ होती है.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

श्री पंकज महतो
केंद्रीय संयोजक
किसान बेरोजगार संघर्ष मोर्चा

कठिन परिस्थितियाँ आपको तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि आपके अंदर के सामर्थ्य को बाहर निकालने के लिए आती हैं।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : 1,33,700
चांदी (प्रति किलो) : 2,36,000
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- 74,294.96
निफ्टी :- 23,346.40

मौसम

अधिकतम तापमान : 27
न्यूनतम तापमान : 22

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- 05:37
संध्या :- 17:46

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1784 को अमेरिका का पहला दैनिक अखबार 'पेंसिल्वेनिया पैकेट एंड जनरल एडवरटाइज़र' प्रकाशित

टीपीसी सुप्रीमो बृजेश गंझू एनकाउंटर में ढेर, बनारस में यूपी एटीएस से हुआ मुठभेड़

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड के प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी के सुप्रीमो और 30 लाख रुपये के इनामी नक्सली बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह भोक्ता को उत्तर प्रदेश एटीएस ने मुठभेड़ में मार गिराया है. बृजेश गंझू के मारे जाने की जानकारी झारखंड पुलिस को यूपी एसटीएफ के द्वारा दी गई है. आईजी एसटीएफ प्रेम गौतम के द्वारा झारखंड पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी गई है. यूपी एसटीएफ के आईजी प्रेम गौतम ने बृजेश गंझू के मारे जाने की पुष्टि की है. झारखंड पुलिस के वरीय अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र स्थित टेंगरा मोड़ के लंका मैदान में रविवार तड़के एटीएस और बृजेश के बीच मुठभेड़ हुई. गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. यूपी एटीएस को सूचना मिली थी कि बृजेश गंझू वाराणसी में मौजूद है और सुबह के समय मोटरसाइकिल से एक रास्ते से गुजरने वाला है. सूचना के आधार पर एटीएस की टीम ने टेंगरा मोड़ इलाके में घेराबंदी की. सुबह करीब पांच बजे मोटरसाइकिल से आ रहे बृजेश को टीम ने रूकने का इशारा किया गया. आरोप है कि उसने रूकने के बजाय एटीएस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी. इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई. एटीएस की जवाबी कार्रवाई में बृजेश गंझू को गोली लगी. मुठभेड़ के दौरान उसकी ओर से की गई फायरिंग में एटीएस के डिप्टी एसपी विपिन राय और हेड कांस्टेबल नितेंद्र कृष्ण की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोलियां लगीं. दोनों पुलिसकर्मी सुरक्षित बताए जा रहे हैं.

बृजेश गंझू झारखंड में लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर था. उस पर झारखंड पुलिस ने 30 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. नक्सली गतिविधियों से जुड़े मामलों में झारखंड पुलिस के अलावा राष्ट्रीय जांच एजेंसी को भी उसकी तलाश थी. सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से उसके ठिकाने और गतिविधियों की जानकारी जुटा रही थीं. एटीएस की कार्रवाई के बाद अब उसके खिलाफ दर्ज मामलों और उसकी नक्सली गतिविधियों से जुड़े नेटवर्क की भी जांच की जा रही है.

असीम मंडल दस्ते के आखिरी दो मोहरे भी गिरफ्तार, पति पर 5 लाख और पत्नी पर 2 लाख का इनाम

रांची। एक करोड़ के इनामी नक्सली रहे असीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद उसके दस्ते के दो आखरी सदस्य भी पश्चिम बंगाल पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर लिए गए हैं. बंगाल पुलिस ने नक्सल दंपती मंगल सिंह सरदार और उसकी पत्नी मालती मुर्मू को गिरफ्तार कर लिया है. इससे पहले असीम मंडल को भी बंगाल पुलिस के द्वारा ही गिरफ्तार किया गया था. नक्सलियों के खिलाफ अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है. पश्चिम बंगाल में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने झारखंड में सक्रिय रहे दो माओवादियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार नक्सलियों में पांच लाख रुपये का इनामी मंगल सिंह सरदार उर्फ मंगल महतो उर्फ समीर उर्फ पांडेय और उसकी पत्नी मालती शामिल हैं. गिरफ्तार मंगल सिंह सरदार पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम जिले के बेलपहाड़ी थाना क्षेत्र के बिदरी गांव का रहने वाला है. वह संगठन में एसजेसीएम (स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर) स्तर का नक्सली है. उस पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित है.

आईआईटी आईएसएम में राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यशाला में शामिल हुए राज्यपाल संतोष गंगवार, बोले-

पर्यावरण संरक्षण के लिए समाज की भागीदारी भी जरूरी

झारखण्ड उजाला संवाददाता

धनबाद। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों का समाधान केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है. इसके लिए समाज, शिक्षण संस्थानों, वैज्ञानिक समुदाय, चिकित्सकों, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी. उन्होंने कहा कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य एक-दूसरे से सीधे जुड़े हैं और स्वच्छ जल, पौष्टिक आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली अच्छे स्वास्थ्य की बुनियाद हैं. राज्यपाल रविवार को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के गोल्डन जुबली हॉल में आरोग्य भारती और आईआईटी (आईएसएम) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश पंडित, राष्ट्रीय संगठन सचिव अशोक कुमार वर्षने, आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा, समाजसेवी विकास रंजन (पप्पू सिंह) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे. कार्यशाला के संयोजक जय

प्रकाश नारायण सिंह और अरुण राय थे.

राज्यपाल ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है. जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और जैव विविधता का संरक्षण आज वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण विषय हैं. उन्होंने भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां सदियों से प्रकृति को सम्मान देने और उसके साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की परंपरा रही है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन लाइफ (छ्री२३८'ी ङ्क१ एल्ल५१ङ्मल्लीेल्ल३) का जिक्र करते हुए लोगों से पानी और ऊर्जा की बचत करने, प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की अपील की. उन्होंने योग, संतुलित आहार, बेहतर जीवनशैली और स्वच्छ वातावरण को स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक बताया.

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड की पहचान उसके जंगलों, जलस्रोतों, जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों से भी है. विकास की प्रक्रिया जरूरी है, लेकिन इसका स्वरूप ऐसा होना चाहिए जिससे आज की जरूरतें पूरी होने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधन सुरक्षित रहें. उन्होंने आईआईटी (आईएसएम) जैसे तकनीकी संस्थानों से जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण हितैषी तकनीकों पर अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने का आह्वान किया.

विकास और पर्यावरण में संतुलन जरूरी : निदेशक

आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने स्वागत संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण को विकास की प्रक्रिया से अलग नहीं किया जा सकता. पर्यावरण का सीधा संबंध स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार और जीवन की गुणवत्ता से है. उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण में से किसी एक को चुनना समाधान नहीं है. जरूरत ऐसी वैज्ञानिक और तकनीकी व्यवस्था विकसित करने की है, जिससे विकास की प्रक्रिया अधिक टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बन सके. प्रो. मिश्रा ने रिसोर्स एफिशिएंसी, सर्कुलर इकोनॉमी, क्लीन टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, जिम्मेदार खनन, खदानों के पुनर्वास, वेस्ट-टू-रिसोर्स और जल संरक्षण जैसे क्षेत्रों में काम बढ़ाने की आवश्यकता बताई. उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए तकनीक और विज्ञान के साथ नीतिगत पहल, पारंपरिक ज्ञान, सामुदायिक सहभागिता और व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी जरूरी है. आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव अशोक कुमार वर्षने ने संगठन की गतिविधियों और स्वास्थ्य को लेकर उसकी कार्यपद्धति की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए केवल बीमारी का उपचार पर्याप्त नहीं है.

दुमका के रेशम किसान ने बढ़ाया राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का मान, बेंगलुरु में सम्मानित हुए शंभूनाथ देहरी

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड के दुमका जिले के मधुबन निवासी रेशम किसान शंभूनाथ देहरी ने राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन किया है. केंद्रीय रेशम बोर्ड के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर बेंगलुरु के गांधी कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित समारोह में उन्हें रेशम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया. केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शंभूनाथ देहरी को यह पुरस्कार प्रदान किया.

रेशम किसान को निजी बीज उत्पादक श्रेणी में मिला सम्मान

शंभूनाथ देहरी को यह सम्मान प्राइवेट ग्रेन्योर यानी निजी बीज उत्पादक श्रेणी में दिया गया. रेशम उत्पादन के क्षेत्र में उनके कार्य और योगदान को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उनका चयन किया गया. दुमका जैसे ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले किसान को राष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिलने से जिले के साथ पूरे झारखंड के रेशम उत्पादकों में भी उत्साह है. शंभूनाथ देहरी लंबे समय से रेशम उत्पादन से जुड़े हैं. निजी बीज उत्पादक के तौर पर वे रेशम पालन से जुड़े किसानों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान रेशम उत्पादन के क्षेत्र में झारखंड की संभावनाओं को भी सामने लाता है. सम्मान समारोह में देश के अलग-अलग राज्यों से रेशम क्षेत्र से जुड़े अधिकारी, विशेषज्ञ और प्रतिनिधि मौजूद रहे. झारखंड की ओर से हस्तकरघा, रेशम एवं हस्तशिल्प निदेशक सहित अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए.

रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों को प्रोत्साहन देना

केंद्रीय रेशम बोर्ड के स्थापना दिवस समारोह में झारखंड के किसान को राष्ट्रीय सम्मान मिलना राज्य के लिए गौरव का विषय है. इससे रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों को प्रोत्साहन मिलने और इस क्षेत्र में नई संभावनाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. दुमका के शंभूनाथ देहरी की उपलब्धि ने यह भी दिखाया है कि ग्रामीण क्षेत्र के किसान राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मेहनत और कार्य के दम पर पहचान बना सकते हैं.

संक्षिप्त समाचार

नहीं रहें जेएमएम नेता मो नौशाद आलम, पीछे छोड़ गये संघर्ष और समर्पण की यादें

रांची। झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य एवं रांची जिला-महानगर के संयोजक हेमलाल मेहता ने झामुमो नेता और झारखंड आंदोलनकारी मो नौशाद आलम के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है. मो नौशाद आलम का रविवार को निधन हो गया. मो नौशाद आलम झामुमो रांची महानगर के कोषाध्यक्ष रह चुके थे. इसके अलावा उन्होंने हेमलाल मेहता के साथ बुद्धिजीवी मोर्चा रांची महानगर और रांची जिला में उपाध्यक्ष के पद पर भी जिम्मेदारी निभायी थी. हेमलाल मेहता ने कहा कि मो नौशाद आलम का मृदुभाषी स्वभाव और पार्टी के प्रति समर्पण हमेशा याद रखा जायेगा. उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की.

रांची में हथियार के साथ तीन संदिग्ध युवक गिरफ्तार, पुलिस जांच में जुटी

रांची। राजधानी रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इंडियन पेट्रोल पंप के पास एक मोटरसाइकिल पर तीन युवकों के मौजूद होने और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की आशंका की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद जगन्नाथपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों युवकों को रोककर पूछताछ की और उनकी तलाशी ली। पुलिस के मुताबिक, तलाशी के दौरान दो युवकों के पास से पिस्तौल और गोली बरामद हुई। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश वर्मा उर्फ शिव वर्मा, संदीप कुमार उर्फ बाबू और रोहित सिंह के रूप में हुई है।

उत्तम सत्य धर्म की भक्ति में सराबोर हुआ रामगढ़ जैन समाज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़ कैंट एवं रांची रोड जिनालयों में दशलक्षण महापर्व के तहत विधि-विधान से हुआ अभिषेक, पूजन एवं शांतिधारा

रामगढ़ कैंट। दशलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर रामगढ़ कैंट स्थित श्री दिगम्बर जैन जिनालय एवं रांची रोड स्थित 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय में धर्म और भक्ति की अनुपम छटा देखने को मिली। महापर्व के पांचवें दिन रविवार, 20 सितंबर को उत्तम सत्य धर्म की श्रद्धा एवं भक्ति भाव से विशेष पूजा-अर्चना की गई। प्रातःकाल से ही जिनालय परिसर भगवान के जयकारों, मंगलाचरण एवं धार्मिक अनुष्ठानों से गुंजायमान रहा। यह जानकारी श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जी चूड़ीवाल ने दया सागर, मध्य प्रदेश से पधारे पंडित संदीप जी शास्त्री ने विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवान का अभिषेक एवं पूजन संपन्न कराया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर के धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यों की जानकारी देते हुए श्रमण परंपरा, संस्कार एवं धर्म के मूल सिद्धांतों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया।

वहीं मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी महाराज के मुखारविंद से भगवान की शांतिधारा संपन्न हुई। शांतिधारा के दौरान जिनालय का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा एवं भक्ति से ओत-प्रोत हो उठा।

रामगढ़ कैंट जिनालय में हुए विविध धार्मिक अनुष्ठान

श्री दिगम्बर जैन मंदिर रामगढ़ में पाण्डुशिला पर विराजमान भगवान महावीर की अष्टधातु प्रतिमा पर कलश द्वारा अभिषेक का पुण्यार्जन श्रीमती अरुणा जी, डॉक्टर शरद जी जैन एवं पुलक-आराध्या जैन परिवार द्वारा किया गया।

भगवान महावीर की प्राचीन प्रतिमा एवं चंद्रप्रभु भगवान की प्राचीन प्रतिमा पर कलश द्वारा अभिषेक का पुण्यार्जन श्री हरक चंद जी, नम्रता जी, विवेक, विकास, सम्यक एवं शाश्वत अजमेरा परिवार द्वारा किया गया।तीनों वेदियों पर विराजमान बड़ी प्रतिमाओं पर कलश द्वारा अभिषेक का पुण्यार्जन श्री रमेश जी, विकास जी, अमित जी सेठी परिवार;माणिक चंद जी, मीना देवी जी, अंकित, राहुल, मार्धव, अद्विक एवं त्रिशा पाटनी परिवार; तथा श्री हरक चंद जी, नम्रता जी, विवेक, विकास, सम्यक एवं शाश्वत अजमेरा परिवार द्वारा किया गया। वहीं पारसनाथ भगवान की बड़ी प्रतिमा पर शांतिधारा का पुण्यार्जन श्री किशोर जी एवं श्रीमती बबीता जी काला की पुत्री सोनल जैन के जन्मदिन के शुभ अवसर पर समस्त काला परिवार द्वारा किया गया।

रांची रोड जिनालय में भी उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय, रांची रोड में भी दशलक्षण महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ अभिषेक एवं शांतिधारा में सहभागिता की। प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा का पुण्यार्जन जीवनमल जी, जम्बू कुमार जी, अभिजीत एवं अमित पाटनी, रामगढ़ द्वारा किया गया। संध्या बेला में आयोजित आरती का पुण्यार्जन प्रमोद, नीरज एवं बबलू सेठी, रांची रोड द्वारा किया गया। अध्यक्ष राजेंद्र जी चूड़ीवाल ने बताया कि दशलक्षण महापर्व के सभी धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर अभिषेक, पूजन, शांतिधारा एवं आरती का पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

मुनिश्री के प्रवचन से मिला सत्य धर्म का संदेश

रामगढ़ में मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी महाराज, मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज एवं क्षुल्लकश्री 105 दिव्यानंद जी महाराज ससंघ विराजमान हैं। दशलक्षण महापर्व के पांचवें दिन मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज ने उत्तम सत्य धर्म की व्याख्या करते हुए श्रद्धालुओं को संबोधित किया।उन्होंने सत्य को केवल वाणी तक सीमित न रखते हुए विचार, व्यवहार और आचरण में सत्य को धारण करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सत्य धर्म आत्मा की शुद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है और मनुष्य को कपट, छल एवं असत्य से दूर ले जाकर सहज एवं निर्मल जीवन की ओर अग्रसर करता है।दशलक्षण महापर्व के धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर अभिषेक, पूजन, शांतिधारा एवं प्रवचन का लाभ लिया। पूरे जिनालय परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।दशलक्षण महापर्व के प्रत्येक दिन हो रहे धार्मिक अनुष्ठानों से रामगढ़ का जैन समाज धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना से निरंतर जुड़ रहा है। उपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

प्रेस क्लब रामगढ़ के पदाधिकारियों ने पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद से की मुलाकात

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुके भेंट कर किया स्वागत, प्रेस क्लब भवन के जीर्णोद्धार एवं विकास को लेकर हुई चर्चा

रामगढ़। प्रेस क्लब रामगढ़ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष धनेश्वर प्रसाद एवं सचिव धर्मेंद्र पटेल के नेतृत्व में कार्यकारिणी समिति के सदस्यों ने रविवार को झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्यनिषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद से उनके आवास मुरुबन्दा में मुलाकात की। इस दौरान प्रेस क्लब की ओर से मंत्री योगेंद्र प्रसाद को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया।मुलाकात के दौरान प्रेस क्लब रामगढ़ के जीर्णोद्धार, भवन के विकास तथा पत्रकारों के हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने प्रेस क्लब भवन में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार तथा पत्रकारों के लिए बेहतर कार्यस्थल उपलब्ध कराने की दिशा में सहयोग का आग्रह किया।मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने प्रेस क्लब से जुड़े विषयों को गंभीरता से सुना और पत्रकारों के हित में आवश्यक सहयोग एवं सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रेस क्लब के विकास तथा पत्रकारों से जुड़े मुद्दों पर उचित पहल करने की बात कही।इस अवसर पर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने कहा कि प्रेस क्लब को बेहतर, सुदृढ़ और पत्रकारों के लिए अधिक उपयोगी बनाने के लिए सामूहिक रूप से निरंतर प्रयास किया जाएगा। पत्रकारों के हित, सम्मान, सुविधा एवं सुरक्षा से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।मौके पर प्रेस क्लब कार्यकारिणी समिति के संयुक्त सचिव दिलीप सिंह, कोषाध्यक्ष दूर्वेज आलम, कार्यकारिणी सदस्य रितेश कश्यप, दीपक कुमार, सुरेंद्र सिंह, अमित पाठक, हीरा सिंह, नीरज कुमार सहित वरिष्ठ पत्रकार योगेंद्र सिन्हा, मुकेश सिंह, निरंजन महतो, प्रिंस वर्मा, संजय नायक एवं मनोज महतो उपस्थित थे।

गुलाम सरवर की अध्यक्षता में युवा कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। रामगढ़ सर्किट हाउस में जिला युवा कांग्रेस कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष गुलाम सरवर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रभारी विमल कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष गुलाम सरवर ने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में प्रदेश महासचिव शहजादा तालीम, मांडू विधानसभा अध्यक्ष कैफ रजा, शेख आसिफ, आमिर हुसैन, योगी मुंडा, अंकित कुमार, सूरज विश्वकर्मा, आफताब आलम सहित रामगढ़ युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक ममता देवी का साप्ताहिक जनसंवाद, फरियादियों की समस्याओं के समाधान की पहल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी द्वारा प्रत्येक सप्ताह रविवार को गोला प्रखंड के मठवाटांड़ स्थित अपने निजी कार्यालय में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनने की पहल की जा रही है। रविवार को आयोजित जनसंवाद में गोला सहित रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों और गांवों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, पेंशन, आवास, राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार सहित जनहित से जुड़े विभिन्न मामलों को विधायक ममता देवी के समक्ष रखा। विधायक ने एक-एक कर लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित मामलों को गंभीरता से लेते हुए उनके त्वरित निष्पादन की दिशा में पहल की।कई मामलों में विधायक ने संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत कर आवश्यक जानकारी ली तथा समस्याओं के समाधान के लिए आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, कुछ मामलों को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर शीघ्र कार्रवाई के लिए अग्रसारित किया गया।स्थानीय लोगों ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह सीधे आम जनता के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनना एक सराहनीय और रचनात्मक पहल है। इससे ग्रामीणों को अपनी बात सीधे विधायक के समक्ष रखने का अवसर मिलता है तथा समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को भी गति मिलती है। लोगों ने कहा कि इस तरह का नियमित जनसंवाद जनता और जनप्रतिनिधि के बीच सीधे संवाद को मजबूत करता है।

झारखंड के विकास और जनता के अधिकार के लिए टाइगर जयराम महतो के साथ एकजुट होने की जरूरत: राजेंद्र बेदिया

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

गरीब, शोषित और वंचितों के हक-अधिकार की लड़ाई को पंचायत स्तर तक मजबूत करना जरूरी: प्रयाग महतो

रामगढ़। रविवार को पतरातू प्रखंड के सुदूरवर्ती बीचा पंचायत में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (JLKM) की पंचायत कमेटी के विस्तार को लेकर आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पतरातू प्रखंड अध्यक्ष प्रयाग कुमार महतो ने की, जबकि संचालन एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष दिलीप बेदिया ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से फुलेश्वर महतो को बीचा पंचायत का पंचायत अध्यक्ष मनोनीत किया गया। अध्यक्ष बनाए जाने के बाद फुलेश्वर महतो ने कहा कि वे पार्टी की विचारधारा एवं पार्टी सुप्रीमो सह डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा बीचा पंचायत में संगठन को मजबूत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय संगठन महासचिव राजेंद्र बेदिया ने कहा कि झारखंड के विकास और आम जनता के अधिकारों को लेकर टाइगर जयराम महतो लगातार आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब, शोषित, वंचित एवं पीड़ित लोगों के हक-अधिकार के लिए संगठन को पंचायत स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी समुदाय के लोगों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। प्रखंड अध्यक्ष प्रयाग कुमार महतो ने नवनियुक्त पंचायत अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर संगठन के विस्तार से कार्यकताओं में नई ऊर्जा आएगी और पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने में मजबूती मिलेगी। बैठक में मुख्य रूप से JLKM केंद्रीय संगठन महासचिव राजेंद्र बेदिया, प्रखंड अध्यक्ष प्रयाग कुमार महतो, एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष दिलीप बेदिया, जिला सचिव आर्यन टोप्पो, विजय साहू ,नरेश महतो, दीपक महतो, शिबू गंजू, गुरु दयाल महतो, नरेश मुंडा, संदीप बेदिया, रामसुंदर बेदिया, केके बेदिया, विनोद बेदिया, मुकेश बेदिया, कालेश्वर बेदिया, गौतम करमाली सहित बीचा पंचायत के JLKM समर्थक एवं कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

शोभायात्रा के साथ मनाई गई लव-कुश जयंती

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

शिक्षा और एकता पर दिया जोर

लोहरदगा: लव- कुश कुशवाहा समिति, लोहरदगा के तत्वावधान में रविवार को नगर भवन में लव-कुश जयंती समारोह धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत बरही चौक स्थित बीएस कॉलेज से सुबह 10 बजे निकाली गई शोभायात्रा से हुई। मोटरसाइकिल रैली के साथ निकली शोभायात्रा बरवाटोली, मिशन चौक, राणा चौक, मेन रोड, अपर बाजार, महावीर चौक एवं ईस्ट गोला रोड होते हुए नगर भवन पहुंची। नगर भवन पहुंचने पर अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पांकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लव-कुश कुशवाहा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र महतो ने की। मंच संचालन चंद्रशेखर महतो एवं अभिनव भारती ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. शशिभूषण मेहता ने कहा कि समाज के लोग अन्नदाता समाज से आते हैं, यह गर्व की बात है। इस तरह के आयोजन समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में बिखराव के कारण अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा को सामाजिक बदलाव का हथियार बनाते हुए मेधावी एवं गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए समाज के लोगों को आगे आने की जरूरत है। विशिष्ट अतिथि एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड कुशवाहा महासभा विजय कुमार महतो ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होकर सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन के लिए कार्य करने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की अपील की। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए समाज के लोगों को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की आवश्यकता है।किनेश्वर महतो ने कहा कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन के लिए लोगों का एकजुट होना जरूरी है। राजीव कुमार ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव का माध्यम बताते हुए बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। दीपक कुमार महतो ने कहा कि समाज के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए राजनीतिक चेतना जरूरी है। समाज के विकास के लिए लव-कुश समाज में एकता की भावना मजबूत करनी होगी।

चंद्रशेखर प्रसाद महतो ने कहा कि लव-कुश समाज भगवान श्रीराम के वंशजों की परंपरा से जुड़ा है। उन्होंने समाज के इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया।

समारोह के दौरान समाज के बालक- बालिकाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जितेंद्र महतो, दीपक महतो, विक्की महतो, कौशिशराज मेहता, शेखर महतो, कपिंद्र महतो, विमलकांत सिंह, किनेश्वर महतो, राजेश महतो, विजय कुमार, अशोक महतो, धनेश कुमार महतो, दिलीप महतो, महेंद्र महतो, नंदलाल महतो, विकास महतो, किशुन महतो, प्रकाश महतो, शैलेश कुमार, उदय महतो, अजय महतो, परमानंद महतो, उत्कर्ष मेहता, अभिषेक वरडियार, पंकज महतो, सीताराम महतो, वीरेंद्र महतो, आकाश महतो, अशोक कुशवाहा, संजय महतो, प्रमोद महतो, अभिनव भारती, विशाल कुमार महतो, धनेश्वर महतो, रामलाल महतो, सत्यकाम महतो, हीरालाल महतो, नंदकिशोर महतो, ललित महतो, संतोष कुमार, कमलेश्वर सिंह, प्रदीप महतो, मुरारी महतो, संगीता कुशवाहा, सतीश महतो, देवेंद्र मंडल, संदीप महतो, हरीश महतो, चंद्रशेखर मेहता, स्नेह कुमार, वज्रकिशोर वरडियार सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

इनर व्हील क्लब के द्वारा कस्तूरबा विद्यालय में मादक पदार्थ जागरूकता चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

रामगढ़ ।युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से, इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ द्वारा आज कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में एक मादक पदार्थ जागरूकता चित्रकला प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कला के माध्यम से छात्राओं को जागरूक करना और उन्हें समाज में इसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना था।प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्राओं ने अपनी सुंदर और विचारोत्तेजक कलाकृतियों के माध्यम से नशे से होने वाले नुकसान, पारिवारिक विघटन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों को कैनवास पर उतारा। उन्होंने अपनी पेंटिंग्स के जरिए समाज को 'नशे को ना और जिंदगी को हां' कहने का सशक्त संदेश दिया।इस अवसर पर इनर व्हील क्लब के पदाधिकारियों ने छात्राओं के हुनर और उनकी सोच की सराहना की। क्लब की ओर से उपस्थित सदस्यों ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल एक व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। युवा वर्ग को इससे दूर रहकर देश के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।कार्यक्रम में जज की भूमिका पिंकी कुमारी जी ने निभाया ।मौके पर क्लब अध्यक्षा श्वेता जैन, मनवीर कौर,जसमीत सोनी, नवलजीत कौर,मेघा बागड़िया,हरमीत कौर,निधि चौधरी आदि सदस्या मौजूद थी

स्वच्छता ही सेवाह्न अभियान के तहत दामोदर नदी घाट पर स्वच्छता कार्यक्रम एवं भव्य गंगा आरती का हुआ आयोजन

रामगढ़। नमामि गंगे योजना अंतर्गत जिला गंगा समिति, रामगढ़ द्वारा दामोदर बचाओ आंदोलन समिति के सहयोग से दामोदर नदी घाट, रामगढ़ में भव्य गंगा पूजन एवं गंगा आरती का आयोजन किया गया। स्वच्छता ही सेवाह्न पखवाड़े के तहत इस अवसर पर बरकाकाना एवं रामगढ़ कैंट क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।अभियान के दौरान स्थानीय क्षेत्रों की गहन साफ-सफाई की गई तथा आमजनों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यजल संरक्षण एवं जागरूकताः नदियों एवं अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और संवर्धन के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना।स्वच्छ एवं निर्मल जलधाराओं के सतत संरक्षण के लिए जन-भागीदारी और सामूहिक संकल्प को मजबूत करना।उपस्थित लोगों द्वारा नदियों की पवित्रता, स्वच्छता एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।कार्यक्रम में जिला प्रशासन, जिला गंगा समिति एवं दामोदर बचाओ आंदोलन समिति के प्रतिनिधियों सहित भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। धार्मिक अनुष्ठान (गंगा पूजन एवं आरती) के माध्यम से संपूर्ण क्षेत्र में नदियों के प्रति सम्मान, स्वच्छता और संरक्षण का सकारात्मक संदेश प्रसारित किया गया।

करम पर्व पर सुखैर भगत ने आदिवासी माता-बहनों को भेंट की साड़ियां

लोहरदगा: करम पर्व के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष एवं चाला इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर सुखैर भगत के सौजन्य से विभिन्न स्थानों पर आदिवासी माता-बहनों के बीच सांस्कृतिक साड़ियों का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत भड़गांव के डोका करमटोली स्थित अखाड़ा, ग्राम पंचायत बाघा के बाघा गांव तथा भंडरा प्रखंड के भुंजनिया महिला मंडल में साड़ी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस दौरान सुखैर भगत ने करम पर्व की परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि करम पर्व आदिवासी सभ्यता, संस्कृति, प्रकृति प्रेम और पूर्वजों की गौरवशाली परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व प्रकृति संरक्षण, भाईचारे, सामाजिक एकता और आपसी प्रेम का संदेश देता है।उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति और परंपराएं समाज की पहचान तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण सभी का दायित्व है। करम पर्व के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ अखाड़ा परंपरा, लोकगीत और लोकनृत्य को भी संरक्षित करने की आवश्यकता है।उन्होंने करम देवता से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए आदिवासी समाज के लोगों को करम पर्व की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम में जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव, जिला महासचिव ठाकुर प्रसाद, लालदेव भगत, इंद्रदीप तिग्गा, कलावती उरांव, फूलमनी उरांव, सीमा उरांव, रीमा, चिंता, सावित्री, ललिता चानो, प्रमिला, सरिता, राजमुनी, पार्वती सहित बड़ी संख्या में आदिवासी माता-बहनें एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

पीएलवी ने डोर-टू-डोर पहुंचकर ग्रामीणों को दी निशुल्क कानूनी सहायता

लोहरदगाः नालसा नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देश के आलोक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष राज कमल मिश्रा तथा डालसा सचिव मनोरंजन कुमार के आदेशानुसार 60 दिवसीय मेगा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के 25वें दिन किस्को प्रखंड अंतर्गत हिसरी पंचायत के हिसरी गांव में डोर-टू-डोर अभियान के साथ जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

अभियान के दौरान डालसा के पीएलवी निशा कुमारी, शाहिद हुसैन एवं कलिंदर उरांव ने ग्रामीणों को नालसा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कानूनी सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी। ग्रामीणों को निशुल्क कानूनी सहायता, एसिड हमले के पीड़ितों के लिए कानूनी सेवा, मानव-वन्यजीव संघर्ष के पीड़ितों को न्याय तक पहुंच संबंधी योजना, मानव तस्करी से पीड़ितों तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध कानूनी सहायता सहित अन्य नालसा योजनाओं के बारे में बताया गया।

पीएलवी ने ग्रामीणों को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 और साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी देते हुए साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल सहायता लेने के लिए जागरूक किया। इसके अलावा घरेलू हिंसा, भूमि संबंधी अधिकार एवं साक्षरता, नशा मुक्ति तथा विभिन्न सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई।

अभियान के दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि जरूरतमंद व्यक्ति अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी प्राप्त करने के साथ पात्रता के अनुसार निशुल्क कानूनी सहायता और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। पीएलवी ने लोगों से जागरूक होकर इन सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

मेहनत और अनुशासन से मिली सफलता : प्राचार्य कौशल कुमार झा

तमाड़। पीएम श्री प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय, तमाड़ के खेल मैदान में प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड 2026 प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स, जैवलीन थ्रो, गोला फेंक, डिस्कस थ्रो, कबड्डी, वॉलीबॉल और खो-खो सहित विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंडर-17 के बालक वर्ग में वॉलीबॉल और कबड्डी में प्लस टू उच्च विद्यालय, तमाड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, बालिका वर्ग में उच्च विद्यालय, नावाडीह ने वॉलीबॉल और कबड्डी में प्रथम स्थान हासिल किया। प्लस टू उच्च विद्यालय, तमाड़ के प्राचार्य कौशल कुमार झा ने वॉलीबॉल और कबड्डी में विद्यालय की टीम के प्रथम स्थान प्राप्त करने पर खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय के छात्र-छात्राएं शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

रांची में एसआईआर और परिसीमन के खिलाफ जनाधिकार महासभा का हल्ला बोल, 3 मुद्दों पर झारखंड में जनांदोलन की तैयारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची के बगईचा में रविवार को 'झारखंड जनाधिकार महासभा' और विभिन्न जनसंगठनों द्वारा परिसीमन और एसआईआर के मुद्दों पर एक राज्य स्तरीय चर्चा का आयोजन किया गया. बैठक में शामिल विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में 100 फीसदी आदिवासी आरक्षण और राज्य में पर्याप्त दलित प्रतिनिधित्व के बिना झारखंडवासियों को परिसीमन किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं है. वक्ताओं ने चेतावनी दी कि वर्तमान आधार पर परिसीमन होने से राज्य में आदिवासियों और दलितों की राजनीतिक आवाज कमजोर हो जाएगी. बैठक के दौरान पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, लातेहार, गोड्डा, चतरा, पलामू और बोकारो समेत कई जिलों से आए प्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्र के एसआईआर अनुभव साझा किए. प्रतिनिधियों ने बताया कि एएसडीडी और 'लॉजिकल डिस्क्रिपेन्सी' (तार्किक विसंगति) के नाम पर बड़े पैमाने पर नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण और गरीब जनता में भारी अफरा-तफरी का माहौल है. खतियान और दस्तावेज न होने के कारण सबसे ज्यादा नाम आदिवासी, मूलवासी, दलित, अल्पसंख्यक और महिलाओं के कट रहे हैं. वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रक्रिया की जटिलता के कारण देश में 'दो दर्जे के नागरिक' बनाए जा रहे हैं.

चर्चा में वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में लगातार हुए पलायन, उच्च मृत्यु दर और भारी संख्या में बाहरी आबादी के बसने के कारण यदि केवल जनसंख्या को आधार बनाकर परिसीमन किया गया, तो आदिवासी प्रतिनिधित्व में भारी कमी आएगी. अनारक्षित सीटों पर राजनीतिक दल आदिवासी या दलित उम्मीदवारों को टिकट नहीं देते, जिससे गैर-अनुसूचित क्षेत्रों में उनका प्रभाव न के बराबर हो जाता है. महासभा ने मांग रखी कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के सभी संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों को 100% आदिवासी आरक्षित घोषित किया जाए और पर्याप्त दलित आबादी वाले क्षेत्रों को एससी आरक्षित किया जाए.

बैठक के समापन सत्र में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. जनाधिकार महासभा ने मांग की है कि एसआईआर की अंतिम समय सीमा तब तक बढ़ाई जाए जब तक सभी नोटिसों का निष्पादन न हो जाए. भूमिहीन दलितों व वंचित परिवारों के नाम स्वयं-सत्यापित या ग्राम सभा से सत्यापित वंशावली के आधार पर मतदाता सूची में जोड़े जाएं. इसके साथ ही परिसीमन, एसआईआर और हालिया एमएमडीआर संशोधन अधिनियम के खिलाफ जल्द ही राज्यभर में धरना-प्रदर्शन और जनांदोलन की घोषणा की जाएगी. कार्यक्रम में आदिवासी अधिकार मंच, हासा और भाषा बचाओ संगठन, आदिवासी विमेंस नेटवर्क, ऐपवा, वन अधिकार मंच और यूएमएफ समेत कई संगठनों के प्रतिनिधि और वक्ता मौजूद रहे.

खबर एक नजर

कांग्रेस ने योगेंद्र साव को भेजा कारण बताओ नोटिस, 3 दिन में जवाब मांगा

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति ने पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता योगेंद्र साव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. पार्टी ने उनसे तीन दिनों के भीतर लिखित जवाब देने और खुद उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा है. अनुशासन समिति के अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उरांव की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि योगेंद्र साव पर पार्टी अनुशासन के उल्लंघन का आरोप है. समिति ने उनसे पूछा है कि पार्टी संविधान के तहत उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की जाए. कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि योगेंद्र साव को पहले भी पार्टी अनुशासन के उल्लंघन के मामले में निष्कासित किया गया था. बाद में पार्टी नेतृत्व ने उनके लंबे संगठनात्मक योगदान को देखते हुए निष्कासन का फैसला वापस ले लिया था. नोटिस में कहा गया है कि हाल में मीडिया के माध्यम से योगेंद्र साव की ओर से दिए गए कुछ बयानों को पार्टी ने गंभीरता से लिया है. कांग्रेस के अनुसार, इन बयानों को पार्टी के सिद्धांतों और नेतृत्व के निदेशों के खिलाफ माना गया है. अनुशासन समिति ने कहा है कि इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति से पार्टी संगठन की छवि प्रभावित होती है. इसी को लेकर योगेंद्र साव से स्पष्टीकरण मांगा गया है. पार्टी ने यह भी कहा है कि कांग्रेस में विचार रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन संगठनात्मक अनुशासन का पालन करना भी जरूरी है. पार्टी मंच के बाहर दिए गए ऐसे सार्वजनिक बयान, जो पार्टी की घोषित नीति, सिद्धांत या नेतृत्व के निदेशों से अलग हों, उन्हें संगठन के स्तर पर गंभीरता से लिया जाएगा.

रांची में भाजपा को झटका, भाजपा नेत्री सरोज पांडेय समेत कई लोगों ने ली आरजेडी की सदस्यता

रांची। धुर्वा बस स्टैंड के समीप बौद्ध मंदिर आंबेडकर परिसर में रविवार को राजद की ओर से मिलन समारोह का आयोजन किया गया. प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेत्री सरोज पांडेय, रीमा कुमारी, शशि देवी, धर्मवीर यादव, आलोक कुमार समेत कई लोगों ने राजद की सदस्यता ग्रहण की. पार्टी नेताओं ने सभी का झंडा और पट्टा देकर स्वागत किया. राजद में शामिल होने के बाद लोगों ने कहा कि वे बिना किसी स्वार्थ के लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव की नीतियों से प्रभावित होकर राजद परिवार में शामिल हुए हैं. सरोज पांडेय ने दावा किया कि एचइसी क्षेत्र, हटिया, हिनू और तुपुदाना क्षेत्र के अधिकांश भाजपा कार्यकताओं को जल्द ही राजद में शामिल कराया जायेगा. यह उनका राजनीतिक दावा है, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है. प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा कि पार्टी का मिलन अभियान लगातार जारी रहेगा. उन्होंने बताया कि 27 सितंबर को सेक्टर-2 धुर्वा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में भी मिलन समारोह आयोजित किया जायेगा. कार्यक्रम में ऊषा यादव, पार्वती ठाकुर, सुरेश राय समेत कई अन्य लोग मौजूद थे.

रांची सदर अस्पताल में मोबाइल चुराते पकड़े गये दो युवक, तलाशी में मिले दो चोरी के फोन

रांची। लोअर बाजार थाना क्षेत्र स्थित सदर अस्पताल परिसर में मोबाइल चोरी करते दो आरोपियों को लोगों ने रंगे हाथ पकड़ लिया. घटना अस्पताल की चौथी मंजिल की है. मोबाइल बचाने के दौरान मरीज के परिजन हापता बेड़ा, अनगड़ा निवासी समल बेदिया चोरों से भिड़ गये और दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया. दोनों आरोपियों के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही अस्पताल में मौजूद मरीजों के परिजनों की भीड़ जुट गयी. आक्रोशित लोगों ने दोनों की धुनाई शुरू कर दी. स्थिति बिगड़ती देख कुदारखो, बेड़ो निवासी विवेक पाठक समेत अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया. इसके बाद लोअर बाजार थाना पुलिस को घटना की सूचना दी गयी. सूचना मिलते ही पुलिस टीम सदर अस्पताल पहुंची और दोनों आरोपियों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर हिरासत में ले लिया. पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों ने अस्पताल परिसर से मोबाइल चोरी करने की बात स्वीकार की. तलाशी लेने पर उनके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किये गये. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है. आरोपियों की पहचान गुदड़ी चौक, कुरैशी मुहल्ला निवासी शहवाज कुरैशी और इस्लाम नगर, पत्थलकुदवा निवासी मो. दिलशाद उर्फ ठिल्लू के रूप में हुई है.

ग्रामीण खिलाड़ियों को स्कूली हॉकी से मिल रहा बड़ा मंच, दूसरे दिन भी मैदान पर दिखा उत्साह

रांची। राज्य स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन रविवार को भी रांची के मैदानों पर खिलाड़ियों का उत्साह देखने को मिला. अलग-अलग जिलों से पहुंची स्कूली टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश के साथ मुकाबलों में भाग लिया. खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों के लिए यह प्रतियोगिता अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच बनी है. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की टीमें तीन अलग-अलग आयु वर्गों में हिस्सा ले रही हैं. प्रतियोगिता के मुकाबले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी और सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, बरियातू में खेले जा रहे हैं. दूसरे दिन मैदान में पहुंचे कई ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों ने बताया कि सीधे खेल विभाग से जुड़कर प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं तक पहुंच बना पाना उनके लिए आसान नहीं होता.

रांची में सीटू की दो दिवसीय बैठक शुरू, तपन सेन बोले- कामगारों के मुद्दों को लेकर संगठन जरूरी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सीटू राज्य कमेटी की दो दिवसीय बैठक रविवार को शुरू हुई. बैठक का उद्घाटन सीटू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद तपन सेन ने किया. इस दौरान उन्होंने पूंजीवादी व्यवस्था के संकट, चार लेबर कोड, निजीकरण, ठेका प्रथा और महंगाई समेत कामगारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी. बैठक में एक से तीन दिसंबर तक दिल्ली में प्रस्तावित मजदूरों के महाजुटान को सफल बनाने का निर्णय लिया गया.

तपन सेन ने कहा कि दुनिया में पूंजीवादी व्यवस्था का संकट गहरा रहा है और इसका प्रभाव भारत पर भी पड़ रहा है. उनके अनुसार, इसका बोझ मेहनतकश लोगों पर डाला जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि इस बोझ के खिलाफ कामगारों के प्रतिरोध से निपटने के लिए सरकार आक्रामक रवैया अपना रही है. उन्होंने चार लेबर कोड का जिक्र करते हुए कहा कि स्थायी कामगारों की जगह ठेका प्रथा को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसे अब आउटसोर्सिंग का रूप दिया गया है. उन्होंने यह भी कहा कि लेबर कोड में प्रधान नियोक्ता की भूमिका खत्म किये जाने से मजदूरों के हित प्रभावित होंगे. तपन सेन ने कहा कि निजीकरण, ठेका प्रथा, काम के घंटे बढ़ने और महंगाई के कारण कामगारों में असंतोष बढ़ रहा है.

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव के बयान पर भड़का झामुमो, कहा-कांग्रेस ने नहीं की कार्रवाई तो इंडिया गठबंधन के रिश्ते में आएगी खटास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राज्य के पूर्व कृषि मंत्री और कांग्रेस नेता योगेंद्र साव हमेशा किसी न किसी बात को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं, लेकिन इस बार हजारीबाग में मीडिया के सामने ऑन कैमरा उन्होंने सीधे टारगेट महागठबंधन के नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को किया है. योगेंद्र साव के बयान से झामुमो नेताओं और कार्यकताओं में काफी नाराजगी है. ऐसे में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने साफ कर दिया है कि अगर अब कांग्रेस आलाकमान उनपर कठोर कार्रवाई नहीं करते हैं तो राज्य में क्ख्उक्क्अ महागठबंधन और गठबंधन सरकार के भविष्य पर भी खतरा मंडरा सकता है. झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने यह कहकर इशारा भी कर दिया है कि अगर योगेंद्र साव पर त्वरित कार्रवाई नहीं होती तो राज्य में इंडिया महागठबंधन पर भी खतरा मंडरा सकता है. यह बयान इस मायने में खास है कि 81 विधायकों की संख्या वाली झारखंड विधानसभा में 56 विधायकों (सुदिव्य सोनू के निधन के बाद अब 55 विधायक) के समर्थन से महागठबंधन की सरकार चल रही है. जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और सीपीआई माले के विधायक शामिल हैं.

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि पूर्व मंत्री व कांग्रेस के नेता योगेंद्र साव द्वारा झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री को लेकर कही गई अनर्गल और बेहद आपत्तिजनक बयान को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बेहद गंभीरता से लिया है. मनोज पांडेय ने कहा कि हमारी सहयोगी कांग्रेस पार्टी है और हमारा महत्वपूर्ण घटक दल भी है. उनसे जुड़े हुए नेता हैं योगेंद्र साव. पहले भी इन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई है फिर इन्हें कांग्रेस ने वापस ले लिया गया था, लेकिन जो इनका रवैया और एटीट्यूड दिखता है, जो इनकी भाषा दिखती है वह बेहद घटिया और आपत्तिजनक है. उनपर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए.

झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि जहां तक उन्हें जानकारी है, कांग्रेस के प्रभारी के. राजू को इसकी स्पष्ट जानकारी दे दी गई है. अब उनका काम है कि कार्रवाई करें. अगर ऐसे लोगों को पार्टी में रखेंगे,कार्रवाई नहीं होगी तो फिर इंडिया गठबंधन के रिश्ते में खटास पैदा होगी और प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा. झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि उनका मानना है कि कांग्रेस पार्टी के नेता चाहे दिल्ली के हो या फिर रांची के, वे सभी लोग काफी मेच्योर हैं. योगेंद्र साव पर उचित और त्वरित कार्रवाई जरूर होगी.

गश्ती के दौरान अपराधियों से भिड़े सब इंस्पेक्टर, मारपीट के बाद भी तीन को पकड़ा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार की रात गश्ती के दौरान पुलिस के सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार ने लूट की तैयारी कर रहे संदिग्ध अपराधियों को पकड़ने के लिए अकेले ही मोर्चा संभाल लिया. अपराधियों ने पुलिस अधिकारी के अकेले होने का फायदा उठाकर उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की, जिसमें वह घायल हो गए. इसके बावजूद उन्होंने संदिग्धों को पकड़ से बाहर नहीं जाने दिया. बाद में थाना की अतिरिक्त पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया.

अरगोड़ा थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार शनिवार रात गश्ती पर थे. इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध अपराधी एक जगह जुटे हैं और किसी बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं. सूचना को गंभीरता से लेते हुए वह तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंचे. मौके पर पहुंचने के बाद सब इंस्पेक्टर ने संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश की. बताया जाता है कि पुलिस अधिकारी को अकेला देखकर अपराधियों ने विरोध शुरू कर दिया. उन्होंने मुकेश कुमार के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की. इस दौरान सब इंस्पेक्टर को चोटें भी आई.

मारपीट के बावजूद मुकेश कुमार पीछे नहीं हटे. घायल होने के बाद भी उन्होंने आरोपियों को पकड़े रखा और उन्हें भागने का मौका नहीं दिया. इस बीच घटना की सूचना अरगोड़ा थाना पुलिस को दी गयी. सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया. पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है. पूछताछ में लूट की योजना में उनकी भूमिका के साथ गिरोह में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि पकड़े गए आरोपियों का पहले से कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं. मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

रांची रिम्स में रखे 43 लावारिस शवों का जुमार नदी के तट पर किया गया सामूहिक अंतिम संस्कार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रिम्स में लंबे समय से पड़े 43 लावारिस शवों का रविवार को जुमार नदी तट पर पूरे विधि-विधान के साथ सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया. मुक्ति संस्था की ओर से इन शवों को सम्मानजनक अंतिम विदाई दी गई. अंतिम संस्कार की प्रक्रिया संस्था के सदस्यों की मौजूदगी में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार पूरी की गई. मुक्ति संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने शवों को मुखाग्नि दी. इस दौरान संस्था के कई सदस्य मौजूद रहे. संस्था के सदस्यों ने अंतिम संस्कार से पहले सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कीं. इसके बाद जुमार नदी तट पर सामूहिक रूप से अंतिम संस्कार किया गया. मुक्ति संस्था की ओर से लंबे समय से लावारिस शवों के अंतिम संस्कार का काम किया जा रहा है. ऐसे शवों की पहचान नहीं होने या उनके परिजनों का पता नहीं चल पाने के कारण संस्था की ओर से उन्हें सम्मानजनक अंतिम विदाई दी जाती है. रविवार को भी 43 शवों का अंतिम संस्कार इसी उद्देश्य से किया गया.

संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसका अंतिम संस्कार सम्मान के साथ होना चाहिए. कई ऐसे शव होते हैं, जिनके अंतिम समय में उनके परिजन या परिचित मौजूद नहीं होते, ऐसे लोगों को भी सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई मिल सके, यही संस्था का प्रयास है. उन्होंने कहा कि मुक्ति संस्था लगातार लावारिस शवों के अंतिम संस्कार का कार्य कर रही है. रिम्स में ऐसे शवों के जमा होने के बाद संस्था की ओर से संबंधित प्रक्रिया पूरी कर उन्हें अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जाता है. इसके बाद धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाता है.

प्रवीण लोहिया ने कहा, 'मृत्यु के बाद हर व्यक्ति को सम्मानजनक अंतिम विदाई मिलनी चाहिए. जिन शवों का कोई अपना अंतिम संस्कार करने के लिए मौजूद नहीं है, उनके लिए संस्था, परिवार की भूमिका निभाने का प्रयास करती है. हमारा उद्देश्य केवल अंतिम संस्कार करना नहीं, बल्कि उन लोगों को भी सम्मान देना है, जो अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर अकेले रह गए.' रविवार को जुमार नदी तट पर हुए सामूहिक अंतिम संस्कार के दौरान संस्था के सदस्यों ने पूरी प्रक्रिया में सहयोग किया.

एसआईआर ड्यूटी से मुक्ति व ड्यूटी पर मौत पर शिक्षकों के परिवार को मिले 1 करोड़ मुआवजा : संघ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रदेश कमेटी की बैठक रविवार को शिक्षक सर्वोदय आश्रम, सुखदेव नगर में हुई. प्रदेश महासचिव निखिल मंडल की अध्यक्षता में हुई बैठक संपन्न हुई. इस मौके पर शिक्षकों से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा की गई. जिसमें सरकार के समक्ष मांगें रखने और संगठन स्तर पर आंदोलन करने की रणनीति तैयार करने का निर्णय लिया गया. बैठक में ळएळ की समस्याओं के समाधान, शिक्षकों की प्रोन्नति और टअउढ का लाभ, उत्क्रमित वेतनमान लागू करने और लंबित वेतन भुगतान जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई. इस दौरान संघ ने कहा कि डिजिटल सिग्नेचर वेरिफिकेशन नहीं होने के कारण कई जिलों और प्रखंडों में शिक्षकों का अगस्त महीने का वेतन लंबित है. इसके शीघ्र भुगतान के लिए संबंधित अधिकारियों से तत्काल पहल करने का का निर्णय लिया गया.

बैठक में शिक्षकों को विद्यालय कार्य के अलावा रक्क्र समेत अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने का मुद्दा भी उठाया गया. संघ का कहना है कि इससे विद्यालयों में पठन-पाठन और शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं. संगठन ने शिक्षकों को रक्क्र कार्य से मुक्त करने की मांग को लेकर उचित स्तर पर पहल करने का निर्णय लिया. साथ ही, यदि शिक्षकों को ऐसे कार्यों में लगाया जाता है तो उन्हें चुनाव ड्यूटी के समान सुरक्षा और दायित्व संबंधी प्रावधान देने की मांग की गई. बैठक में यह भी मांग रखी गई कि कार्य के दौरान किसी शिक्षक की अप्रिय घटना में मृत्यु होने पर उसके आश्रित परिवार को सरकार की ओर से 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता/ मुआवजा दिया जाए. संघ ने प्रत्येक शनिवार विद्यालय संचालन को पूर्व व्यवस्था के अनुसार हाफ डे किए जाने की मांग को लेकर भी पहल करने का निर्णय लिया. इसके अलावा शिक्षकों के लिए उत्क्रमित वेतनमान लागू करने की मांग को संबंधित विभाग के समक्ष रखने पर सहमति बनी.

शिक्षक संघ को और मजबूत करने के लिए 25 दिसंबर तक प्रदेश के सभी जिलों में संगठन का पुनर्गठन पूरा करने का निर्णय लिया गया. राज्य स्तरीय बैठक 29 नवंबर को आयोजित की जाएगी. बैठक के अंत में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय बृजनंदन शर्मा एवं झारखंड के मंत्री स्वर्गीय सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर शोक व्यक्त किया गया. उपस्थित पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी. बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष मैनेजर प्रसाद सिंह, अमित कुमार महतो, कमलेश्वर पांडेय, उप महासचिव ईश्वर हेंब्रम, सचिव हरिद्वार महतो आदि थे।

डीएसपीएमयू में स्कार्फ और आई कार्ड का वितरण, दीक्षांत समारोह की तैयारी तेज, 142 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची में 24 सितंबर को होने वाले तीसरे दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई है. समारोह को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों में उत्साह देखा जा रहा है. दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले स्नातक सत्र 2022-25 के रेगुलर और वोकेशनल कोर्स के विद्यार्थियों को रविवार को गेट पास (आई कार्ड) और स्कार्फ (पट्टा) का वितरण किया गया. इसके लिए विश्वविद्यालय में विशेष काउंटर बनाए गए हैं. गेट पास और स्कार्फ का वितरण सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया है. विद्यार्थियों के लिए काउंटर नंबर 6, 7, 8 और 9 की व्यवस्था की गई है. गेट पास और स्कार्फ लेने के लिए विद्यार्थियों को अपनी मार्क्सशीट की फोटोकॉपी और दीक्षांत समारोह के लिए किए गए भुगतान की स्लिप या चालान की छायाप्रति जमा करनी है.

विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह के लिए भारतीय पारंपरिक वेशभूषा को ड्रेस कोड के रूप में तय किया है. विद्यार्थियों के लिए सफेद कुर्ता-पायजामा या सफेद धोती-कुर्ता निर्धारित किया गया है. वहीं छात्राओं के लिए लाल बॉर्डर वाली सफेद साड़ी और लाल ब्लाउज या सफेद सलवार-कुर्ता के साथ लाल दुपट्टा पहनने का विकल्प दिया गया है. विश्वविद्यालय की ओर से दिया जा रहा स्कार्फ भी समारोह के दिन पहनना अनिवार्य होगा. समारोह में इस बार कुल 6415 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी. वहीं 142 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा. विश्वविद्यालय की ओर से सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को 24 सितंबर को सुबह 9 बजे तक समारोह स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है. दीक्षांत समारोह को लेकर विद्यार्थियों में भी खास उत्साह है. विद्यार्थियों का कहना है कि पारंपरिक वेशभूषा में डिग्री हासिल करना उनके लिए गौरव का क्षण होगा. विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की ओर से तय किए गए ड्रेस कोड और पूरी व्यवस्था की सराहना की.

पदातिक एक्सप्रेस चोरीकांड का खुलासा, मुख्य आरोपी समेत दो गिरफ्तार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

16.41 लाख की चोरी की संपत्ति बरामद, ज्वेलर्स के यहां बेचे गए सोने के आभूषण भी जब्त

बरहरवा/साहिबगंज। 12378 डाउन पदातिक एक्सप्रेस के एस-1 कोच में यात्री के सामान से लाखों रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और मोबाइल चोरी के मामले का आरपीएफ ने खुलासा किया है। रेल मदद पर मिली शिकायत के बाद आरपीएफ/सीआईबी बर्दवान, आरपीएफ पाकुड़ और आरपीएफ बरहरवा की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। टीम ने करीब 16 लाख 41 हजार रुपये मूल्य की चोरी की संपत्ति बरामद की है। मामले में चोरी की अन्य संपत्ति की बरामदगी और संभावित रिसीवरों की गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, 15 सितंबर 2026 को ट्रेन संख्या 12378 डाउन पदातिक एक्सप्रेस के एस-1 कोच में यात्री के सामान चोरी होने की शिकायत रेल मदद के माध्यम से दर्ज कराई गई थी। शिकायत संख्या 2026091500737 के आधार पर अधिकारियों के निर्देश पर संयुक्त टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान कोटालपोखर रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति एस-1 कोच में ऑफ-साइड से चढ़ता दिखाई दिया। तकनीकी एवं अन्य जांच के आधार पर संदिग्ध की पहचान जियाउल शेख उर्फ छपरा (30 वर्ष), पिता रमजानी शेख, निवासी चांदनीपुर रोड, बरहरवा के रूप में हुई। इसके बाद आरपीएफ टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से राजमहल थाना क्षेत्र के नागेश्वर बाग स्थित आरोपी के ससुर कुर्बान शेख के घर पर छापेमारी की। टीम ने मकान को चारों ओर से घेर लिया। इसी दौरान एक व्यक्ति घर से निकलकर धान के खेत की ओर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे टीम ने पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने ट्रेन में यात्री के सामान से सोने के आभूषण और मोबाइल फोन चोरी करने की बात स्वीकार की।

ससुर के घर से मिले सोने-चांदी के आभूषण

आरोपी की निशानदेही पर उसके ससुर के घर से गुलाबी रंग के आभूषण बैग में रखे कई सोने-चांदी के सामान और नकदी बरामद की गई। बरामद सामान में दो सोने की चूड़ियां/कड़ा, टूटे टुकड़ों सहित एक सोने का बाला, एक सोने का हार, एक सोने की अंगूठी, पेंडेंट सहित भगवान की सोने की चेन, बच्चों का सोने का बाजूबंद, भगवान का सोने का मुकुट, भगवान के चार छोटे सोने के बाला, कच्चे सोने के दो गोल टुकड़े, चार चांदी के सिक्के और 1.41 लाख रुपये नकद शामिल हैं।

ज्वेलर्स के यहां बेची गईं दो चेन और बालियां भी बरामद

पूछताछ में जियाउल शेख ने बताया कि चोरी की गई दो सोने की चेन और दो सोने की बालियां उसने 1 लाख 41 हजार 500 रुपये में राजमहल नयाबाजार निवासी ज्वेलर्स प्रदीप कुमार साहा (51 वर्ष) को बेची थीं। आरोपी की निशानदेही पर राजमहल के लालू मार्केट स्थित ज्वेलरी दुकान में छापेमारी की गई, जहां से दोनों सोने की चेन और दोनों सोने की बालियां बरामद कर ली गईं। इसके बाद प्रदीप कुमार साहा को भी गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के दौरान आरोपी ने एक सोने की अंगूठी मजबूर शेख, पिता सूरत अली, निवासी गिट्टी कॉलोनी, हरिजन पाड़ा, बरहरवा तथा एक मोबाइल फोन जैनुल शेख, पिता स्वर्गीय मैनुल शेख, निवासी मुगल पाड़ा, डाकघर इस्लामपुर, थाना बरहरवा को बेचने की बात बताई। दोनों के ठिकानों पर छापेमारी की गई, लेकिन वे अपने-अपने घर पर नहीं मिले। परिजनों से पूछताछ के बावजूद उनके वर्तमान ठिकाने की जानकारी नहीं मिल सकी। आरपीएफ के अनुसार, बरामद सोने-चांदी के सामान के संबंध में गिरफ्तार आरोपियों द्वारा कोई वैध दस्तावेज अथवा स्वामित्व संबंधी प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। पूरी जब्ती और गिरफ्तारी की कार्रवाई स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में BNSS के प्रावधानों के तहत वीडियोग्राफी के साथ की गई। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को बरामद एवं जब्त संपत्ति, जब्ती सूची, वीडियोग्राफी रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी बरहरवा को सुपुर्द कर दिया गया। मामले में जीआरपी बरहरवा कांड संख्या 48/2026, दिनांक 20 सितंबर 2026 के तहत धारा 305(C), 317(2), 3(5) BNS में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस और आरपीएफ द्वारा चोरी की शेष संपत्ति की बरामदगी तथा अन्य संभावित रिसीवरों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई जारी है।

मोटर दुर्घटना पीड़ितों को समय पर मुआवजा दिलाने पर जोर, जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश- सह- अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में रविवार को व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष में जिला स्तरीय मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर, जिला न्यायाधीश सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-कक्कशिव करण, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, लोक अभियोजक नीतू आदि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुलाम हैदर ने कहा कि मोटर दुर्घटना के मामलों में थाना प्रभारी और पुलिस पदाधिकारियों का यह कानूनी दायित्व है कि पीड़ित परिवार को समय पर उचित कारवाई करें जिससे पीड़ित को मुआवजा मिल सके । उन्होंने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कागजातों की डीटीओ से जांच कराना अनिवार्य है तथा दुर्घटना की सूचना बीमा कंपनी को समय पर देना और आवश्यक प्रतिवेदन उपलब्ध कराना भी पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि मुआवजा का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करना एवं उनके जीवनयापन में सहयोग देना है।इस अवसर पर जिला न्यायाधीश सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-कक्क शिव करण ने मोटर दुर्घटना कानूनों में हुए हालिया बदलावों की जानकारी देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना से संबंधित सभी कागजात 30 दिनों के भीतर न्यायालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। ऐसा नहीं होने पर न्यायालय को सूचित करना आवश्यक है। उन्होंने थाना प्रभारियों से अपेक्षा की कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ करें तथा यह संकल्प लें कि प्रत्येक पीड़ित परिवार को न्यायोचित मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करेंगे।उन्होंने कहा कि पुलिस पदाधिकारियों एवं बीमा कंपनियों के समन्वय के बिना मुआवजा प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं है, इसलिए सभी संबंधित पदाधिकारी अपनी भूमिका का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा के साथ करें।इस कार्यक्रम में मोजूद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार, परिवहन विभाग के राज हंस, नगर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक साहेबगंज सदर अमित कुमार गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मुफ्फसिल थाना प्रभारी नितेश पाण्डेय, तालझारी थाना प्रभारी अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे एलएडीसी, परिवहन विभाग के पदाधिकारी सहित पुलिस पदाधिकारीगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल, पांच लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

राजमहल/साहिबगंज।थाना क्षेत्र अंतर्गत नील कोठी निवासी जो आशीष कुमार प्रमाणिक ने मारपीट कर घायल कर देने के मामले में पांच लोगों के विरुद्ध थाना में शिकायत किया है। उन्होंने पुलिस को बताया है कि बीते शनिवार की शाम लगभग 7:30 बजे अपने निजी कार्य से रेलवे स्टेशन के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान कथित आरोपी नाम दर्ज पांच लोगों ने मिलकर लोहे की रड और लाठी से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आसपास के एवं परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने इलाज किया। मामले को लेकर प्रभारी थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है मामले की जांच की जा रही है।

हथियार के बल पर व्यक्ति से 75 हजार रुपये लूटने का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

साहिबगंज।जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत हथियार के दम पर एक व्यक्ति से 75 की लूट के मामले में थाना क्षेत्र के ताफुटोला निवासी अशरफ शेख ने थाना में शिकायत दर्ज करायी है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित ने पुलिस को बताया है कि थाना क्षेत्र के राजमहल उधवा मुख्य मार्ग स्थित लखीपुर पेट्रोल पंप के पास शनिवार की देर रात लगभग 8:30 बजे उसके साथ कथित रूप से मारपीट कर लूट की घटना हुई है। पीड़ित अशरफ शेख ने बताया की वह राजमहल से अपना काम का निपटारा कर अपने घर जा रहा था। इसी दौरान पेट्रोल पंप के पास पूर्व से घात लगाए कथित रूप से थाना क्षेत्र के मिछू टोला निवासी चार लोग सहित अन्य 8 से 10 की संख्या में अज्ञात लोगों ने कथित रूप से हंसवे आदि अन्य हथियार लेकर उसे रोक कर अचानक मारपीट करने लगा और उसके पास से 75 हजार रुपए लूट लिया। थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है मामले की छानबीन की जा रही है।

गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी के ठहराव की मांग तेज, सांसद से मिला प्रतिनिधिमंडल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

बरहरवा/साहिबगंज। गुमानी रेलवे स्टेशन पर मालदाझहावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस (13011/13012) के नियमित ठहराव की मांग को लेकर नवझारखंड जनएकता संगठन ने पहल तेज कर दी है। रविवार को संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय कुमार हांसदा से मुलाकात कर इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद के समक्ष गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की आवश्यकता को प्रमुखता से रखा। संगठन के सदस्यों ने कहा कि गुमानी रेलवे स्टेशन आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों के लिए आवागमन का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसके बावजूद यहां प्रमुख इंटरसिटी ट्रेन का नियमित ठहराव नहीं होने से क्षेत्र के यात्रियों को काफी परेशानी होती है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार गुमानी, बरहरवा और आसपास के ग्रामीण इलाकों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, नौकरीपेशा लोग, व्यापारी, मजदूर, मरीज और अन्य यात्री मालदा, हावड़ा समेत विभिन्न शहरों की यात्रा करते हैं। ट्रेन के ठहराव से इन यात्रियों को समय की बचत के साथ सुविधाजनक और बेहतर रेल संपर्क मिल सकेगा। संगठन ने सांसद से मांग की कि वे इस जनहित के मुद्दे को रेलवे बोर्ड और रेल मंत्रालय के समक्ष मजबूती से उठाते हुए गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस के नियमित ठहराव के लिए आवश्यक पहल करें। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि रेलवे की सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों और प्रमुख स्टेशनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। ग्रामीण एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले यात्रियों की जरूरतों को भी रेल परिचालन से जुड़े निर्णयों में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। संगठन का कहना है कि गुमानी स्टेशन पर इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव होने से यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ-साथ स्थानीय व्यापार, शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा और क्षेत्रीय आवागमन को भी लाभ मिलेगा। संगठन ने इसे किसी एक व्यक्ति या संस्था की मांग नहीं, बल्कि गुमानी, बरहरवा और आसपास के हजारों यात्रियों से जुड़ा व्यापक जनहित का मुद्दा बताया।

मायापुर इस्कॉन में धूमधाम से मना राधाष्टमी महोत्सव, कन्हैयास्थान से सैकड़ों कृष्ण भक्त हुए शामिल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

राजमहल/साहिबगंज। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले स्थित मायापुर इस्कॉन मंदिर में आयोजित राधाष्टमी महोत्सव में झारखंड के साहिबगंज जिले के राजमहल प्रखंड अंतर्गत कन्हैयास्थान स्थित इस्कॉन मंदिर सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कृष्ण भक्त शामिल हुए। सरकंडा, बुधवरिया, शोभापुर, चंडीपुर, सेलमपुर सहित अन्य गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु अलग-अलग जत्थों में मायापुर पहुंचे। कन्हैयास्थान इस्कॉन मंदिर से जुड़े कृष्ण भक्त मोहन श्याम दास ब्रह्मचारी के नेतृत्व में श्रद्धालु मायापुर इस्कॉन मंदिर पहुंचे। इस दौरान अंशु कलाकार, नीलांबर प्रसाद मालाकार, गीता देवी, सुषमा देवी, संजू देवी, फूरकून देवी, मनोरमा देवी, मंजू देवी, अंजलि देवी, शिवानी देवी, मोसोमात इन्द्रा देवी, निभा देवी, संजा कुमारी, मीनी कुमारी, मौसम कुमारी, बलाराम कुमार, मोहित कुमार, ज्ञान शेखा कुमारी सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।श्रद्धालुओं ने बताया कि मायापुर इस्कॉन मंदिर में श्रीमती राधारानी का आविर्भाव दिवस अत्यंत भक्तिमय वातावरण में मनाया जाता है। महोत्सव में देशभर से हजारों कृष्ण भक्त और श्रद्धालु पहुंचते हैं। भक्तों के लिए सुरक्षा, ठहरने और प्रसादम की बेहतर व्यवस्था की जाती है।मायापुर पहुंचने वाले कन्हैयास्थान इस्कॉन मंदिर से जुड़े भक्तों को परम पूज्य भक्ति गौरांग प्रेम स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन दिया गया। इसमें आध्यात्मिक दीक्षा से पहले इस्कॉन दीक्षा के विभिन्न स्तरों और आवश्यक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि आगामी फरवरी माह में आयोजित होने वाले दीक्षा समारोह के लिए योग्य भक्तों को तैयार किया जा रहा है। मायापुर इस्कॉन मंदिर के मीडिया प्रभारी रमेश दास ब्रह्मचारी ने बताया कि श्रीमती राधारानी भगवान श्रीकृष्ण की अभिन्न शक्ति हैं और राधा-कृष्ण में कोई भेद नहीं है। उन्होंने बताया कि इस्कॉन के विभिन्न केंद्रों और मंदिरों में श्रीमती राधारानी का आविर्भाव दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा के अनुसार जब-जब धर्म की हानि होती है, तब भगवान श्रीकृष्ण धर्म की स्थापना के लिए विभिन्न रूपों में धराधाम पर अवतरित होते हैं। भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के साथ श्रीमती राधारानी का भी विशेष आध्यात्मिक महत्व है। उन्होंने कामना की कि श्रीमती राधारानी की कृपा से सभी जीवों को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति प्राप्त हो और उनका कल्याण हो।

जर्जर तार बदलने को लेकर कल तीनपहाड़ में 7 घंटे बिजली रहेगी बाधित

तीनपहाड़/साहिबगंज।जर्जर और खराब बिजली तारों को बदलने के कार्य को लेकर कल सोमवार 21 सितंबर को तीनपहाड़ फीडर में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।कनीय विद्युत अभियंता, तीनपहाड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि 11 KV तीनपहाड़ फीडर में मरम्मत कार्य के कारण सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी।इस दौरान तीनपहाड़, तीनपहाड़ बाजार और बाबूपुर क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। विभाग ने बताया कि कार्य पूरा होते ही बिजली आपूर्ति तत्काल बहाल कर दी जाएगी।झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

दुकान में खाने का सामान मांगने को लेकर विवाद, चाकूबाजी में युवक घायल

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र के सकरोगड़ चैती दुर्गा के समीप शनिवार की रात लगभग 9:30 बजे एक दुकान में किसी बात को लेकर हुई दुकानदार व दुकान में खाने का सामान लेने पहुंचे एक युवक के साथ झड़प हो गया और मामला चाकूबाजी तक पहुंच गया। चाकूबाजी की घटना में एक युवक घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सक डॉ अंकित कुमार ने घायल युवक का इलाज प्रारंभ कर दिया।घायल युवक गुल्लीभट्ठा पांच मोड़ निवासी रामनाथ तांती का 28 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार तांती है। घायल रजनीश कुमार तांती का बाईं कलाई जख्मी हो गया है।घटना के संबंध में घायल रजनीश ने बताया कि मैं एक साथी के साथ गणेश जी का विसर्जन शोभा यात्रा में जा रहा था। जुलूस चैती दुर्गा के आगे निकल गया था। मुझे कुछ खाने का मन किया तो चैती दुर्गा के समीप एक रेस्टोरेंट के जैसा दुकान में जाकर कहा कि कुछ खाने का है तो दिजिए, मैने चार पांच बार कहा लेकिन दुकानदार कुछ जबाब नही दिया, एक स्टाफ ने हमसे कहा कि दुकान का मालिक कहेगा तो सामान देगे। तो मै दुकान से निकलने लगा तो दुकानदार गाली ग्लोज करते हुए हमसे झगड़ा करते हुए धक्का मारते हुए दुकान से निकल दिया। मै बाहर निकल कर बगल में बैठ गया। थोड़ा देर के बाद दुकानदार चाकू लेकर निकला और मेरे उपर चाकू से हमला कर दिया। जिससे मेरा बायी कलाई बुरी तरह जख्मी हो गया। घायल रजनीश ने बताया कि मुझे जिस दुकानदार ने मारा है वह घमंडी साह का पुत्र है। उस समय वह शराब पीया हुआ था। उसके बाद हमारे दोस्तों ने घायलावस्था में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वही चिकित्सक ने रात लगभग एक बजे घायल युवक रजनीश को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई।

गंगा पुल निर्माण में देरी पर आजसू नाराज, चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

साहिबगंज।केंद्र सरकार की बहुप्रतीक्षित झारखंड के साहिबगंज से बिहार के मनिहारी के बीच गंगा पुल निर्माण में लगातार हो रही देरी को लेकर आजसू पार्टी नाराज है। पार्टी जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने रविवार को जेएन राय रोड स्थित कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर सरकार और कार्य एजेंसी पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी। कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2024 तक इस महत्वपूर्ण पुल के निर्माण को पूरा करने का वादा किया था। लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी पुल का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लगी एजेंसी की कार्यशैली बेहद धीमी है। कहा कि यह पुल न केवल झारखंड और बिहार को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है, बल्कि इससे क्षेत्र के व्यापार, परिवहन और आम लोगों की आवाजाही में बड़ा बदलाव आएगा। इसके बावजूद संबंधित विभाग और एजेंसी की उदासीनता से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य में तेजी नहीं लाई गई, तो आजसू पार्टी चुप नहीं बैठेगी। इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्राचार कर स्थिति से अवगत कराया जाएगा। इसके बाद भी यदि ठोस पहल नहीं हुई तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन के तहत धरना-प्रदर्शन, जनआंदोलन और केंद्रीय मंत्री का पुतला दहन जैसे कार्यक्रम करेगी। मौके पर कृष्णा शर्मा, राजीव कुमार, सोनू कुमार मिश्रा एवं रामप्रवेश यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने 36 लाख की लागत से बनने वाले 4 कमरे का क्लास रुम का शिलान्यास किए.

राजमहल/साहिबगंज।राजमहल मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राजमहल शहर के प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय परिसर में 4 कमरे का क्लास रुम का शिलान्यास किए. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के माध्यम से 36 लाख की लागत से बनने वाले 4 कमरे का क्लास रुम का शिलान्यास किया गया. विधायक ने छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था को परिसर का भ्रमण किए. साफ सफाई का आवश्यक दिशा निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि ग्राउंड फ्लोर के बाहरी हिस्से में सुरक्षा के व्यवस्था को लेकर खिड़की में जाली लगाने का दिशा निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि जल्दी ही विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर विद्यालय विकास की दिशा में पहल होगी. प्राचार्य रीमा पाठक जी ने मुख्य द्वार व चारदीवारी बनवाने की भी मांग की है. विधायक ने सकारात्मक आश्वासन दिए हैं. मौके पर विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डु, प्राचार्य रीमा पाठक , प्रबंधन समिति अध्यक्ष मनोज कुमार यादव, जितेन्द्र यादव,रतन राय सहित अन्य मौजूद थे.

बोहरा डिग्री कॉलेज के शासी निकाय की बैठक में शामिल हुए विधायक, बेहतर पठन -पाठन एवं कॉलेज के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा.

राजमहल/साहिबगंज।राजमहल बीएलएनएल बोहरा डिग्री कॉलेज में शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई. जिसमें राजमहल विधायक आदरणीय मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा शामिल हुए. बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, प्राचार्य प्रोफेसर हरिशंकर सिंह भी मौजूद रहे. बैठक में डिग्री कॉलेज के बच्चों के पठन-पाठन एवं कॉलेज के विकास से जुड़ी मुद्दों पर चर्चा हुई. विधायक ने शिक्षक एवं शिक्षकोत्तर कर्मी के उपस्थिति से जुड़ी जानकारी भी लिए.

मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों पर रातभर थिरके लोग, पाकुड़िया में प्रकृति पूजन व भाई-बहन के प्रेम का पर्व 'करमा' धूमधाम से संपन्न

विनोद कुमार साह@ झारखंड उजाला संवाददाता

पाकुड़िया (पाकुड़):भाई-बहन के अटूट स्नेह, कृषि समृद्धि और प्रकृति संरक्षण का संदेश देने वाला ऐतिहासिक 'करमा' पर्व शुक्रवार को प्रखंड क्षेत्र में अपार श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। पाकुड़िया स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में भुइयां, घटवाल, घटवार एवं आदिवासी महासभा के संयुक्त तत्वावधान में भव्य करमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा परिसर पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे श्रद्धालुओं और मांदर की गूंज से सराबोर नजर आया।

करम डाली और जावा पौधे का विधि-विधान से पूजन

महोत्सव की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अखाड़े में करम की डाली और अंकुरित 'जावा' पौधे की पूजा-अर्चना के साथ हुई। पाहन (पुजारी) ने वैदिक व पारंपरिक मंत्रोचार के साथ करम देव की कथा सुनाई, जिसमें भाइयों की सुख-समृद्धि, लंबी उम्र और अच्छी फसल की कामना की गई। व्रती बालिकाओं व महिलाओं ने दिनभर उपवास रखकर जावा पौधे की पूजा की और अपने भाइयों की रक्षा व मंगल की कामना की।

मांदर और ढाक की थाप पर रातभर चला नृत्य का दौर

पूजा-अर्चना समाप्त होते ही अखाड़े में पारंपरिक गीत-संगीत और सामूहिक नृत्य का दौर शुरू हो गया, जो देर रात से लेकर भोर तक अनवरत चलता रहा। ₹करम गड़ाय ले रे, जावा फुटाए ले...₹ जैसे पारंपरिक करमा गीतों पर पुरुष, महिलाएं और युवा मांदर व ढाक की थाप पर एक-दूसरे का हाथ थामकर गोल घेरा बनाकर झूमते रहे। मांदर की गूंज से पूरा पाकुड़िया क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

पर्यावरण रक्षा का संदेश: पेड़ों को बांधी गई राखी:

करमा पर्व के मूल संदेश 'प्रकृति से जुड़ाव' को जीवंत करते हुए इस वर्ष महोत्सव में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। आयोजन के दौरान समाज के प्रबुद्ध जनों और उपस्थित लोगों ने परिसर में मौजूद विभिन्न वृक्षों को राखी (रक्षासूत्र) बांधकर उनके संरक्षण और कटाई न करने का सामूहिक संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा ही हमारी संस्कृति की आत्मा है, जिसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

सामाजिक एकजुटता की दिखी अनोखी मिसाल:

कार्यक्रम में भुइयां, घटवाल, घटवार और आदिवासी महासभा के प्रतिनिधियों ने शिरकत की। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि करमा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान, सामूहिक एकता और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा मजबूत होता है और युवा पीढ़ी अपनी जड़ों व परंपराओं से जुड़ती है।कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद (जावा) का वितरण किया गया और अगली सुबह ढोल-नगाड़ों के साथ करम डाली का ससम्मान निकटतम जलाशय में विसर्जन किया गया। इस महोत्सव को सफल बनाने में स्थानीय समिति, समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

कर्णपुरा महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया करमा महोत्सव

बड़कागांव। कर्णपुरा महाविद्यालय, बड़कागांव में झारखंड की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपरा एवं प्रकृति प्रेम के प्रतीक करमा महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री लोकनाथ महतो थे, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कीर्तिनाथ महतो ने की। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ करम देव की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में करमा गीत एवं लोकनृत्य प्रस्तुत किए। करमा गीतों की धुन पर छात्र-छात्राएं नाचते-गाते और झूमते नजर आए, जिससे पूरा महाविद्यालय परिसर उत्सव के रंग में रंग गया।मुख्य अतिथि श्री लोकनाथ महतो ने कहा कि करमा पर्व प्रकृति प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। प्राचार्य डॉ. कीर्तिनाथ महतो ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी लोक-संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।इस अवसर पर कुशवाहा समाज के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष श्री सोहनलाल मेहता ने करमा पर्व को झारखंड की महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विरासत बताते हुए युवा पीढ़ी से इसे संरक्षित रखने का आह्वान किया। समाजसेवी डॉ. बालेश्वर महतो ने कहा कि अपनी संस्कृति और परंपरा को जीवित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस नेता श्री सुरेश महतो ने भी करमा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया।कार्यक्रम के अंत में डॉ. निरंजन प्रसाद नीरज ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए मुख्य अतिथि, अतिथियों, प्राचार्य, शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं सभी छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत हजारीबाग झील की साफ-सफाई

हजारीबाग। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत एवरमेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को हजारीबाग झील परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में फाउंडेशन के करीब 30-35 सदस्य एवं स्वयंसेवक शामिल हुए। सभी ने मिलकर झील के आसपास फैले कचरे, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र कर परिसर की साफ-सफाई की।इस दौरान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सार्वजनिक स्थलों एवं जलस्रोतों को स्वच्छ रखने की अपील की गई। फाउंडेशन के सदस्यों ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। हजारीबाग झील शहर की खूबसूरती का प्रतीक होने के साथ-साथ प्रमुख प्राकृतिक एवं मनोरंजक स्थलों में शामिल है, इसलिए इसकी स्वच्छता और संरक्षण की जिम्मेदारी सभी की है।अभियान के दौरान महज 10 वर्ष के नन्हे बालक अर्चित ने भी उत्साहपूर्वक स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और झील परिसर की साफ-सफाई में अपना योगदान दिया। उसकी छोटी उम्र में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना ने अभियान में मौजूद लोगों को प्रेरित किया।अभियान के दौरान लोगों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने तथा कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए भी प्रेरित किया गया। अभियान में गौरव दुबे, अभिराज, आयुष, प्रत्युष, अर्चित, विशाल, आर्यन, सचिन, अभिषेक, अंकित, चंदन, संजय, ऋषव, आकाश समेत अन्य सदस्य एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

लोयाबाद में फिर धंसी जमीन, चार मकान चपेट में, दो जमींदोज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद। लोयाबाद थाना क्षेत्र के 7 नंबर मुस्लिम मोहल्ले में रविवार दोपहर करीब 12:00 बजे तेज आवाज के साथ अचानक जमीन धस गई। हादसे की चपेट में 4 मकान आ गए, जिसमें 2 पूरी तरह जमींदोज हो गए। मकान में रखा गृहस्थी का सामान भी मलबे में समा गया। मकान ढहने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। हालांकि, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रभावित परिवार समय रहते घरों से बाहर निकल गए। सूचना मिलते ही लोयाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी कर लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रशासन और बीसीसीएल के अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर भू-धसान के कारणों और प्रभावित क्षेत्र का आकलन शुरू किया ताकि किसी संभावित खतरे को रोका जा सके। लगातार हो रही भू- धसान की घटनाओं से कोयलांचल के प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हादसे के बाद इलाके में दहशत और चिंता का माहौल बना हुआ है।

धनबाद आगमन पर जिला प्रशासन ने किया राज्यपाल का स्वागत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

एयरपोर्ट पर दिया गार्ड ऑफ ऑनर

सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के किए पुख्ता इंतजाम

धनबाद।झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार रविवार को पूर्वाह्न 10:40 बजे बरवाअड्डा हवाईअड्डा पहुंचे। हवाईअड्डा पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक टेक्सीम प्रोफेसर धीरज कुमार, रजिस्ट्रार प्रबोध पांडेय ने पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीय राज्यपाल का स्वागत किया। तत्पश्चात जिला प्रशासन की ओर से राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जिसके बाद वे सड़क मार्ग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-आईएसएम) के गोल्डन जुबली लेक्चर थिएटर तथा पेनमैन ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए रवाना हुए। राज्यपाल के धनबाद परिभ्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने बरवाअड्डा हवाईअड्डा से लेकर आईआईटी (आईएसएम) तक दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति कर सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था के कड़े प्रबंध किए थे। जिसमें बरवाअड्डा हवाईअड्डा, कारकेड रूट लाइनिंग तथा आईआईटी (आईएसएम) परिसर सहित सभी प्रमुख स्थलों एवं चौक-चौराहों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र व लाठी बल तैनात किए हैं।वहीं, कारकेड मार्ग पर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए यातायात पुलिस एवं मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार गश्त पर रही। मार्ग की सुरक्षा के लिए एंटी-सबोटाज चेकिंग टीमें सक्रिय रही। जबकि आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए कारकेड में जीवनरक्षक उपकरणों एवं चिकित्सक दल से युक्त एम्बुलेंस तथा शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के गहन चिकित्सा केंद्र को विशेषज्ञ चिकित्सकों व आवश्यक दवाओं के साथ अलर्ट मोड पर रखा गया।राज्यपाल के आगमन पर बरवाअड्डा हवाईअड्डा पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, सहायक नगर आयुक्त श्री प्रकाश कुमार, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक टेक्सीम प्रोफेसर धीरज कुमार, रजिस्ट्रार प्रबोध पांडेय सहित जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मनरेगा का बकाया भुगतान जल्द, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रति बढ़ा जनता का विश्वास: आलमगीर आलम

पाकुड़ : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम रविवार को कांग्रेस जिला मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकताओं सहित क्षेत्र के दूर-दराज से आए आम लोगों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई के दौरान आलमगीर आलम ने कई मामलों में ऑन-द-स्पॉट पहल करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर तुरंत निस्तारण के निर्देश दिए, जबकि अन्य समस्याओं के स्थायी समाधान का लिखित आश्वासन दिया।लोगों से संवाद के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने केंद्र सरकार की नीतियों, झारखंड के खनिज अधिकारों, ग्रामीण रोजगार और राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर अपनी बात बेबाकी से रखी।झारखंड के जल, जंगल और जमीन पर कोई आंच बर्दाश्त नहींकेंद्र सरकार द्वारा झारखंड में एमएमडीआर (MMDR) कानून लागू किए जाने के मुद्दे पर पूर्व मंत्री ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि झारखंड का अस्तित्व यहां के जल, जंगल और जमीन से जुड़ा हुआ है और यहां के निवासियों के अधिकारों की सुरक्षा सर्वोपरि है। आलमगीर आलम ने कहा, ₹केंद्र सरकार द्वारा लाया गया यह कानून राज्य के मूल अधिकारों पर कुठाराघात है। कांग्रेस पार्टी इस कानून का पुरजोर विरोध करती है और केंद्र सरकार से मांग करती है कि वह अविलंब इसे वापस ले। अगर जरूरत पड़ी तो पार्टी इसके खिलाफ व्यापक जन-आंदोलन खड़ा करेगी।

मनरेगा बकाए का जल्द होगा भुगतान, वास्तविक लाभुकों तक पहुंचेगी योजनाएं:देश में ग्रामीण रोजगार की स्थिति और केंद्र सरकार की नई रोजगार नीतियों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए आलमगीर आलम ने कहा कि मनरेगा (MNREGA) कांग्रेस नीत यूपीए सरकार की एक ऐतिहासिक पहल थी। इस योजना ने देश के करोड़ों ग्रामीण मजदूरों को रोजगार की कानूनी गारंटी दी और उनके आर्थिक जीवन स्तर में बड़ा बदलाव लाया।

?उन्होंने आश्वस्त किया कि मनरेगा के तहत जिन मजदूरों का भुगतान अभी भी बकाया है, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। प्रशासनिक प्रक्रिया को तेज कर जल्द से जल्द सभी बकाए की राशि उनके खातों में भेज दी जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र की नई रोजगार योजनाओं से भी ग्रामीण क्षेत्र के वास्तविक और जरूरतमंद लाभुकों को आर्थिक मदद व काम का अवसर मिल सकेगा।

राहुल गांधी के नेतृत्व में बढ़ा जन-विश्वास:राष्ट्रीय राजनीति का जिक्र करते हुए पूर्व मंत्री ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की कार्यशैली की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बिना किसी राजनीतिक भय के देश के कोने-कोने में जाकर आम जनता, किसानों, मजदूरों और युवाओं के मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं। आलमगीर आलम ने दावा किया कि राहुल गांधी द्वारा बनाए गए इस देशव्यापी माहौल का असर अब साफ दिखने लगा है। देश का हर वर्ग एक बार फिर कांग्रेस की नीतियों और विचारों की तरफ आकर्षित हो रहा है और आने वाले समय में कांग्रेस एक बार फिर देश में मजबूत विकल्प बनकर उभरेगी।कुल मिलाकर, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम का यह दौरा कार्यकताओं में नया उत्साह भरने के साथ-साथ आम जनता की समस्याओं को दूर करने और केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पार्टी के आक्रामक रुख को स्पष्ट करने वाला रहा। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत राष्ट्रीय संकल्प समारोह का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हुसैनाबाद ,पलामू: पुरानी चाणक्या साइंस एकेडमी जपला में मेरा युवा भारत, पलामू के तत्वावधान में युवाओं को नशे से दूर रखने, स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत 100 सप्ताह नशा-मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय संकल्प समारोह एवं युवा संकल्प व हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अंदर किशोर उपस्थित थे। कार्यक्रम का अध्यक्षता जिला युवा पदाधिकारी सुम्मी सिंह पूर्व राष्ट्रीय युवा समन्वयक सतीश शर्मा तथा चाणक्या साइंस एकेडमी के संचालक अखिलेश कुमार सहित संयुक्त रूप से स्वामी विवेकानंद जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित एवं दिप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।मुख्य अतिथि डॉ. अंगद किशोर ने कहा कि नशा केवल्व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। युवाओं की ऊर्जा देश की सबसे बड़ी शक्ति है। इसलिए प्रत्येक युवा को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल, कौशल और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। नशा-मुक्त युवा ही विकसित भारत के संकल्प को मजबूत आधार दे सकते हैं।जिला युवा पदाधिकारी सुम्मी सिंह ने कहा कि नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर उन्हें राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है। युवा केवल इस अभियान का हिस्सा न बनें, बल्कि अपने आसपास के अन्य युवाओं को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक संकल्प और जनभागीदारी से नशा-मुक्त समाज के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी।पूर्व राष्ट्रीय युवा समन्वयक सतीश शर्मा ने कहा कि आज का युवा देश की वर्तमान शक्ति भी है और भविष्य की दिशा भी। प्रत्येक युवा को संकल्प लेना चाहिए कि वह स्वयं नशे से दूर रहेगा और कम से कम एक अन्य व्यक्ति को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेगा।चाणक्या साइंस एकेडमी के संचालक अखिलेश ने कहा कि शिक्षण संस्थानों की भूमिका नशा-मुक्त समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अच्छे संस्कार, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। युवा अपनी प्रतिभा और समय का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें, यही इस अभियान की वास्तविक सफलता होगी।इस कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक किया गया।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तनु कुमारी, द्वितीय स्थान रुबी कुमारी, तृतीय स्थान छोटी कुमारी इन सभी अव्वल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं ने नशे से दूर रहने तथा समाज में नशा-मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया और संकल्प एवं हस्ताक्षर अभियान में भागीदारी की।मौके पर स्वामी विवेकानंद आदर्श युवा मंडल लोटनियां के सदस्य मुकेश कुमार, सोनम कुमारी शर्मा, सोनू कुमार,दिपक कुमार, साक्षी कुमारी, दुर्गा कुमारी, रिया कुमारी,निकेश कुमार, रोहित कुमार, अंकित कुमार सहित अन्य युवा साथी उपस्थित थे।

धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान, 456 यात्री पकड़े गए

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में रविवार को मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न ट्रेनों एवं प्लेटफार्मों पर टिकटों की जांच की गई। इस दौरान बिना उचित टिकट अथवा अनियमित टिकट की यात्रा कर रहे कुल 456 यात्रियों को पकड़ा गया। जांच अभियान के दौरान पकड़े गए यात्रियों से कुल 03,35,580 रुपए जुमार्ना की राशि वसूल की गई। रेलवे की ओर से यात्रियों को भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की हिदायत दी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वह उचित टिकट के साथ ही स्टेशन परिसर और प्लेटफार्म में प्रवेश करें। साथ ही, यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट हो, उसी श्रेणी में यात्रा करें। रेलवे ने स्पष्ट किया है की टिकट संबंधी नियमों का पालन करने से यात्रियों को अनावश्यक परेशानी से बचने के साथ-साथ रेल यात्रा को व्यवस्थित रखने में भी मदद मिलेगी।

पाकुड़िया में विकास योजनाओं की बहार: जिप अध्यक्ष जुली हेंब्रम ने तीन पंचायतों में किया सामुदायिक शौचालय व आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण

विनोद कुमार साह @ झारखंड उजाला संवाददाता

पाकुड़िया (पाकुड़):पाकुड़ जिले के पाकुड़िया प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में रविवार का दिन महत्वपूर्ण रहा। प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में कुल तीन नवनिर्मित विकास योजनाओं का औपचारिक उद्घाटन कर उन्हें आम जनता को समर्पित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जिला परिषद अध्यक्ष जुली खिष्टमणि हेंब्रम ने विधिवत रूप से फीता काटकर और नारियल फोड़कर सभी योजनाओं का लोकार्पण किया।

इन पंचायतों को मिली सौगात

कार्यक्रम के तहत लागडुम पंचायत में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन किया गया। वहीं, बासितकुंडी और मोहुलपहाड़ी पंचायत में बच्चों के पोषण व प्राथमिक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवनों का लोकार्पण हुआ। इन भवनों के शुरू होने से क्षेत्र के छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल सकेगा।

पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज से हुआ भव्य स्वागत:

उद्घाटन समारोह में पहुंची जिला परिषद अध्यक्ष का ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अत्यंत उत्साह के साथ स्वागत किया। विभिन्न पंचायतों में ढोल-मांदर की थाप, पारंपरिक नृत्य और आदिवासी रीति-रिवाज से उनका अभिनंदन किया गया। ग्रामीणों ने तिलक लगाकर व पारंपरिक वस्त्र भेंट कर खुशी का इजहार किया।

ग्रामीण विकास ही हमारी प्राथमिकता: जिप अध्यक्ष

लोकार्पण समारोह के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष जुली खिष्टमणि हेंब्रम ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में अंतिम व्यक्ति तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना ही जिला परिषद की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, आंगनबाड़ी भवन बनने से नौनिहालों को बेहतर माहौल में शिक्षा और पोषण की सुविधा मिलेगी, वहीं सामुदायिक शौचालय से गांव में स्वच्छता का स्तर सुधरेगा। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह की जनोपयोगी योजनाएं आगे भी धरातल पर उतारी जाती रहेंगी।

उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे सरकारी परिसंपत्तियों को अपनी संपत्ति समझकर उनका उचित रखरखाव करें और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।इस अवसर पर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि, प्रखंड प्रशासन के कर्मी, विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी तथा भारी संख्या में ग्रामीण महिलाएं एवं पुरुष मौजूद थे।

डॉ. मनोहर कुमार को सिंदु-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की सीनेट के लिए शिक्षाविद् के रूप में नामित किए जाने पर हर्ष

यासिर अराफात@ झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़। सिंदु-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के अंतर्गत के.के.एम. कॉलेज, पाकुड़ के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोहर कुमार को विश्वविद्यालय की सीनेट के लिए शिक्षाविद् के रूप में नामित किया गया है। झारखंड विश्वविद्यालय अधिनियम, 2026 की धारा 41(5)(घ) में निहित प्रावधानों के आलोक में झारखंड के राज्यपाल-सह-कुलाधिपति द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयों की सीनेट के लिए शिक्षाविदों का नामांकन किया गया है। राज्यपाल सचिवालय, झारखंड द्वारा जारी अधिसूचना में सिंदु-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के लिए डॉ. मनोहर कुमार, सहायक प्राध्यापक (बीएड), के.के.एम. कॉलेज, पाकुड़ को नामित किया गया है।डॉ. मनोहर कुमार के नामांकन की सूचना से के.के.एम. कॉलेज के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में खुशी की लहर है। प्राचार्य डॉ. युगल झा, शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. महबुब आलम सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं ने डॉ. मनोहर कुमार को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. युगल झा ने कहा कि डॉ. मनोहर कुमार का सीनेट के लिए नामांकन महाविद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डॉ. मनोहर कुमार अपने अनुभव एवं शैक्षणिक दक्षता के माध्यम से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। वहीं, डॉ. महबुब आलम एवं अन्य शिक्षकों ने कहा कि यह नामांकन डॉ. मनोहर कुमार की शैक्षणिक सेवाओं एवं सक्रिय योगदान का सम्मान है। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का ख़ास ख़्याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फ्राइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फ्राई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फ्रूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।

बच्चों को टिफिन में फ्रूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे ख़ुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ्रूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें।हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत- बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत- वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

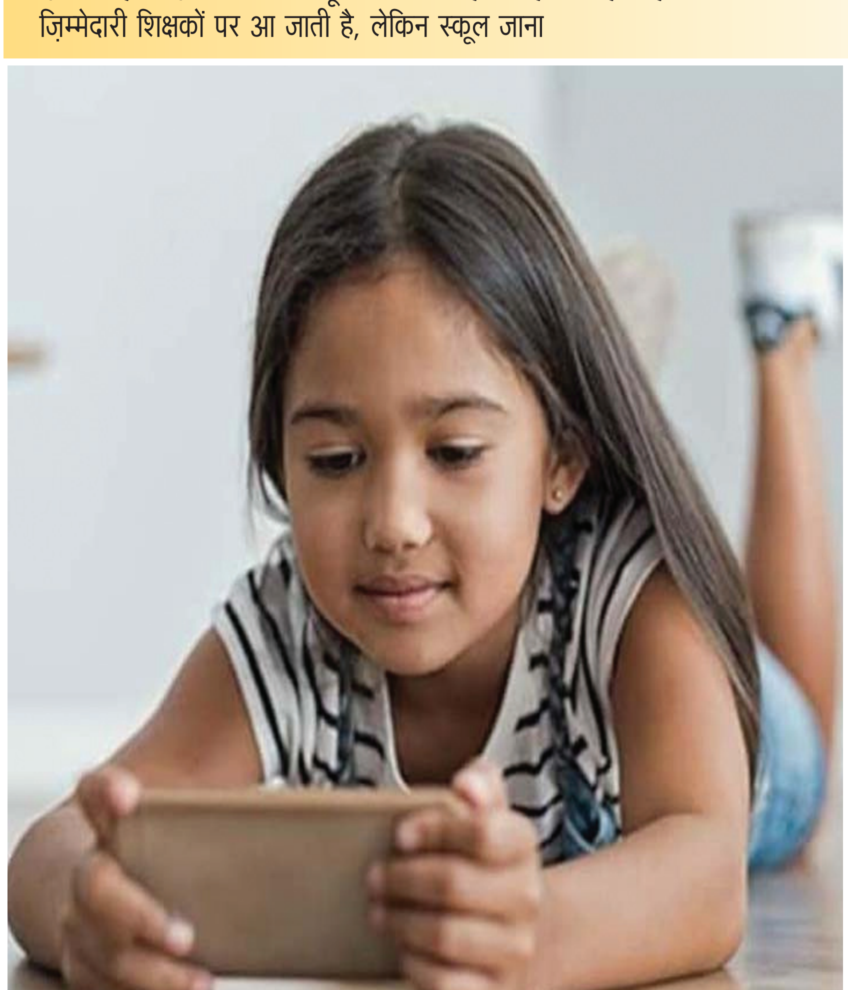

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

सत्ता से संघर्ष तक : ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

जी भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ह्यदीदीह्न कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। सरकार

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न जोड़ा फूल को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का काला दिन बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं।

अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस ह्यगंदे खेलह्न के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मयार्दा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है। यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं। चुनावी अभियानों के दौरान दिए गए बयानों को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न स्थानों पर प्राथमिक दर्ज कराई गई हैं। जनसभाओं और रैलियों के संचालन में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन तथा व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों में भी दंडात्मक कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी, जिससे मन में उत्साह रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयास करें। सोच समझकर कोई निर्णय लें, तो ही बेहतर होगा। जल्दबाजी में उठाए गए कदम नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोई भी नया काम शुरू न करें। परिवार के साथ धर्म ध्यान में समय बिताएं। मित्रों से मुलाकात अच्छी रहेगी।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम के बावजूद सफलता कम मिलेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवारिक समस्याएं परेशान करेंगी। ऐसी स्थिति में पूर्ण विवेक से काम लेना होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी बात को लेकर बहस होने के आसार रहेंगे, जिससे मानकि परेशानी बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ के योग रहेंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए प्रयत्नशील होगा। कठिन परिश्म से रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में सफल रहेंगे। कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। पुराना अटका धन भी मिल सकता है। परिवार के साथ समय बिताएं, मानसिक सुख और शांति मिलेगी। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में अड़चनें आएंगी और कार्यों में सफलता कम मिलेगी। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो उसे टालें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। धर्म ध्यान और परिवार के साथ समय बिताएं, सेहत का ख्याल रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। किसी कार्य को सिद्ध करने के लिए आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। कारोबार में आर्थिक लाभ तो रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। मन में किसी प्रकार की शंका न पालें, गलतियों को स्वीकार कर सगे-संबंधियों के बीच अपने रिश्तों को सुधारें। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात होने पर खुशी मिलेगी।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार सामान्य रहेगा। अनावश्यक खर्च बढने.से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करें। भविष्य को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। नये काम की शुरूआत कर रहे हैं, तो दूसरी को सलाह न लें। अपनों से धोखा मिल सकता है। रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। परिश्रम से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव लोकप्रियता दिलाने में सहायक होगा। बेरोजगार को रोजगार के अवसर और नौकरी में तरक्की मिलने के आसार रहेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। सेहत का ख्याल रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजना बना सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन परिश्रम से अपने काम को नई पहचान दिलाएंगे। व्यवसाय में नये निवेश का अवसर मिलेगा। करीबियों से पुराने गिले-शिकवे दूर होंगे। पुरानी बातें भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें, छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव की स्थिति पैदा न होने दें। परिवार के साथ समय बिताएंगे। सेहत का ख्याल रखें।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। हालांकि, कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने की कोशिश करें। परिवार के साथ समय बिताएंगे तो संबंध भी मधुर होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। यात्रा को टालें। सेहत अच्छी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकते हैं। कोर्ट में कोई पुराना लंबित मामला चल रहा है तो वह सुलझ सकता है। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में कलह हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें और क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलने के आसार हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा और उन्हें परिश्रम के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। कारोबार मध्यम रहेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर में माहौल अच्छा रहेगा। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मीन राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता से समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होंगे और उत्साह पूर्वक नई योजनाओं को क्रियान्वित कर सकेंगे। रोजगार और व्यवसाय के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। कारोबार में नए निवेश के अवसर खुलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

41 साल से प्रतीक्षा कर रहे लोगों को न्याय नहीं दिला पाया कनाडा!

हम आपको याद दिला दें कि 23 जून 1985 को मॉन्ट्रियल से लंदन जा रहे कनिष्क विमान में आयरलैंड के तट से दूर अटलांटिक महासागर के ऊपर बम विस्फोट हुआ था। विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें 268 कनाडाई नागरिक थे। कनाडा के इतिहास के सबसे भीषण आतंकवादी हमले की जांच को लेकर एक बार फिर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है, जिसने चार दशक पुराने कनिष्क विमान कांड के पीड़ित परिवारों के जख्म ताजा कर दिए हैं। आरोप है कि कनाडा की संघीय पुलिस अब 1985 में एयर इंडिया के विमान संख्या 182 में हुए बम विस्फोट की जांच को सीमित करने और मामले को निष्क्रिय श्रेणी में डालने पर विचार कर रही है। यदि ऐसा होता है तो सवाल सिर्फ एक जांच के भविष्य का नहीं होगा, बल्कि यह भी पूछा जाएगा कि 329 लोगों की हत्या के पीछे मौजूद पूरे षड्यंत्र का सच सामने लाने की जिम्मेदारी से कनाडा आखिर कब तक बचता रहेगा?

उल्लेखनीय है कि 23 जून 1985 को मॉन्ट्रियल से लंदन जा रहे कनिष्क विमान में आयरलैंड के तट से दूर अटलांटिक महासागर के ऊपर बम विस्फोट हुआ था। विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें 268 कनाडाई नागरिक थे। इसी साजिश से जुड़े एक अन्य बम विस्फोट में जापान के नारिता हवाई अड्डे पर दो सामान कर्मियों की भी जान गई थी। कनाडा स्वयं इस हमले को अपने इतिहास का सबसे घातक आतंकवादी हमला मानता रहा है। अब 41 साल बाद पीड़ित परिवारों को बताया जा रहा है कि जांच को सीमित किया जा सकता है। 12 सितंबर को टोरंटो में हुई बैठक में कनाडा की संघीय पुलिस के अधिकारियों ने कथित तौर पर परिवारों को जांच दल का आकार घटाने और मामले को निष्क्रिय स्थिति में ले जाने की संभावित योजना की जानकारी दी। बैठक में मौजूद परिवारों की प्रतिक्रिया बेहद तीखी रही और कई लोग भावुक होकर टूट गए। परिवारों के लिए यह चार दशक से चले आ रहे न्याय के संघर्ष पर चोट है।

इसको देखते हुए कनिष्क फाउंडेशन के अध्यक्ष संजय लाजर ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को लिखे पत्र में इस संभावित कदम का कड़ा विरोध किया है। लाजर ने 16 सितंबर के अपने पत्र में बताया कि उन्होंने इस हमले में अपने पिता, मां और शिशु बहन को खो दिया। चार दशक से अधिक समय तक न्याय की तलाश में लगे परिवार के सदस्य के लिए यह सवाल स्वाभाविक है कि जिस मामले को कनाडा की अपनी व्यवस्था ने कभी अपने इतिहास की सबसे जटिल और बड़ी जांचों में शामिल किया, उसे अब अचानक ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी क्यों हो रही है? सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जांच की सभी संभावित दिशाएं वास्तव में समाप्त हो चुकी हैं? यदि हां, तो कनाडा सरकार को यह सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना चाहिए कि कौन-कौन से रास्ते आजमाए गए, किन सबूतों की पड़ताल हुई और किन कारणों से यह निष्कर्ष निकाला

गया कि अब आगे कुछ नहीं किया जा सकता। केवल नए सुराग नहीं मिलने को चार दशक पुराने मामले को निष्क्रिय करने का पर्याप्त आधार मानना क्या पीड़ित परिवारों के साथ न्याय होगा?

इस मामले का इतिहास कनाडा की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। कनाडा की न्यायमूर्ति मेजर की अध्यक्षता वाले जांच आयोग ने हमले से पहले और बाद की सुरक्षा तथा खुफिया व्यवस्था में कई गंभीर कमियों की पड़ताल की थी। खतरे से जुड़ी सूचनाओं के आदान-प्रदान, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय, गवाहों की सुरक्षा और हमले के बाद की जांच जैसे विषय आयोग के केंद्र में रहे। यानी कनिष्क कांड केवल आतंकवादियों की साजिश की कहानी नहीं है, बल्कि यह कनाडा की संस्थागत विफलताओं का भी दस्तावेज है। आपराधिक मुकदमों का परिणाम भी परिवारों के लिए संतोषजनक नहीं रहा। दो मुकदमे चले। इंदरजीत सिंह रेयात को विस्फोटों से संबंधित मामले में दोषी ठहराया गया, जबकि दो अन्य आरोपितों को 2005 में बरी कर दिया गया। आयोग के अनुसार इसके बाद किसी और व्यक्ति पर आरोप नहीं लगाया गया। ऐसे में 329 मौतों के पीछे मौजूद व्यापक साजिश का पूरा सच आज भी सवालों के घेरे में है।

परिवारों की नाराजगी इसलिए भी गहरी है क्योंकि उनका आरोप है कि जांच के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य गायब हुए, निगरानी से जुड़ी कुछ रिकॉर्डिंग मिट गईं और कुछ गवाहों की मृत्यु हुई या उन्हें धमकियों का सामना करना पड़ा। इन दावों को आधिकारिक निष्कर्षों से अलग रखते हुए भी यह सवाल अपनी जगह कायम है कि यदि अतीत में जांच के दौरान कमियां रही हैं तो क्या उनका समाधान जांच बंद करना होना चाहिए या उन अधूरे पहलुओं को फिर से खंगालना होना चाहिए? सबसे विचित्र बात यह है कि अब परिवारों से ही नए सुराग लाने की अपेक्षा की जा रही है। चार दशक तक जांच का भार सरकारी एजेंसियों के पास रहा। ऐसे में पीड़ितों से यह कहना कि वे नए सुराग लेकर आएं, परिवारों के लिए बेहद पीड़ादायक है। उनका सवाल है कि क्या सरकार की जांच व्यवस्था अब अपनी जिम्मेदारी पीड़ितों के कंधों पर डाल रही है? परिवारों ने इसका विकल्प भी सामने रखा है। 1995 में कनाडा सरकार और संघीय पुलिस ने हमले के दोषियों से जुड़ी जानकारी देने पर दस लाख कनाडाई डॉलर के इनाम की घोषणा की थी, जो अब तक दावा रहित है।

बेबसी के मारे

गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की जिंदगी अब भी किसी जुए से कम नहीं। दो वक्त की रोटी के लिए उन्हें न जाने कहां-कहां भटकना पड़ता है, फिर भी निश्चिंतता कहीं नहीं कि बदहाली से उन्हें मुक्ति मिलेगी ही। ओड़ीशा के कालाहांडी के तीन मजदूरों की कहानी इसकी ताजा कड़ी है। वे इस आस में बंगलुरु गए थे कि वहां मेहनत करके कुछ पैसे कमाएंगे और अपने परिवार का पेट भर पाएंगे। मगर उन्हें लौटना पड़ा खाली हाथ। जिस व्यक्ति ने उन्हें काम पर लगाया था, मजदूरी मांगने पर वह उन्हें मारता-पीटता था। दो महीने काम करने के बाद भी मजदूरी नहीं मिली और जिल्लत मिलती रही, तो उन्होंने घर वापसी का फैसला किया। हाथ में पैसे नहीं थे, खाने को कुछ था नहीं। वे बंगलुरु से खाली हाथ चल पड़े अपने गांव और सात दिन लगातार चलते हुए भूखे-प्यासे अपने घर पहुंचे। इन मजदूरों की कहानी इसलिए लोगों के सामने आ सकी कि वे पैदल चलते हुए घर पहुंचे। वरना इन जैसे न जाने कितने मजदूर ऐसे हैं, तो हाड़तोड़ मेहनत करने के बाद भी मजदूरी को हाथ पसारते-पसारते थक जाते हैं और जिल्लत उठाने को मजबूर होते हैं। इनकी सुनवाई कहीं नहीं होती।

संगठित और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की कमी और पढ़े-लिखे बेरोजगारों का आंकड़ा तो समय-समय पर सामने आता रहता है, मगर हमारे देश में लाखों ऐसे मजदूरों का कोई ठीक-ठीक हिसाब-किताब नहीं, जो असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करते हैं। वे किसी ईंट भट्ठे पर, किसी बनती हुई इमारत में, कहीं सड़क पर मिट्टी ढोने वगैरह के काम तलाशते फिरते हैं। गांवों से बहुत सारे लोग इस उम्मीद में शहरों का रुख करते हैं कि वहां उन्हें गुजारे लायक काम मिल जाएगा। मगर वहां भी उन्हें कम दुश्वारियां नहीं झेलनी पड़तीं। शहरों के हर लेबर चौराहे पर सुबह-सुबह मजदूरों का हुजूम खड़ा होता है, मगर उनमें से कुछ को ही काम मिल पाता है। जो ठेकेदार उन्हें काम पर लगाते हैं, उनकी दबंगई ऐसी कि पैसा समय पर कभी नहीं देते, बल्कि मजदूरों का पैसा मारने की फिराक में अधिक रहते हैं।

ऐसे ही ठेकेदार के शोषण का शिकार हुए कालाहांडी के ये तीनों मजदूर। ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई का कोई व्यवस्थित तंत्र कहीं नहीं है, जहां मजदूर सीधे गुहार लगा सकें। वैसे भी गरीब अनपढ़ मजदूर पुलिस के सामने पड़ने से बचते हैं, वे शिकायत करने भला कहां जाते। मगर इससे भी दारुण कथा यह है कि इन मजदूरों को सरकारें कम नहीं छलतीं। कालाहांडी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मगर ओड़ीशा सरकार वहां के लोगों के लिए क्या करती है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां से लोगों को सैकड़ों मील दूर रोजगार की तलाश में भटकना पड़ता है। किसी परिवार को अपना नवजात शिशु बेच कर पेट भरने का इंतजाम करना पड़ता है। गरीब परिवारों को सौ दिन के रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी गई है। मगर इसके लिए शुरू की गई मनरेगा योजना में पैसे की कमी और अनियमितता के बीच मजदूर पचास दिन का काम और पैसा भी पा जाएं तो वे खुद को खुशकिस्मत समझते हैं। अगर इन श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर ही गुजारे लायक काम मिल जाता, तो उन्हें इस कदर दर-दर तो न भटकना पड़ता। ओड़ीशा सरकार के पास शायद ही इस सवाल का जवाब हो कि क्यों वहां के लोगों को ऐसी जिल्लत उठानी पड़ती है।

लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को ह्यस्टील फ्रेमह्न बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल ह्यशासकह्न बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब-तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी 'ट्रस्टीशिप' के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकराशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी रियाया मानता है। लोक से सामंतों जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा।

जदयू चिकित्सा प्रकोष्ठ की नई टीम घोषित, 43 जिलाध्यक्षों समेत 120 से अधिक पदों पर मनोनयन

पटना (एजेंसी) जनता दल यूनाइटेड (जदयू) चिकित्सा प्रकोष्ठ ने संगठन के विस्तार के तहत नई जिला और प्रदेश टीम की घोषणा की है. प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एलबी सिंह ने 43 जिलाध्यक्षों के साथ प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी की है. नई टीम में 24 प्रदेश उपाध्यक्ष, 41 प्रदेश महासचिव और 54 प्रदेश सचिव शामिल हैं. जनता दल यूनाइटेड (जदयू) चिकित्सा प्रकोष्ठ ने संगठन के विस्तार के तहत नई जिला और प्रदेश टीम की घोषणा की है. चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एलबी सिंह ने 43 जिलाध्यक्ष/नगर अध्यक्षों के साथ प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी की है. जारी सूची में 24 प्रदेश उपाध्यक्ष, 41 प्रदेश महासचिव, एक मुख्यालय महासचिव और 54 प्रदेश सचिव शामिल हैं. गोपालगंज में हंस कुमार, सीवान में हरदेश्वर सिंह को जिम्मेदारी जारी सूची के अनुसार

गोपालगंज में हंस कुमार को जिला अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि सीवान में हरदेश्वर सिंह को जिम्मेदारी दी गयी है. सारण में डॉ. वीरेंद्र कुमार सिंह, वैशाली में इंद्रजीत कुमार राय, मुजफ्फरपुर में डॉ. प्रवीण चंद्रा और पूर्वी चंपारण में डॉ. श्रीकांत कुमार को जिला संगठन की जिम्मेदारी मिली है. पश्चिमी चंपारण में डॉ. नासीर अली, बगहा में रंजीत चौधरी, पटना महानगर में डॉ. रवि प्रकाश और पटना ग्रामीण में शैलेंद्र कुमार सिंह को जिलाध्यक्ष/नगर अध्यक्ष मनोनीत किया गया है. 43 जिलाध्यक्ष और नगर अध्यक्षों की सूची पार्टी की ओर से जारी सूची में बगहा से रंजीत चौधरी, पश्चिमी चंपारण से डॉ. नासीर अली, पूर्वी चंपारण से डॉ. श्रीकांत कुमार, गोपालगंज से हंस कुमार, सीवान से हरदेश्वर सिंह, सारण से डॉ. वीरेंद्र कुमार सिंह, वैशाली से इंद्रजीत कुमार राय और मुजफ्फरपुर से डॉ. प्रवीण चंद्रा को जिम्मेदारी दी गयी है. सीतामढ़ी में डॉ. नरेंद्र शाही, शिवहर में डॉ. रामाशंकर राय, दरभंगा में डॉ. रूही यास्मीन, समस्तीपुर में कृष्ण कुमार, सुपौल में मो. सज्जाद आलम, अररिया में डॉ. ऋषभ राज, मधेपुरा में डॉ. हिमांशु कुमार और सहरसा में प्रो. डॉ. मनोज राणा को मनोनीत किया गया है. पूर्णिया में राजेंद्र रजक, कटिहार में डॉ. माधव मुरारी सिंह, कटिहार नगर में अभिषेक मिश्रा, खगड़िया में धीरेंद्र कुमार, बेगूसराय में डॉ. सुधीर पासवान, भागलपुर में डॉ. अजय कुमार सिंह, नवगछिया में कौशल किशोर और बांका में नागेश्वर प्रसाद को जिम्मेदारी मिली है. जमुई में दयानंद यादव उर्फ दरोगी, लखीसराय में नरेश मंडल, शेखपुरा में अवधेश कुमार, नवादा में कौशल किशोर, नालंदा में विपिन कुमार, जहानाबाद में अजय कुमार और गया में बलराम चौधरी को जिला संगठन की जिम्मेदारी दी गयी है. औरंगाबाद में डॉ. प्रकाश वर्मा, रोहतास में मो. ताजमुल अंसारी, कैमूर में लक्ष्मण सिंह, बक्सर में सचिन दुबे, भोजपुर में विजय कुमार सिंह, बाढ़ में मंकेश्वर प्रसाद महतो, मधुबनी में रामदहिन ठाकुर, किशनगंज में नवीन कुमार मल्लाह, अरवल में विद्यानंद सिंह और मुंगेर में एम. एकबाल को मनोनीत किया गया है. प्रदेश टीम में 24 उपाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ की प्रदेश टीम में 24 उपाध्यक्ष बनाये गये हैं. इनमें डॉ. एसएन सिन्हा, श्रीनिवास सिंह, डॉ. मधुरेंदु पांडेय, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. प्रणव कुमार, डॉ. सरोज कुमारी सिन्हा, डॉ. यूपी गुप्ता, डॉ. विकास कुमार, डॉ. अमरनाथ झा, मो. मुस्तफा कमाल पासा और डॉ. सीबी मिश्रा समेत अन्य नाम शामिल है

बड़ा खुलासा : सीतामढ़ी में पुलिस थाने के पास खुलेआम चल रहा शराब और कबाब का खेल

पटना (एजेंसी) बिहार के सीतामढ़ी में शराबबंदी के बावजूद 'इस्टू हाउस' में खुलेआम शराब और कबाब परोसे जा रहे हैं. प्रभात खबर की पड़ताल में इस अवैध धंधे का खुलासा हुआ है, जिससे हड़कंप मच गया है. शराबबंदी वाले बिहार के सीतामढ़ी जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. नगर थाना क्षेत्र से महज 600 मीटर के दायरे में संचालित एक इस्टू हाउस में ग्राहकों को बैठाकर खुलेआम शराब और कबाब परोसे जाने का मामला प्रभात खबर की पड़ताल में उजागर हुआ है. इस खुलासे से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है.वीडियो और तस्वीरों में दिखा शराब का खेल सामने आई तस्वीरों और वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि टेबल पर बैठे लोगों के बीच एक व्यक्ति बोतल से स्टील के गिलास में पेय पदार्थ डाल रहा है. सुरक्षा के मद्देनजर स्टील ग्लास के अंदर प्लास्टिक का ग्लास लगाया गया है.

टेबल पर कबाब समेत अन्य खाद्य सामग्री भी सजी हुई है. स्थानीय लोगों का दावा है कि यहां यह अवैध कारोबार कई महीनों से लगातार चल रहा है. हैरानी की बात यह है कि यह पूरा अवैध कारोबार उस इलाके में फल-फूल रहा है, जहां पुलिस और प्रशासन के वरीय अधिकारियों की आवाजाही हमेशा बनी रहती है. स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रतिष्ठान के निचले हिस्से में तो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन जिस जगह ग्राहकों को यह सब परोसा जाता है, वहां या तो कैमरा बंद रखा जाता है या लगाया ही नहीं गया है. इसके अलावा, प्रतिष्ठान से जुड़े लोगों द्वारा पुलिस से कोई डर न होने की बात भी सामने आ रही है. पड़ताल के दौरान सामने आये वीडियो में प्रतिष्ठान से जुड़े व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर पुलिस से कोई दिक्कत नहीं होने की बात कहे जाने का दावा किया जा रहा है. स्थानीय लोगों ने यहां से पुलिस विभाग के कुछ लोगों तक प्रतिदिन पार्सल पहुंचने की बात भी कही है. हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है.

पटना में सिद्धार्थ-तमन्ना ने की जेपी गंगा पथ पर महाआरती, बोलीं- छठ की गरिमा निभाई, बिहार से जुड़ा गहरा नाता

पटना (एजेंसी) फिल्म 'द वन' के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचीं तमन्ना भाटिया और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने गंगा आरती में भाग लिया. तमन्ना ने कहा कि फिल्म में छठ पूजा के नियमों का पूरा सम्मान किया गया है और उनका बिहार से गहरा नाता जुड़ गया है. आगामी 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म ह्यद वनह्ल के प्रमोशन के सिलसिले में शनिवार को बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा, अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और निर्देशक दीपक मिश्रा राजधानी पटना पहुंचे. फिल्म के कलाकारों ने शाम के वक्त दीघा स्थित जेपी गंगा पथ (मरीन ड्राइव) पहुंचकर पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भव्य गंगा आरती में हिस्सा लिया. पुरोहितों से कलाई पर रक्षा सूत्र बंधवाने और मां गंगा का आशीर्वाद लेने के बाद कलाकारों ने पटनावासियों से सीधा संवाद किया. फिल्म में छठ के नियमों का रखा गया पूरा ख्याल गंगा तट पर प्रशंसकों से रूबरू होते हुए अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने बिहार की संस्कृति और परंपरा के प्रति अपना गहरा सम्मान जताया. तमन्ना ने भावुक अंदाज में कहा कि इस प्रोजेक्ट पर काम करने के दौरान बिहार से उनका एक अटूट और बेहद गहरा नाता जुड़ चुका है. उन्होंने वादा किया कि वे भविष्य में छठ महापर्व की भव्यता को साक्षात देखने बिहार जरूर आएंगी. पूर्वांचल और बिहार की मिट्टी से जुड़ी है कहानी अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा कि भले ही फिल्म का ताना-बाना एक काल्पनिक कहानी पर बुना गया है, लेकिन इसकी मूल जड़ें पूर्वांचल और बिहार की समृद्ध विरासत व महान सभ्यता से जुड़ी हुई हैं. उन्होंने पटना के लोगों से मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और असीम प्यार के लिए आभार जताया. निर्देशक दीपक मिश्रा ने भी स्थानीय परिवेश और सांस्कृतिक जुड़ाव को पर्दे पर जीवंत करने के अपने अनुभवों को साझा किया. मरीन ड्राइव पर सितारों की झलक पाने उमड़ी भीड़ गंगा आरती के दौरान बॉलीवुड सितारों की एक झलक पाने के लिए जेपी गंगा पथ पर बड़ी संख्या में युवाओं और प्रशंसकों का हुजूम उमड़ पड़ा. लोगों ने मोबाइल कैमरों में कलाकारों की तस्वीरें कैद कीं और हर-हर गंगे के जयकारे लगाए. कलाकारों ने भी हाथ हिलाकर और हाथ जोड़कर प्रशंसकों के प्यार का गर्मजोशी से अभिवादन किया. फिल्म के प्रति लोगों के इस जबरदस्त उत्साह को देखकर पूरी टीम बेहद गदगद नजर आई.

बिहार के इस जिले के 57 गांवों की जमीन का नक्शा और खतियान तैयार

पटना (एजेंसी) बिहार के बेतिया जिले में भूमि सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है. 57 गांवों के लिए प्रपत्र-25 प्रकाशित हो चुका है और जमीन के नक्शे व खतियान तैयार किए जा चुके हैं. इससे रैयतों को अपनी जमाबंदी कराने में सुविधा होगी. बिहार के बेतिया जिले में विशेष भूमि सर्वेक्षण का काम तेजी से चल रहा है. इसके तहत 57 गांवों का प्रपत्र-25 प्रकाशित कर दिया गया है. इन गांवों की जमीन का नक्शा और खतियान तैयार कर संबंधित अंचलों को सौंप दिया गया है. अब इसी आधार पर रैयत अपने नाम से जमाबंदी सृजित करा सकेंगे. 57 गांवों में पूरा हुआ अहम

काम विशेष भूमि सर्वेक्षण के तहत पहले चरण में शुरू किए गए 224 मौजों में प्रपत्र-25 की प्रक्रिया चल रही है. संबंधित गांवों में जमीन का नक्शा और खतियान तैयार करने का काम किया जा रहा है. प्रपत्र-25 की प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित अंचलों को नक्शा और खतियान उपलब्ध करा दिया जाएगा. इसके आधार पर जमीन से जुड़े रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी. 224 गांवों में खानापूरी का काम पूरा जिले के पहले चरण के चार अंचलों के 224 गांवों में विशेष भूमि सर्वेक्षण के तहत खानापूरी का काम पूरा हो चुका है.ै. खानापूरी पूरी होने के बाद तैयार अभिलेखों में जमीन के स्वामित्व और कब्जे से जुड़े विवरण दर्ज किए जाएंगे. विशेष भूमि सर्वेक्षण में इसे अहम चरण माना जाता है. तैयार अभिलेखों के आधार पर आगे अधिकार अभिलेख तैयार किए जाएंगे. बेतिया अंचल में क्यों नहीं हो रहा सर्वे? बेतिया अंचल में फिलहाल विशेष भूमि सर्वेक्षण नहीं किया जा रहा है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निर्देश के अनुसार पहले चरण में नगर निकायों से जुड़े अंचलों में यह काम नहीं होना है. ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण पूरा होने के बाद नगर निकायों के लिए अलग से भूमि सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा. बेतिया में नगर निगम होने के कारण यहां फिलहाल यह प्रक्रिया नहीं चल रही है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें 1400 से अधिक गांवों में चल रहा सर्वे बेतिया जिले के 1400 से अधिक गांवों में विशेष भूमि सर्वेक्षण का काम चल रहा है. जिन रैयतों ने अब तक जमीन से जुड़े जरूरी दस्तावेज जमा नहीं किए है

संक्षिप्त डायरी

बिहार में 30 हजार भूमिहीन परिवारों को मिलेगी जमीन, इस दिन महा अभियान चलाकर बांटा जाएगा पचा

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार 20 नवंबर को राज्य के 30 हजार भूमिहीन परिवारों को वासभूमि का पर्चा देगी. अभियान बसेरा-2 के तहत पात्र लाभुकों को घर बनाने के लिए तीन-तीन डिसमिल जमीन मिलेगी. इसके लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सभी जिलों का लक्ष्य तय कर दिया है. बिहार की एनडीए सरकार के एक साल का कार्यकाल पूरा होने के मौके पर 30 हजार भूमिहीन परिवारों को राहत मिलने वाली है. राज्यभर में इन परिवारों को घर बनाने के लिए वासभूमि उपलब्ध कराई जाएगी. इसके लिए 20 नवंबर को विशेष अभियान चलाया जाएगा. पात्र लाभुकों को तीन-तीन डिसमिल जमीन का बंदोबस्ती प्रमाण पत्र दिया जाएगा. 20 नवंबर को मिलेगा जमीन का पर्चा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सभी जिलों के लिए लक्ष्य तय कर दिया है. विभाग के सचिव जय सिंह की ओर से जारी पत्र में 20 नवंबर को विशेष अभियान के तहत बंदोबस्ती प्रमाण पत्र देने का निर्देश दिया गया है. अभियान बसेरा-2 के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के योग्य परिवारों को जमीन दी जाएगी. लाभुकों को घर बनाने के लिए तीन-तीन डिसमिल वासभूमि मिलेगी. इससे पहले 15 अगस्त को भी अभियान बसेरा-2 के तहत 30 हजार लाभुकों को तीन-तीन डिसमिल जमीन दी गई थी. अब तक राज्य में 93,916 लाभुकों को वासभूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है. 6 नवंबर तक पूरी करनी होगी प्रक्रिया विभाग ने अधिकारियों को लंबित योग्य परिवारों की सूची का तत्काल सत्यापन कराने को कहा है. अभियान बसेरा-2 के तहत सर्वेक्षित परिवारों की सूची की जांच की जाएगी. नए लाभुकों को योजना में शामिल करना है तो अभियान बसेरा पोर्टल पर उनकी एंट्री कराई जाएगी. विभाग ने यह पूरी प्रक्रिया 6 नवंबर तक पूरी करने का निर्देश दिया है. 20 नवंबर को चयनित लाभुकों को जमीन का पर्चा दिया जाएगा. जिलाधिकारियों को इस पूरी प्रक्रिया की हर सप्ताह समीक्षा करने को कहा गया है. पर्चा मिलने के बाद भी कब्जा नहीं तो कार्रवाई विभाग ने सिर्फ जमीन का पर्चा देने तक अभियान सीमित नहीं रखा है. पचार्धारियों को जमीन पर वास्तविक कब्जा दिलाने के लिए ऑपरेशन भूमि दखल-देहानी चलाने का निर्देश दिया गया है. विभाग के अनुसार, कई मामलों में वासगीत पर्चा जारी होने के बावजूद लाभुकों को जमीन पर कब्जा नहीं मिल सका है. इससे शिकायतों की संख्या बढ़ रही है.ऐसे मामलों में जमीन की पहचान और अभिलेखों का सत्यापन कराया जाएगा. इसके बाद जरूरी कार्रवाई कर पचार्धारियों को उनकी जमीन पर कब्जा दिलाया जाएगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें किस जिले में कितने लाभुकों का लक्ष्य? जिलेवार तय लक्ष्य के मुताबिक अररिया में 823, अरवल में 205, औरंगाबाद में 744 और बांका में 596 लाभुक शामिल हैं. बेगूसराय में 870, भागलपुर में 889, भोजपुर में 799 और बक्सर में 499 लाभुकों का लक्ष्य है. दरभंगा में 1,153, पूर्वी चंपारण में 1,493, गया में 1,285, गोपालगंज में 750 और जमुई में 515 लाभुकों को जमीन दी जाएगी. जहानाबाद में 329, कैमूर में 476, कटिहार में 899 और खगड़िया में 488 लाभुकों का लक्ष्य तय है. किशनगंज में 495, लखीसराय में 293, मधेपुरा में 586, मधुबनी में 1,314 और मुंगेर में 400 लाभुकों को योजना का लाभ मिलेगा. मुजफ्फरपुर में 1,405 और नालंदा में 842 लाभुकों का लक्ष्य है. नवादा में 650, पटना में 1,709, पूर्णिया में 745 और रोहतास में 866 लाभुकों को वासभूमि मिलेगी. सहरसा में 556, पश्चिम चंपारण में 891,

राजेंद्र सेतु पर आज से 4 अक्टूबर तक रेल परिचालन रहेगा बंद, 35 ट्रेनें रद्द, 348 के रूट बदले

पटना (एजेंसी) मोकामा के पास गंगा नदी पर नए रेल पुल से ट्रेनों का परिचालन जल्द शुरू होगा. 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 35 ट्रेनें रद्द रहेंगी और 348 ट्रेनों के रूट बदले जाएंगे. मोकामा के पास गंगा नदी पर राजेंद्र सेतु के समानांतर बने नए रेल पुल से जल्द ट्रेनों का परिचालन शुरू करने की तैयारी है. इसके लिए रेलवे नॉन-इंटरलॉकिंग यानी एनआई कार्य करेगा. 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक प्री-एनआई और एनआई से जुड़े काम के कारण इस रेलखंड पर ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा. रेलवे ने 35 ट्रेनों को रद्द करने और 348 ट्रेनों को बदले मार्ग या आंशिक रूप से चलाने का निर्णय लिया है. नए रेल पुल से परिचालन शुरू करने की तैयारी मोकामा के पास गंगा नदी पर राजेंद्र सेतु के समानांतर बने नए रेल पुल को मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ने की तैयारी शुरू हो गई है. पुल से ट्रेनों का नियमित परिचालन शुरू करने के लिए रेलवे नॉन-इंटरलॉकिंग यानी

एनआई कार्य करेगा. इस दौरान रेल परिचालन पर बड़ा असर पड़ेगा. 21 सितंबर से शुरू होगा प्री-एनआई कार्य रेल प्रशासन के अनुसार, प्री-एनआई कार्य 21 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलेगा. इस अवधि में नए रेल पुल और संबंधित रेल लाइनों को जोड़ने का काम किया जाएगा. इसी वजह से पुल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है. कई स्टेशनों पर जोड़ी जाएगी डबल लाइन नए पुल की डबल लाइन को दानापुर मंडल के राजेंद्र पुल, ऊपरी हथीदह जंक्शन, मोकामा जंक्शन और रामपुर डुमरा से जोड़ा जाएगा. इसके साथ ही सोनपुर मंडल के दिनकर ग्राम सिमरिया स्टेशन पर भी नई रेल लाइन को जोड़ा जाना है. दिनकर ग्राम सिमरिया-बरौनी लाइन भी जुड़ेगी रेलवे की योजना दिनकर ग्राम सिमरिया और बरौनी जंक्शन के बीच मुख्य लाइन को भी नए रेल नेटवर्क से जोड़ने की है. इन कनेक्टिविटी कार्यों के पूरा होने के बाद नए रेल पुल से ट्रेनों के परिचालन का रास्ता साफ होगा. 35 ट्रेनें रद्द रहेंगी पूर्व-मध्य रेल हाजीपुर मुख्यालय के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र के अनुसार, एनआई कार्य को देखते हुए 20 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच इस पुल से होकर गुजरने वाली 35 ट्रेनों को रद्द किया गया है. यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस जांचने की सलाह दी गई है. 348 ट्रेनों के परिचालन में बदलाव एनआई कार्य का असर केवल रद्द ट्रेनों तक सीमित नहीं रहेगा. रेलवे ने 348 ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने, आंशिक रूप से समाप्त करने और आंशिक रूप से प्रारंभ करने का निर्णय लिया है. इससे मोकामा और आसपास के रेल यात्रियों की यात्रा योजना प्रभावित हो सकती है. यात्रियों को यात्रा से पहले जानकारी लेने की सलाह निर्धारित अवधि में ट्रेनों के परिचालन में लगातार बदलाव हो सकता है. इसलिए यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी ट्रेन के रूट, समय और परिचालन की स्थिति की जानकारी रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से जांच लेने की सलाह दी जाती है. खासकर मोकामा, हथीदह, सिमरिया और बरौनी की ओर जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी.

मीट के साथ परोसी जा रही थी शराब, पुलिस ने मारा छापा, 6 गिरफ्तार और दुकान सील

पटना (एजेंसी) सीतामढ़ी के व्यस्त इलाके में मांस की दुकान के बहाने अवैध शराब का कारोबार चल रहा था। पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई में दुकान के मैनेजर और 5 ग्राहक रंगे हाथों गिरफ्तार हुए हैं। सीतामढ़ी शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में शुमार सोनापट्टी स्थित मारवाड़ी मिडिल स्कूल के ठीक सामने संचालित 'जयसवाल इस्टू हाउस' नामक दुकान पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. प्रभात पड़ताल में मामला सामने आने के बाद नगर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने पुलिस बल के साथ इस दुकान में औचक छापेमारी की, जहां जायकेदार मीट की आड़ में ग्राहकों को खुलेआम अवैध शराब परोसी जा रही थी. छापेमारी से मचा हड़कंप, मैनेजर समेत 5 ग्राहक रंगे हाथों गिरफ्तार पुलिस की इस अचानक हुई कड़क कार्रवाई से दुकान और आसपास के इलाकों में भारी अफरा-तफरी मच गई. पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए दुकान के मैनेजर संजीव कुमार समेत कुल 5 ग्राहकों को शराब पीते हुए रंगे हाथों धर दबोचा. पुलिस के इस एक्शन से अवैध धंधा करने वालों में हड़कंप मच गया है. दुकान सील, शराब की सप्लाई और पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस पुलिस ने मौके से शराब की खेप बरामद करने के साथ ही गिरफ्तार किए गए सभी छह आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है. नगर थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है. पुलिस अब यह खंगाल रही है कि यह अवैध कारोबार कब से चल रहा था और इसके पीछे शराब सप्लाई करने वाला मुख्य नेटवर्क किसका है.

बिहार विधान परिषद चुनाव: जदयू में अनंत सिंह और नीरज कुमार का बढ़ा टकराव

पटना (एजेंसी) बिहार विधान परिषद चुनाव में जदयू के भीतर पुरानी राजनीतिक अदावत खुलकर सामने आ गई है. मोकामा के विधायक अनंत कुमार सिंह ने पार्टी के एमएलसी नीरज कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. यह टकराव मोकामा की राजनीति से जुड़ा है और अब विधान परिषद चुनाव में भी दिखाई दे रहा है. बिहार विधान परिषद की पटना स्नातक निर्वाचन सीट के चुनाव से पहले जदयू के भीतर एक पुरानी राजनीतिक अदावत फिर खुलकर सामने आ गयी है. मोकामा के विधायक अनंत कुमार सिंह ने अपनी ही पार्टी के एमएलसी और मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. अनंत सिंह ने साफ कहा है कि वह नीरज कुमार के समर्थन में नहीं खड़े होंगे, बल्कि उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे डॉ. अनुज सिंह का समर्थन करेंगे. मामला सिर्फ एक चुनाव में समर्थन और विरोध तक सीमित नहीं है. अनंत सिंह और नीरज कुमार के

बीच मोकामा की राजनीति में लंबे समय से चली आ रही खींचतान का असर अब विधान परिषद चुनाव में दिखाई दे रहा है. दोनों नेताओं के बीच 2015 के विधानसभा चुनाव से शुरू हुआ राजनीतिक टकराव बाद के वर्षों में सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंचा. 2019 के अङ-47 मामले ने इस विवाद को और गहरा किया. अब पटना स्नातक सीट के चुनाव ने दोनों के बीच पुरानी राजनीतिक दूरी को फिर चर्चा में ला दिया है. नीरज के खिलाफ खुलकर मैदान में अनंत जदयू के संभावित उम्मीदवार के रूप में नीरज कुमार का नाम सामने आने के बीच अनंत सिंह ने कहा है कि वह उन्हें चुनाव जीतने नहीं देंगे. उन्होंने नीरज कुमार पर अपने राजनीतिक जीवन में लगातार विरोध करने का आरोप लगाया. साथ ही 2019 के मामले में भी गंभीर आरोप लगाये और नार्को टेस्ट की चुनौती दी. अनंत सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका विरोध जदयू के बजाय नीरज कुमार से व्यक्तिगत राजनीतिक मतभेद से जुड़ा है. उन्होंने पटना स्नातक सीट से डॉ. अनुज सिंह को समर्थन देने का ऐलान किया है. इससे मुकाबले में एक दिलचस्प राजनीतिक स्थिति बन गयी है.एक ही दल के विधायक का समर्थन पार्टी के संभावित उम्मीदवार के बजाय एक निर्दलीय दावेदार को मिलता दिख रहा है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें.. नीरज कुमार ने आरोपों को किया खारिज अनंत सिंह के आरोपों पर नीरज कुमार ने उन्हें खारिज किया है. उनका कहना है कि यदि अनंत सिंह के पास कोई प्रमाण है, तो उन्हें अदालत का रुख करना चाहिए. नार्को टेस्ट के सवाल पर भी नीरज कुमार ने कानूनी प्रक्रिया का हवाला दिया है. उन्होंने खुद को लंबे समय से नीतीश कुमार के साथ रहने वाला जदयू कार्यकर्ता बताया. नीरज कुमार ने यह भी कहा कि पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता ही चुनाव में अंतिम फैसला करेंगे. यानी दोनों नेताओं की व्यक्तिगत राजनीतिक लड़ाई का अंतिम असर चुनावी मैदान में किस तरह दिखाई देता है, उस चुनाव में जदयू ने नीरज कुमार को उम्मीदवार बनाया था, जबकि अनंत सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा. परिणाम में अनंत सिंह को 54,005 और नीरज कुमार को 35,657 वोट मिले थे. अनंत सिंह 18,348 वोटों से विजयी हुए थे. इस चुनाव के बाद दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक दूरी और स्पष्ट होती गयी. मोकामा की राजनीति में दोनों के प्रभाव क्षेत्र और राजनीतिक शैली को लेकर भी लगातार चर्चा होती रही. 2019 के अङ-47 मामले ने बढ़ायी तल्खी 2019 में अनंत सिंह के लदमा स्थित पैतृक आवास पर पुलिस कार्रवाई के दौरान अङ-47, कारतूस और हैंड ग्रेनेड बरामद होने का मामला सामने आया. इस मामले में अनंत सिंह को 2022 में निचली अदालत ने दोषी ठहराया था. बाद में अगस्त 2024 में पटना हाइकोर्ट ने उन्हें मामले में बरी कर दिया. अनंत सिंह ने इस मामले में नीरज कुमार की भूमिका होने का आरोप लगाया था. हालांकि नीरज कुमार इन आरोपों को खारिज करते रहे हैं. मौजूदा विवाद में यही पुराना मामला एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा बन गया है.एक सीट, दो दावेदार और जदयू के सामने राजनीतिक सवाल पटना स्नातक सीट पर नीरज कुमार की संभावित उम्मीदवारी और डॉ. अनुज सिंह को अनंत सिंह के समर्थन ने मुकाबले को पार्टी के अंदरूनी समीकरणों से जोड़ दिया है. जदयू की ओर से चार सीटों पर चुनाव की तैयारी की खबरों में पटना स्नातक सीट से नीरज कुमार का नाम प्रमुखता से सामने आया है. हालांकि, विधान परिषद का स्नातक निर्वाचन क्षेत्र विधानसभा चुनाव से अलग प्रकृति का चुनाव है.

तीन मिडकैप फंड ने किया बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन

- व्हाइटओक, एडेलवाइज और निप्पॉन इंडिया ने दिया खूब रिटर्न
- निवेश से पहले जोखिम और लागत को समझना बेहद जरूरी
- मिडकैप में ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ उतार-चढ़ाव भी अधिक
- तीनों फंडों ने अलग-अलग अवधि में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा
- पिछले प्रदर्शन को भविष्य की गारंटी न मानें

मिडकैप म्यूचुअल फंड उन कंपनियों में निवेश करते हैं जो बड़ी कंपनियों से छोटी, लेकिन स्मॉलकैप कंपनियों से अपेक्षाकृत बड़ी होती हैं। इनमें विकास की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर इनका उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है। हाल के आंकड़ों में मिडकैप सेगमेंट की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। 10 सितंबर 2026 तक एक साल में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% रहा, जबकि तीन साल में इसका सालाना औसत रिटर्न करीब 15% रहा। ऐसे माहौल में यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि कौन-से सक्रिय मिडकैप फंड अपने बेंचमार्क से आगे रहे हैं। इक्विटीमास्टर की 30 से अधिक फंडों की स्क्रीनिंग में तीन योजनाएं सामने आईं व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड, एडेलवाइज मिड कैप फंड और निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड। इस विश्लेषण में रिटर्न के साथ जोखिम-समायोजित प्रदर्शन को भी देखा गया। आंकड़े 10 सितंबर 2026 तक के हैं।

1. व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड

यह तीनों में अपेक्षाकृत नया फंड है। सितंबर 2022 में शुरू हुए इस फंड ने उपलब्ध अवधि में बेंचमार्क से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। एक साल में फंड का रिटर्न 14.92% रहा, जबकि निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% था। तीन साल में फंड ने 21.73% सालाना रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% रहा। इस फंड की खासियत इसका अपेक्षाकृत विविध पोर्टफोलियो है। मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती हेक्साकॉम, फेडरल बैंक, लॉरस लैब्स और कोफोर्ज इसकी प्रमुख हिस्सेदारी में शामिल हैं। शीर्ष होल्डिंग का वजन भी बहुत ज्यादा नहीं है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 15.86 रही। शार्प अनुपात 0.33 और सॉर्टिनो अनुपात 0.62 रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि उपलब्ध तीन साल की अवधि में फंड ने जोखिम के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया।

2. एडेलवाइज मिड कैप फंड

एडेलवाइज मिड कैप फंड का इतिहास बाकी दोनों की तुलना में लंबा है। यह फंड दिसंबर 2007 में शुरू हुआ था और इसके पास अलग-अलग बाजार परिस्थितियों का अपेक्षाकृत लंबा रिकॉर्ड है। पांच साल में इसने 18.89% और सात साल में 25.40% सालाना रिटर्न दिया। इसी अवधि में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 16.52% और 22.68% रहा। तीन साल में फंड का रिटर्न 20.65% रहा, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% था। फंड का निवेश वित्तीय कंपनियों और बाजार से जुड़ी कुछ कंपनियों की ओर अपेक्षाकृत अधिक रहा है। इसके पोर्टफोलियो में एमसीएक्स, बीएसई, फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसी कंपनियां शामिल हैं। यही सेक्टर झुकाव इसके प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.61 रही, जो इन तीनों में सबसे अधिक थी। शार्प अनुपात 0.30 और सॉर्टिनो अनुपात 0.56 रहा। इस फंड की एक महत्वपूर्ण बात इसका लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हालांकि, निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि मौजूदा फंड मैनेजमेंट टीम के कार्यकाल और पूरे ऐतिहासिक प्रदर्शन में कितना अंतर है।

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड तीनों में सबसे पुराना है। अक्टूबर 1995 में शुरू हुआ यह फंड कई बाजार चक्रों से गुजर चुका है। इसके लंबे इतिहास में डॉट-कॉम संकट, 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, टेपर टैंट्रम, नोटबंदी, कोविड और मिडकैप में आई बड़ी गिरावट जैसे दौर शामिल हैं। एक साल में फंड ने 8.44%, तीन साल में 17.73%, पांच साल में 18.31% और सात साल में 24.11% सालाना रिटर्न दिया। संबंधित अवधि में निफ्टी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 7.19%, 14.92%, 16.52% और 22.68% रहा। इससे पता चलता है कि उपलब्ध सभी प्रमुख अवधियों में फंड का रिटर्न बेंचमार्क से ऊपर रहा। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.07 रही। शार्प अनुपात 0.27 और सॉर्टिनो अनुपात 0.51 रहा। फंड का आकार करीब 39,100 करोड़ रुपये बताया गया है, जो इन तीनों में सबसे बड़ा है। बड़ा आकार एक तरफ मजबूत निवेशक आधार को दर्शाता है, लेकिन मिडकैप क्षेत्र में बहुत बड़े फंड के लिए छोटी कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी बनाना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। इसका प्रत्यक्ष योजना व्यय अनुपात करीब 0.81% है।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

मिडकैप फंड में पिछले रिटर्न को देखकर निवेश करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस श्रेणी में शेयरों की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। इसलिए निवेशक को कम से कम पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए—फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का रिकॉर्ड, खर्च और अपने पोर्टफोलियो में मिडकैप का उचित हिस्सा। इसके अलावा फंड के आकार को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बहुत बड़े फंड के लिए छोटी और मझोली कंपनियों में पर्याप्त हिस्सेदारी बनाना मुश्किल हो सकता है, जबकि छोटे फंड में दूसरी तरह के जोखिम हो सकते हैं।

एसआईपी निवेशकों के लिए क्या समझना जरूरी

मिडकैप फंड को आम तौर पर लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से देखना चाहिए। बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने के लिए निवेशक में पर्याप्त जोखिम क्षमता होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, किसी फंड ने पिछले तीन या पांच वर्षों में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि अगले तीन या पांच वर्षों में भी ऐसा ही होगा। बाजार की परिस्थितियां, कंपनियों की कमाई, मूल्यांकन और फंड की निवेश रणनीति बदल सकती है। इसलिए निवेश का निर्णय केवल 'किसने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया' के आधार पर नहीं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम क्षमता और पहले से मौजूद पोर्टफोलियो को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

फंड चुनते समय रिटर्न संग जोखिम पर ध्यान दें

व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड के आंकड़े उपलब्ध छोटी अवधि में मजबूत रहे हैं, एडेलवाइज मिड कैप के पास लंबा और मजबूत प्रदर्शन रिकॉर्ड है, जबकि निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप का इतिहास तीनों में सबसे लंबा है। तीनों की निवेश शैली, पोर्टफोलियो संरचना, फंड का आकार और लागत अलग-अलग है। इसलिए इन आंकड़ों को निवेश की गारंटी या भविष्य के रिटर्न का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप फंड चुनते समय रिटर्न के साथ जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो और निवेशक की अपनी परिसंपत्ति-वितरण रणनीति को भी समान महत्व देना जरूरी है।

स्मार्ट बीटा फंड : दिला सकता है बढ़िया मुनाफा, जोखिम भी ज्यादा नहीं

कम लागत में बेहतर रणनीति से करें निवेश

निवेश मंत्रा

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के सामने अब केवल पारंपरिक इंडेक्स फंड और सक्रिय रूप से संचालित फंड ही विकल्प नहीं हैं। स्मार्ट बीटा फंड भी निवेश की एक ऐसी रणनीति है, जो पैसिव निवेश की नियम-आधारित प्रक्रिया को अलग-अलग फैक्टर के आधार पर शेयर चुनने की रणनीति से जोड़ती है। इनका उद्देश्य बाजार के पारंपरिक इंडेक्स से अलग तरीके से निवेश करना और जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न हासिल करने की कोशिश करना होता है। हालांकि, स्मार्ट बीटा का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि फंड हर समय बाजार या सामान्य इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

चार प्रमुख फैक्टर को समझें

1. **वैल्यू :** इस रणनीति में ऐसे शेयरों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें निर्धारित वित्तीय मानकों के आधार पर उनकी कीमत की तुलना में आकर्षक माना जाता है। इसका आधार मूल्यांकन से जुड़े आंकड़े हो सकते हैं।
2. **क्वालिटी :** इसमें मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों को प्राथमिकता देने की कोशिश होती है। लाभप्रदता, कर्ज, आय की स्थिरता और अन्य वित्तीय मानक इसके आधार हो सकते हैं।
3. **मोमेंटम :** इसमें हाल के समय में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की चाल को महत्व दिया जाता है। रणनीति का आधार यह होता है कि कुछ शेयरों में बनी सकारात्मक या नकारात्मक गति कुछ समय तक जारी रह सकती है।
4. **लो वोलैटिलिटी :** इसमें अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव वाले शेयरों पर ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य पोर्टफोलियो में बाजार की तुलना में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने की कोशिश करना होता है।

कैसे अलग होता है पोर्टफोलियो

पारंपरिक बाजार पूंजीकरण आधारित इंडेक्स में बड़ी कंपनियों का वजन उनके बाजार मूल्य के आधार पर अधिक होता है। स्मार्ट बीटा रणनीति में ऐसा जरूरी नहीं है। मान लीजिए कोई फंड क्वालिटी फैक्टर पर आधारित है। तब वह बाजार पूंजीकरण की बजाय कंपनियों की वित्तीय गुणवत्ता से जुड़े मानकों के आधार पर शेयरों का चयन कर सकता है। इसी तरह मोमेंटम फंड में हाल की कीमत की चाल महत्वपूर्ण हो सकती है।

स्मार्ट बीटा रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि फैक्टर हमेशा काम नहीं करते। किसी खास रणनीति का प्रदर्शन कुछ वर्षों तक कमजोर रह सकता है। उदाहरण के लिए, तेज बाजार उलटफेर की स्थिति में मोमेंटम आधारित रणनीति को नुकसान हो सकता है। इसी तरह वैल्यू आधारित रणनीति लंबे समय तक बाजार की पसंद से बाहर रह सकती है। लो वोलैटिलिटी रणनीति भी तेजी वाले बाजार में कुछ परिस्थितियों में व्यापक इंडेक्स से अलग प्रदर्शन कर सकती है। इसलिए केवल पिछले कुछ वर्षों के रिटर्न देखकर स्मार्ट बीटा फंड का चुनाव करना उचित नहीं माना जाना चाहिए।

निवेशकों को क्या फायदे मिलेंगे

- नियम-आधारित निवेश : शेयरों के चयन के लिए पहले से निर्धारित नियम होते हैं। इससे निवेश प्रक्रिया अपेक्षाकृत व्यवस्थित और पारदर्शी रहती है।
- कम लागत की संभावना : सक्रिय रूप से संचालित फंड की तुलना में स्मार्ट बीटा फंड की लागत आम तौर पर कम हो सकती है, हालांकि हर फंड का वास्तविक खर्च अलग होता है।
- विशेष रणनीति का विकल्प : निवेशक वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम या लो वोलैटिलिटी जैसे किसी खास फैक्टर पर आधारित रणनीति चुन सकते हैं।
- पोर्टफोलियो में विविधता : पारंपरिक इंडेक्स से अलग कंपनियों और अलग वजन वाली कंपनियों में निवेश होने के कारण यह निवेश पोर्टफोलियो में एक अलग रणनीतिक एक्सपोजर दे सकता है।

सेक्टर या शेयरों का झुकाव बढ़ेगा

फैक्टर आधारित निवेश का एक दूसरा जोखिम कंसंट्रेशन है। किसी खास नियम के कारण पोर्टफोलियो में कुछ सेक्टर या कंपनियों की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। ऐसे में यदि उस सेक्टर या कंपनियों के समूह का प्रदर्शन कमजोर रहता है तो पूरे फंड के रिटर्न पर असर पड़ सकता है। इसलिए फंड की शीर्ष होल्डिंग, सेक्टर आवंटन और इंडेक्स की निर्माण पद्धति को समझना जरूरी है।

बार-बार रीबैलेंसिंग से बढ़ेगी लागत

कुछ स्मार्ट बीटा रणनीतियों में समय-समय पर पोर्टफोलियो को रीबैलेंस किया जाता है। यानी तय नियमों के अनुसार कुछ शेयरों का वजन बढ़ाया या घटाया जाता है और कुछ शेयरों को शामिल अथवा बाहर किया जाता है। मोमेंटम जैसी रणनीतियों में यह बदलाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। ज्यादा बदलाव का मतलब लेनदेन की लागत और पोर्टफोलियो में शेयरों के आने-जाने की दर बढ़ना हो सकता है। इसका असर फंड के वास्तविक रिटर्न पर पड़ सकता है।

निवेश से पहले इन 6 बातों की जांच करें

1. **फंड किस इंडेक्स को ट्रैक करता है?** सिर्फ फंड का नाम न देखें, उसके पीछे मौजूद इंडेक्स और उसकी पद्धति समझें।
2. **कौन-सा फैक्टर इस्तेमाल हो रहा है?** वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम और लो वोलैटिलिटी की रणनीतियां अलग-अलग परिस्थितियों में अलग प्रदर्शन कर सकती हैं।
3. **खर्च कितना है?** एक्सपेंस रेशियो के साथ-साथ रीबैलेंसिंग और लेनदेन से जुड़ी लागत को भी देखें।
4. **पोर्टफोलियो कितना केंद्रित है?** टॉप कंपनियों और सेक्टरों में कितना निवेश है, इसकी जांच करें।
5. **पिछला प्रदर्शन कैसे रहा है?** अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन देखें। केवल सबसे अच्छे सालों के रिटर्न पर निर्णय न लें।
6. **निवेश का उद्देश्य क्या है?** फंड का चुनाव अपनी जोखिम क्षमता, समयावधि और मौजूदा पोर्टफोलियो के हिसाब से करें।

सैलरी आते ही पैसा खत्म हो जाता है तो बदलें कुछ आदतें

- कमाई कितनी है, इससे ज्यादा जरूरी है उसका सही बंटवारा
- पहले बचत, फिर खर्च और निवेश का नियम अपनाएं
- महीने के आखिर में होने वाली पैसों की तंगी से बच सकेंगे

हर महीने सैलरी आते ही लगता है कि इस बार खर्च संभालकर चलेंगे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद खाते का बैलेंस तेजी से कम होने लगता है। महीने के आखिर में जरूरी खर्चों के लिए भी पैसों का हिसाब लगाना पड़ता है। ऐसी स्थिति को हमेशा कम आय का नतीजा मानना सही नहीं है। कई बार बिना बजट खर्च करना, छोटी-छोटी खरीदारी को नजरअंदाज करना और बचत को महीने के आखिर के लिए छोड़ देना भी आर्थिक दबाव की बड़ी वजह बनता है। पैसे को बेहतर तरीके से मैनेज करने के लिए बहुत जटिल वित्तीय रणनीति की जरूरत नहीं होती। कुछ आसान आदतों को नियमित रूप से अपनाकर आय और खर्च के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सकता है।

सैलरी आते ही पहले बचत करें

सबसे आम गलती यह होती है कि लोग पूरे महीने खर्च करने के बाद बची रकम को बचत करने के लिए रखते हैं। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बचने के लिए बहुत कम पैसा रह जाता है। इसका आसान तरीका है। 'पहले बचत, फिर खर्च'। सैलरी खाते में आते ही तय रकम को अलग बचत खाते या निर्धारित निवेश में भेज दें। इससे खर्च करने के लिए उपलब्ध पैसा अपने आप सीमित हो जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति की मासिक आय 50,000 रुपये है तो वह अपनी क्षमता के अनुसार पहले ही 5,000 या 10,000 रुपये अलग कर सकता है। इसके बाद बाकी रकम से महीने का खर्च चलाया जाए। बचत की राशि छोटी हो तो भी नियमितता ज्यादा महत्वपूर्ण है। समय के साथ यही रकम बड़ा वित्तीय सहारा बन सकती है।

माह की शुरुआत में बनाएं बजट

सैलरी आने के बाद बिना योजना के खर्च शुरू करना बजट बिगाड़ने का सबसे आसान तरीका है। इसलिए महीने की शुरुआत में ही जरूरी खर्चों की सूची बनाएं। सबसे पहले किराया, ईएमआई, बिजली-पानी, राशन, स्कूल फीस, बीमा प्रीमियम और दूसरी अनिवार्य जरूरतों के लिए रकम अलग करें। इसके बाद यात्रा, खरीदारी, मनोरंजन और बाहर खाने जैसे खर्चों के लिए सीमा तय करें। बजट का मतलब हर खर्च रोकना नहीं है। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि किस मद में कितना पैसा खर्च किया जा सकता है। यदि महीने की शुरुआत में ही 50,000 की आय में से 25,000 जरूरी खर्चों के लिए निर्धारित हैं और 10,000 रुपये बचत या निवेश के लिए अलग कर दिए गए हैं, तो बाकी 15,000 ही वैकल्पिक खर्चों के लिए उपलब्ध होंगे। इससे महीने के बीच में पैसा खत्म होने की संभावना कम होगी।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें

बजट अक्सर किसी एक बड़े खर्च से नहीं, बल्कि कई छोटे खर्चों से बिगड़ता है। रोज की कॉफी, ऑनलाइन खाना, कैब, छोटी-मोटी खरीदारी, मनोरंजन और ऐसे डिजिटल सब्सक्रिप्शन जिनका इस्तेमाल बहुत कम होता है इनकी कुल रकम महीने के अंत में काफी बड़ी हो सकती है। इसलिए कम से कम एक महीने तक हर खर्च लिखने की आदत डालें। मोबाइल के नोट्स, डायरी या किसी खर्च ट्रैकिंग ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। महीने के अंत में खर्चों को तीन हिस्सों में बांटें। जरूरी, उपयोगी और गैर-जरूरी। इसके बाद देखें कि किन खर्चों को कम किया जा सकता है। मान लीजिए रोजाना 100 का छोटा खर्च हो रहा है। महीने में यह करीब 3,000 और सालभर में करीब 36,500 हो सकता है।

इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता

बजट और बचत के साथ आपातकालीन कोष यानी इमरजेंसी फंड भी जरूरी है। अचानक नौकरी में रुकावट, घर से जुड़ी जरूरत, वाहन की मरम्मत या कोई अप्रत्याशित खर्च आने पर अगर अलग पैसा नहीं है तो व्यक्ति को निवेश तोड़ना पड़ सकता है या क्रेडिट कार्ड और कर्ज पर निर्भर होना पड़ सकता है। इमरजेंसी फंड का उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय पैसा उपलब्ध रखना है। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से निकाली जा सके।

निवेश को आदत बनाएं

सिर्फ पैसा बचाकर रखना पर्याप्त नहीं है। लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए बचत के साथ निवेश भी जरूरी हो सकता है। निवेश का विकल्प चुनते समय लक्ष्य, अवधि और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। नियमित निवेश के लिए एसआईपी एक तरीका हो सकता है। इसमें हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड योजना में निवेश की जाती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड बाजार जोखिम के अधीन होते हैं और रिटर्न की गारंटी नहीं होती।

सैलरी का आसान बंटवारा करें

- **जरूरी खर्च:** घर, राशन, बिजली, ईएमआई और दूसरी अनिवार्य जरूरतें।
- **बचत:** भविष्य की जरूरतों और बड़े खर्चों के लिए।
- **निवेश:** लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए।
- **वैकल्पिक खर्च:** घूमना, मनोरंजन, खरीदारी और दूसरी इच्छाओं पर खर्च।
- इस बंटवारे को अपनी वास्तविक आय और जिम्मेदारियों के अनुसार बदला जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड और ईएमआई पर भी रखें नजर

अगर हर महीने सैलरी का बड़ा हिस्सा पुरानी ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में चला जाता है तो बचत और निवेश के लिए रकम निकालना मुश्किल होगा। इसलिए नए कर्ज लेने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसकी मासिक किस्त बजट पर कितना दबाव डालेगी। क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल सुविधा के लिए किया जा सकता है, लेकिन ऐसा खर्च नहीं करना चाहिए जिसे समय पर चुकाना मुश्किल हो। ब्याज और लेट फीस जैसी लागत छोटे खर्च को भी महंगा बना सकती है।

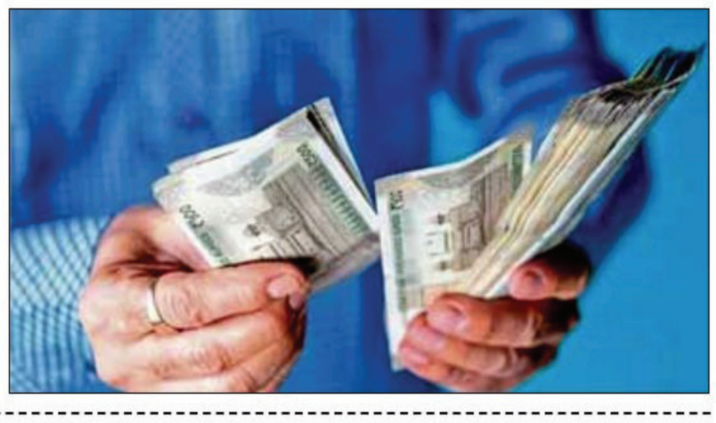

सिर्फ हर महीने निवेश करना काफी नहीं, सही फंड का चयन और लंबी अवधि तक अनुशासन भी जरूरी

एसआईपी से उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रहा पैसा, तो कुछ गलतियों से बचें

सुझाव

व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी आज छोटे और बड़े निवेशकों के बीच लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है। हर महीने तय राशि निवेश करने की सुविधा के कारण नौकरीपेशा और सीमित आय वाले लोग भी धीरे-धीरे बड़ा कोष तैयार करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन कई निवेशकों की शिकायत रहती है कि वर्षों तक एसआईपी चलाने के बाद भी पैसा उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वे अक्सर फंड, बाजार या फंड प्रबंधक को जिम्मेदार मान लेते हैं। असल में एसआईपी कोई ऐसा निवेश उत्पाद नहीं है, जो निश्चित या गारंटीशुदा रिटर्न देता हो। यह केवल नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। निवेश का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि हर महीने कितनी राशि लगाई जा रही है, किस प्रकार के म्यूचुअल फंड का चयन किया गया है, निवेश का लक्ष्य और अवधि क्या है, बाजार की स्थिति कैसी है और निवेशक कितने समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है। यदि एसआईपी उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रही है तो बाहर निकलने से पहले निवेशक को अपनी रणनीति की इन पांच महत्वपूर्ण कमियों की जांच करनी चाहिए।

लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है एसआईपी की राशि

एसआईपी में सबसे आम गलती यह होती है कि निवेशक पहले यह तय करता है कि वह हर महीने कितनी रकम आसानी से बचा सकता है, लेकिन यह नहीं देखता कि उसके वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए वास्तव में कितने निवेश की जरूरत है। 2,000 या 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश की अच्छी शुरुआत हो सकती है, लेकिन हर लक्ष्य के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं होती। मसलन, यदि कोई व्यक्ति पांच साल में 50 लाख या एक करोड़ रुपये का कोष बनाना चाहता है, तो केवल 5,000 रुपये मासिक निवेश से लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इसलिए निवेश की शुरुआत करते समय सवाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि हर महीने कितना निवेश कर सकता हूं, बल्कि यह होना चाहिए कि अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितना निवेश करना जरूरी है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक पांच साल तक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मान लिया जाए, तो उसके पास करीब 4.1 लाख रुपये का कोष बन सकता है। यदि उसका लक्ष्य पांच लाख रुपये है तो वह लगभग 90 हजार रुपये पीछे रह जाएगा। इसी अनुमानित रिटर्न और अवधि में पांच लाख रुपये के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए करीब 6,100 रुपये मासिक निवेश की जरूरत पड़ सकती है। आय बढ़ने के साथ एसआईपी की रकम बढ़ाना भी जरूरी है।

लक्ष्य और अवधि के हिसाब से गलत फंड चुनना

हर म्यूचुअल फंड हर निवेशक और हर लक्ष्य के लिए उपयुक्त नहीं होता। फंड चुनते समय केवल ज्यादा रिटर्न देखने के बजाय निवेश की अवधि, लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उदाहरण के लिए, तीन साल बाद घर खरीदने के लिए पैसा जुटा रहे निवेशक और 20 साल बाद सेवानिवृत्ति के लिए निवेश करने वाले व्यक्ति की रणनीति एक जैसी नहीं हो सकती। लंबी अवधि वाले निवेशक अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव सहन कर सकते हैं, जबकि कम अवधि के लक्ष्य के लिए बहुत अधिक जोखिम वाले इक्विटी फंड परेशानी पैदा कर सकते हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में ज्यादा निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर वृद्धि की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक हो सकता है।

पिछले शानदार रिटर्न के पीछे भागना

कई निवेशक ऐसे म्यूचुअल फंड चुन लेते हैं, जिन्होंने पिछले एक, तीन या पांच साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया हो। लेकिन किसी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। आज सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड आने वाले वर्षों में भी शीर्ष पर रहेगा, यह जरूरी नहीं है। इसी तरह कुछ समय के लिए कमजोर प्रदर्शन करने वाला फंड भी हर स्थिति में खराब निवेश साबित नहीं होता। बाजार के अलग-अलग दौर में विभिन्न फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। निवेशक को किसी फंड का चयन करते समय यह देखना चाहिए कि उसका प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में कितना स्थिर रहा है।

बाजार को समय देने के बजाय बाजार का समय पकड़ने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत नियमित निवेश और अनुशासन है। इसके बावजूद कई निवेशक बाजार बढ़ने पर उत्साह से निवेश करते हैं, लेकिन बाजार गिरते ही एसआईपी रोक देते हैं। उन्हें लगता है कि बाजार और नीचे आने पर दोबारा निवेश शुरू करेंगे। समस्या यह है कि बाजार का सबसे निचला स्तर और सबसे ऊंचा स्तर पहले से तय करना बेहद मुश्किल है। कब बाजार गिरेगा और कब तेजी से ऊपर जाएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं है। नियमित एसआईपी में बाजार की अलग-अलग स्थितियों में निवेश जारी रहता है।

बहुत जल्दी बड़े रिटर्न की उम्मीद करना

एसआईपी को कुछ लोग जल्दी पैसा बनाने का साधन समझ लेते हैं, जबकि यह मुख्य रूप से लंबी अवधि में अनुशासित निवेश की रणनीति है। शुरुआती वर्षों में कोष की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी दिखाई दे सकती है, क्योंकि निवेशित राशि अभी बहुत बड़ी नहीं होती। समय के साथ नियमित निवेश जारी रहने पर कुल निवेश राशि बढ़ती है और यदि निवेश को बढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है तो चक्रवृद्धि का प्रभाव भी अधिक दिखाई दे सकता है। निवेश से होने वाली संभावित कमाई यदि निवेश में बनी रहती है, तो वह भी आगे रिटर्न पैदा करने में योगदान दे सकती है।

क्या करें निवेशक

यदि आपकी एसआईपी उम्मीद के मुताबिक आगे नहीं बढ़ रही है तो सबसे पहले घबराकर निवेश बंद करने या फंड बेचने की जरूरत नहीं है। अपनी पूरी निवेश योजना की समीक्षा करें। देखें कि एसआईपी की राशि लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं, फंड आपकी निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से सही है या नहीं और कहीं आप बार-बार बाजार के उतार-चढ़ाव के आधार पर निवेश के फैसले तो नहीं बदल रहे। जरूरत पड़ने पर एसआईपी की रकम बढ़ाई जा सकती है, फंड चयन की समीक्षा की जा सकती है और अलग-अलग निवेश माध्यमों में राशि के बंटवारे पर भी विचार किया जा सकता है। कोई एक ऐसा 'जादुई' फंड नहीं है, जो हर समय सबसे बेहतर रिटर्न दे। बेहतर रणनीति वही है, जो आपके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुकूल हो और जिसे आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रख सकें।

नागोया के आसमान में चमका भारत मनु और सहरावत ने लहराया तिरंगा

खेलों का रंगारंग उद्घाटन

मार्च पास्ट में 45 देशों के खिलाड़ी हुए शामिल

4 अक्टूबर को खेलों का समापन

मार्च पास्ट में नेवी ब्लू का जलवा

स्टार निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत की अगुवाई में भारत ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खिलाड़ियों की परेड में प्रवेश किया। गहरे नीली (नेवी ब्लू) साड़ी और बंदगले की औपचारिक जैकेट पहने मनु दर्शकों का अभिवादन करती नजर आईं। उन्होंने सहरावत के साथ 150 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई की। भारतीय पुरुष खिलाड़ियों ने भी गहरे नीले रंग की बंदगले की औपचारिक जैकेट और उससे मेल खाती पतलून पहनी थी।

नागोया

जापान ने शनिवार को एशियाई खेलों के सादगीपूर्ण लेकिन रंगारंग उद्घाटन समारोह में अपनी तकनीकी और औद्योगिक ताकत के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश की जिसने प्रतियोगिता से पहले की अव्यवस्थाओं और लॉजिस्टिक्स समस्याओं के बीच एक उम्मीद की किरण दिखाई। अगले 15 दिनों तक 45 देशों के करीब 11,000 खिलाड़ी 43 खेलों और 71 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। इस दौरान कुल 469 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा और खेलों का समापन 4 अक्टूबर को होगा। बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट समेत कुछ अन्य खेलों की स्पर्धाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। 'हार्मोनिक हार्ट बीट' थीम के साथ जापान ने अपने इतिहास में तीसरी बार एशियाई खिलाड़ियों का स्वागत किया। इससे पहले 1958 में तोक्यो और 1994 में हिरोशिमा में एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था।

'वन एशिया' की थीम मुख्य आकर्षण

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण दिल के आकार का मुख्य मंच रहा, जिसे 'वन एशिया' की थीम को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था। यह पूरे महाद्वीप के खिलाड़ियों और लोगों के एक-दूसरे से दिल से जुड़ने का प्रतीक था। 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाले खचाखच भरे मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस शानदार समारोह में आइची की औद्योगिक तकनीक और पारंपरिक कला का अनूठा मेल देखने को मिला।

भारत- बांग्लादेश के बीच भिड़ंत आज

महिला क्रिकेट

निशिन। मौजूदा चैंपियन भारत रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मैच में अपने आक्रामक तेवर बरकरार रखकर दबाव बनाने की कोशिश करेगा। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रारूप में अपना दबदबा बनाए रखा है और उसने पिछले नौ मुकाबलों में जीत हासिल की है, जिसमें पिछले सप्ताह एशिया कप में 40 रन की जीत भी शामिल है। बांग्लादेश के हाथों उसे टी20 में आखिरी बार तीन साल पहले हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश की टीम भारत पर दबाव बनाने के लिए अपने स्पिनरों पर निर्भर रहेगी। बांग्लादेश को अगर भारत के बल्लेबाजों पर दबाव बनाना है तो नाहिदा अख्तर और रबिया खान जैसी गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वे पिच से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाने और भारत के आक्रामक शीर्ष क्रम को नियंत्रण में रखने की कोशिश करेंगी।
मैच का समय सुबह 10:30 बजे

भारत को जापान से मिल सकती है चुनौती

बैडमिंटन

पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम रविवार को अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश की खिलाफ करेगी जबकि महिला टीम कजाकिस्तान से भिड़ेगी। टीम प्रतियोगिता के बाद 25 सितंबर से व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारत को 2023 में हांगझोऊ में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष युगल में स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा भारत ने पुरुष टीम स्पर्धा में रजत और पुरुष एकल में एचएस प्रणय के शानदार प्रदर्शन से कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय पुरुष टीम रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य रखेगी, जबकि महिला टीम 2014 में इंचियोन में कांस्य पदक जीतने के बाद दूसरा टीम पदक हासिल करने की कोशिश करेगी।

टेकबॉल : सेमीफाइनल में हारी क्विम्सी

अब कांस्य के लिए मुकबला

भारत की क्विम्सी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। क्विम्सी ने शुरुआती बढ़त बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। क्विम्सी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेगी। क्विम्सी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पांव से वॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उन्हें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और क्विम्सी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को रैलियों में उलझाया।

हॉकी: नई शुरुआत करेगी भारतीय टीम

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम हाल ही में विश्व कप में मिली निराशा को भुलाकर एशियाई खेलों में रविवार से शुरू होने वाली हॉकी प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव करने में किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी जबकि महिला टीम भी स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत को मेजबान जापान, कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि पूल बी में पाकिस्तान, मलेशिया, चीन, ओमान, उज्बेकिस्तान और थाईलैंड शामिल हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। वह इस मैच में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगा।

पूल बी में महिला हॉकी टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम को पूल बी में उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड, जापान और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जिसमें वह बड़ी जीत हासिल करना चाहेगी।

टेबल टेनिस : मानव-मानुष से पदक की उम्मीद

मानुष शाह और मानव ठक्कर की विश्व में तीसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी के नेतृत्व में आत्मविश्वास से भरी भारतीय टेबल टेनिस टीम रविवार को एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरू करेगी और उसका लक्ष्य कम से कम एक पदक जीतना है। भारतीय पुरुष टीम ग्रुप एफ के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया का सामना करेगी और रविवार को अपने दूसरे मैच में ईरान के खिलाफ खेलेगी। महिला टीम को भी ग्रुप एफ में रखा गया है और वह इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दिन के दूसरे मैच में उसका सामना सिंगापुर से होगा। पिछले एशियाई खेलों में भारत ने महिला युगल जोड़ी सुतीर्थ मुखर्जी और आयिका मुखर्जी के दम पर कांस्य पदक जीता था।

सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार मनु और नीरू

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर की अगुवाई में भारतीय निशानेबाज रविवार को एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसमें उन्हें चीन से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। निशानेबाजी में भारत का 30 सदस्यीय दल भाग ले रहा है और उनसे पिछले एशियाई खेलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जा रही है। हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने रिकॉर्ड 22 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) जीते थे। भारतीय टीम में कई ओलंपियन और विश्व स्तरीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से कुछ को बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। लेकिन सबकी निगाहें निश्चित रूप से मनु पर होंगी, जो पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक हासिल करने के बाद एशियाई खेलों में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगी।

खबर संक्षेप

जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष बन सकते हैं पोवार

नई दिल्ली। पूर्व ऑफ स्पिनर रमेश पोवार और उत्तर प्रदेश के अनुभवी तेज गेंदबाज आशीष विंस्टन जैदी राष्ट्रीय जूनियर पुरुष चयन समिति में शामिल हो सकते हैं। 24 अगस्त को बीसीसीआई ने इस समिति में पांच पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितंबर थी। नई समिति, तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर एस. शरथ की अध्यक्षता वाली मौजूदा समिति की जगह लेगी। मौजूदा समिति में राणादेब बोस (ईस्ट जोन), हरविंदर सिंह सोढ़ी (नॉर्थ जोन), पथिक पटेल (वेस्ट जोन) और कृष्ण मोहन (सेंट्रल जोन) शामिल हैं। सूत्रों ने बताया, पोवार और जैदी ने समिति का हिस्सा बनने के लिए आवेदन किया है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो पोवार नए मुख्य जूनियर चयनकर्ता और वेस्ट जोन के प्रतिनिधि बन सकते हैं, जबकि जैदी सेंट्रल जोन से जूनियर चयनकर्ता बन सकते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेशी टीम का ऐलान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को इस टेस्ट के लिए आराम दिया गया है। दोनों टीमों के बीच यह टेस्ट मुकाबला 9 से 13 अक्टूबर तक खेला जाना है। तस्कीन के अलावा, विकेटकीपर बल्लेबाज अमिते हसन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। जेक अली और तौहीद हृदय की टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लिटस दास के खेलने पर संशय को देखते हुए जेकर अली को बैकअप के तौर पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था।

डेविस कप : दक्षिणेश्वर और बालाजी की शानदार जीत

सियोल

दक्षिणेश्वर सुरेश और श्रीराम बालाजी ने युगल मुकाबले में उई-सुंग पार्क और जी-सुंग नाम को हराकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत की जीत की उम्मीदों को जीवंत रखा।

मुकाबला के पहले दिन शुक्रवार को दोनों एकल मैच गंवाने के कारण 0-2 से पिछड़ने के बाद भारत को कुछ अलग करने की जरूरत थी। उसने निकी पूनाचा की जगह दक्षिणेश्वर को बालाजी के साथ कोर्ट पर उतारा और उसका यह फैसला सही साबित हुआ। इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3 3-6 6-3 से जीत हासिल की।

पिछड़ने के बाद हासिल की जीत

भारत ने इससे पहले केवल दो बार, 2010 और 2018 में, डेविस कप मुकाबले में 0-2 से पिछड़ने के बाद जीत हासिल की है। यह कारनामा फिर से करने के लिए भारत को अब दोनों उलट एकल मैच जीतने होंगे। भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल पर सारा दायित्व है, जिन्हें पहले उलट एकल मैच में कोरिया के शीर्ष के खिलाड़ी सूनवू क्वोन को हराना होगा। भारत ने पहले सेट में शुरू से ही अपने इरादे जतला दिए थे।

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना

सियोल

डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में सुमित नागल पहले उलट एकल के मैच में सूनवू क्वोन से हार गए। इस तरह से कोरिया ने 3-1 से जीत हासिल करके यह मुकाबला अपने नाम कर दिया। नागल को करो या मरो वाले मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत थी, लेकिन भीषण गर्मी में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें कोरिया के नंबर एक खिलाड़ी क्वोन से 1-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।

नागल का लय हासिल करने के लिए संघर्ष

नागल लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और कोरियाई खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया दूसरे सेट में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद नागल उस तरह की वापसी करने में असमर्थ रहे, जो उनकी खासियत है। भारत को अब क्वालीफाइंग राउंड एक में खेलना होगा। यह मैच कप्तान रोहित राजपाल का डेविस कप में आखिरी मैच भी हो सकता है, जिनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक है।

रचिन चोटिल, भारत के खिलाफ खेलने पर संशय

ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान डाइव लगाकर कैच लेने के प्रयास में चोटिल हो गए और उनका भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलना संदिग्ध है। रचिन के कंधे में चोट लगी है। उनकी चोट का आकलन किया गया, जो गंभीर नहीं है लेकिन चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान उनकी प्रगति से ही पता चल पाएगा कि वह कब तक वापसी कर पाएंगे। न्यूजीलैंड 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए भारत की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि यह अब भी 'अस्पष्ट' है कि रविंद्र सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं।

रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि टीम अपने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं करेगी। वाल्टर ने कहा, 'हमारा अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट में व्यस्त कार्यक्रम होने के कारण हम रचिन की वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं।'

जायसवाल को मिले मौका : इरफान

वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से वनडे सीरीज का आगाज

नई दिल्ली

पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने यशस्वी जायसवाल का समर्थन करते हुए उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में मौका देने की वकालत की है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 27 सितंबर से होना है।

जायसवाल भारत के बैकअप ओपनर रहे हैं और उन्हें मिले सीमित मौकों में उन्होंने काफी प्रभावित किया है। भारत 27 सितंबर से घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने जा रहा है। ऐसे में पठान यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि भारतीय टीम मैनेजमेंट बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को कैसे मौके देता है, ताकि वनडे वर्ल्ड कप 2027 से पहले उनकी लय बनी रहे। पठान ने 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, इस सीरीज में एक खिलाड़ी पर मेरी नजर रहेगी। वह यशस्वी जायसवाल हैं।

आज एशियाड के लिए जापान रवाना होंगे क्रिकेटर

टीम इंडिया की किट पर पेंच

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सदस्य एशियाई खेलों के लिए अब भी सही साइज की किट का इंतजार कर रहे हैं जबकि उन्हें रविवार तड़के जापान रवाना होना है।

खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर बीसीसीआई और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंस्पायर के बीच बातचीत हुई है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होने वाली है। भारतीय खिलाड़ी 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी मानक पोशाक पहनेंगे। इसके बाद वे 28 सितंबर से शुरू होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहनेंगे।

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग ड्रेस की जरूरत

आईओए के सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटरों की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है (एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए), इसलिए ऐसा हुआ होगा।' इस बीच नागोया में अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में हो रही देरी को देखते हुए बीसीसीआई ने स्वयं होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है।

महिला टीम को आवास समस्या नहीं

भारतीय महिला टीम हालांकि आईओए के उपलब्ध कराए आवास में रह रही है। 'महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी।

रोहित का विवाद और लक्ष्मण से अनबन बनी विदाई की वजह

वर्ल्ड कप से पहले अगरकर और बीसीसीआई के रिश्ते में दरार

नई दिल्ली

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रहा विवाद और 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ बढ़ते मतभेद एकदिवसीय विश्व कप 2027 से पहले सीनियर चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बीच रिश्ते टूटने की प्रमुख वजह बने।

अगरकर के जाने की पटकथा उस समय लगभग लिखी जा चुकी थी, जब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की समीक्षा के लिए मुंबई में बुलाई गई अहम बैठक से उन्होंने दूरी बना ली।

सैकिया ने किया अगरकर का बचाव

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भले ही उनका बचाव किया, लेकिन बोर्ड के भीतर एक वर्ग का मानना था कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष की मौजूदगी जरूरी थी। अगरकर विश्व कप तक पद पर बने रहने के इच्छुक थे, लेकिन पिछले एक महीने में बीसीसीआई की ओर से लगातार ऐसे संकेत मिल रहे थे कि बोर्ड अब चयन समिति में नए चेहरे की तलाश कर रहा है। आम तौर पर बोर्ड ऐसे चयनकर्ता को इतनी आसानी से नहीं हटाता, जिसकी अगुआई वाली समिति ने पिछले तीन वर्षों में सीमित ओवरों की चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली टीमें चुनी हों और उनमें से तीन में खिताब भी जीते हों।

रोहित के भविष्य को लेकर पैदा हुई दरार

भारत ने इस दौरान दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। अगरकर और बीसीसीआई के बीच रिश्तों में असली दरार रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर पैदा हुई। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला से ठीक पहले तत्कालीन चयन समिति ने टीम प्रबंधन और बीसीसीआई के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ मिलकर लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित को वनडे टीम से आगे बढ़ने का संकेत देने का फैसला किया था। यह फैसला सामूहिक था और रोहित तक बात पहुंचाने की जिम्मेदारी दक्षिण क्षेत्र के चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा को दी गई, जो रोहित के करीबी मित्रों में माने जाते हैं। रोहित 2027 वनडे विश्व कप खेलना चाहते हैं और उन्हें यह संदेश पसंद नहीं आया। उन्होंने एक प्रभावशाली बोर्ड पदाधिकारी से बात कर चयन समिति के अध्यक्ष के रवैये पर अपनी नाराजगी जाहिर की। मामला तब और पेचीदा हो गया, जब बीसीसीआई ने लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित के संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए सार्वजनिक बयान जारी कर दिया।

रोबोट कर रहा भगवान गणेश की आरती

राजकोट (एजेंसी)। गणेश उत्सव मे तकनीक और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिला। एक मंदिर में रोबोट द्वारा भगवान गणेश की आरती किए जाने का वीडियो श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रोबोट को इस तरह तैयार किया गया है, वह आरती की थाली हाथ में लेकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार भगवान गणेश के सामने आरती करता है। आरती के दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालु भक्ति भाव से पूजा में शामिल होकर रोबोट द्वारा आरती करने पर उत्साहित होते हैं. आयोजन से जुड़े लोगों का कहना है कि इसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी को धार्मिक परंपराओं से जोड़ना है। कुछ लोगों ने इसे परंपरा और तकनीक के नए मेल के रूप में देखा है।

बिहार में 1400 करोड़ के टेंडर में घोटाले का आरोप, तीन बार बदली नियम-शर्तें

पटना (एजेंसी)। बिहार में करीब 1400 करोड़ रुपए के एक बड़े टेंडर को लेकर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। आरोप है, टेंडर प्रक्रिया के दौरान नियम और शर्तों में तीन बार बदलाव किया गया। इससे प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है, बार-बार शर्तें बदलने से एक चुनिंदा कंपनी को फायदा पहुंचाने की संभावना बनी है. अन्य संभावित बोलीदाताओं के लिए प्रतिस्पर्धा प्रभावित हुई है। मामले में टेंडर की पूरी प्रक्रिया, नियमों में किए गए बदलाव और उनके आधार की जांच की मांग की गई है। सवाल यह भी उठ रहा है कि इतनी बड़ी राशि के टेंडर में शर्तों में बदलाव की जरूरत क्यों पड़ी.प्रत्येक संशोधन को किस स्तर पर मंजूरी दी गई। संबंधित विभाग से दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है। आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही स्पष्ट होगा, नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं।

सुरक्षा बलों ने छह को हिरासत में लिया, ग्रामीणों ने किया हिंसक प्रदर्शन

-प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने छोड़े आंसू गैस के गोले, कई घायल

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने छह ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुकी समुदाय के कुछ लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि शनिवार रात मोटबुंग और आसपास के इलाकों में शुरू हुआ यह प्रदर्शन आधी रात तक जारी रहा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पथराव किया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि खोलेन के छह ग्रामीणों को सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए हिरासत में लिया है। जिले में नगा बहुल चावांगकिंग गांव के पास स्थित खोलेन गांव पर हाल में सशस्त्र उपद्रवियों ने हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए भारी निर्माण उपकरणों का इस्तेमाल कर मोटबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के कुछ हिस्सों को भी खोद दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए ग्रामीणों को बाद में सुरक्षा बलों ने रिहा कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। उन्होंने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है।

10 हजार करोड़ का लोहा चोरी का दावा

दुर्ग-भिलाई (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की भिलाई स्टील प्लांट में हुई लोहा चोरी मामले में एक नया दावा किया जा रहा है। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि प्लांट में पिछले 40 साल में करीब 10 हजार करोड़ रुपए का लोहा चोरी हुआ है। हालांकि, पुलिस की ओर से इस आंकड़े की पुष्टि नहीं हुई है। विधायक ने कहा कि करोड़ों का लोहा चुराने वाले आरोपी को सीबीआई ही पकड़ सकती है, उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की। आरोप है कि इस मामले में कई बड़े जनप्रतिनिधि और बीएसपी-सीआईएसएफ के कुछ अधिकारी भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। 2 दिन पहले इस मामले में रसमड़ा फैक्ट्री के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद कुमार गर्ग और डायरेक्टर संदीप कुमार सिंह की गिरफ्तारी की गई है। अब तक इस मामले में 21 आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। जिनमें 3 जमानत पर बाहर हैं। 5 को अग्रिम जमानत मिल गई है।

गणपति पंडाल के पास करंट से 2की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के लालबाग इलाके में गणपति पंडाल के पास रविवार देर रात करंट लगने की घटना में 8 साल की बच्ची समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हुए हैं। घटना रात करीब 2:20 बजे कालाचौकी के दत्ताराम लाड मार्ग पर हुई, जहां गणपति उत्सव के चलते बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। घटना की सूचना सुबह 2:42 बजे मुंबई फायर ब्रिगेड को मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड, पुलिस, बेस्ट और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को मसिना अस्पताल और ग्लोबल अस्पताल ले जाया गया।

जोधपुर में भारत-जापान का 'वीर गार्जियन' युद्धाभ्यास, दोनों एयर चीफ ने तेजस फाइटर जेट में भरी उड़ान

जोधपुर, एजेंसी।
राजस्थान के जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर भारत और जापान के बीच चल रहे संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन-2026' के तहत रविवार सुबह दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों की ऐतिहासिक भागीदारी देखने को मिली. भारत के वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और जापान के एयर चीफ जनरल ताकेहिरो मोरिता जोधपुर पहुंचे. दोनों प्रमुखों ने अभ्यास में शामिल भारत और जापान की एयरफोर्स टीमों से मुलाकात कर ग्रुप फोटो ली. इसके बाद दोनों प्रमुखों ने तेजस विमानों में उड़ान भरी. उड़ान से पहले दोनों ने ब्रीफिंग रूम में जानकारी ली. तेजस में बैठने से पहले जूते साफ किए. जापान के एयर चीफ ने भारतीय पायलट के साथ उड़ान भरी. वहीं भारत के वायु सेना अध्यक्ष ने स्वदेशी फाइटर जेट 'तेजस' की कमान संभाली. 22 सितंबर तक चलने वाले इस 14 दिवसीय अभ्यास में भारत के तेजस, राफेल, सुखोई-30टङकऔर जापान के

F-2A विमान जटिल ऑपरेशनल मिशनों को अंजाम देंगे. दोनों प्रमुखों की इस संयुक्त उड़ान ने भारत-जापान रक्षा साझेदारी, इंटरऑपरेबिलिटी और रणनीतिक संबंधों को एक नई ऊंचाई दी है.

रविवार को इस अभ्यास के 12वें दिन भारत-जापान के दोनों वायुसेना प्रमुखों ने तेजस में उड़ान भरी. इसके बाद मीडिया ब्रीफिंग में जापान के एयर चीफ ने तेजस की उड़ान को यादगार बताते हुए कहा कि यह भारत में निर्मित एक बहुत सफल एयरक्राफ्ट है. उड़ान के दौरान मैं सोच रहा था कि कितने लोगों ने इसके लिए मेहनत की होगी. भारत के वायुसेना अध्यक्ष एपी सिंह ने कहा कि खास तौर पर जापानी लड़ाकू विमानों का पहली बार भारतीय धरती से संचालन होना भारत-जापान संबंधों और हमारी साझेदारी के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि है. दोनों सेनाध्यक्षों ने भविष्य में भी साथ-साथ रणनीति बनाने और इंडो-पैसिफिक रीजन में दोनों की साझेदारी को महत्वपूर्ण बताया. इस मौके पर दोनों ने अपने-अपने बैच भी बदले.

एयरफोर्स चीफ सिंह ने कहा कि ▯संस्कृत में एक अभिव्यक्ति है, आपत्सु मित्रम्, अर्थात संकट के समय काम आने वाला ही सच्चा मित्र होता है. मुझे लगता है कि भारतीय वायुसेना और कू-कू-जिताई के संबंधों में भी यही भावना दिखाई देती है. यह साझेदारी आपसी सम्मान, पेशेवर विश्वास और शांति एवं स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है. भारत और जापान स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र की साझा दृष्टि रखते हैं. हमारी दोनों वायुसेनाओं के बीच मजबूत होता सहयोग इसी साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाता है. मैं इस तालमेल को ह्यकिजुनाह्ल के रूप में देखता हूं. मुझे बताया गया है कि जापानी भाषा में किजुना का अर्थ एक ऐसा मजबूत और स्थायी बंधन है, जो साझा अनुभवों, आपसी सम्मान और सहयोगी अभियानों के माध्यम से लगातार मजबूत होता जाता है.

सिंह ने कहा कि भारतीय विमान उद्योग, अनुसंधान एवं विकास और उत्पादन क्षमता बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है. हमने तेजस को परिचालन में सफलतापूर्वक शामिल किया है और बड़ी संख्या में विमानों के ऑर्डर भी दिए जा चुके हैं. कुछ विमानों की आपूर्ति वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियों के कारण प्रभावित हुई है, लेकिन तेजस के अगले संस्करण तेजस मार्क-2 और हमारे अगले पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए के साथ भारतीय विमानन, रक्षा विमानन उद्योग और अनुसंधान एवं विकास नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार हैं. आज आपने जिस तेजस में उड़ान भरी, वह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि स्वदेश में विकसित भारतीय विमान पर आपका कितना विश्वास और भरोसा है.

जापान के एयर चीफ जनरल ताकेहिरो मोरिता ने कहा कि जापान और भारत स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की साझा दृष्टि रखते हैं. दोनों देश जापान-भारत विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हैं. हमारे दोनों देशों के आसपास का रणनीतिक वातावरण लगातार अधिक जटिल हो रहा है. ऐसे में भारत और जापान के बीच और मजबूत रक्षा सहयोग का महत्व लगातार बढ़ रहा है. इसी साझा समझ की पुष्टि जुलाई में भारत में प्रधानमंत्री ताकाइची और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई जापान-भारत शिखर बैठक में हुई थी. इसके बाद अगस्त में रक्षा मंत्री कोइज़ुमी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच हुई जापान-भारत रक्षा मंत्रियों की बैठक में भी इस प्रतिबद्धता को दोहराया गया. राजनीतिक स्तर पर मिले इस मजबूत समर्थन और प्रतिबद्धता के आधार पर भारत और जापान व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ा रहे हैं. हमारा प्रयास है कि दोनों देशों के प्रयासों के बीच बेहतर तालमेल बने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान दिया जा सके. जनरल ताकेहिरो मोरिता ने कहा कि हमारा मानना है कि उन्नत स्तर का प्रशिक्षण आपसी समझ को गहरा करता है, विश्वास को मजबूत करता है और व्यावहारिक सहयोग को बढ़ाता है.

लद्दाख में वांगचुक का लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम में बदलाव

-23 को शांतिपूर्ण विरोध रैली, 24 को शहीद दिवस से जुड़े कार्यक्रम होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
लद्दाख के संयुक्त नेतृत्व ने कारगिल में रविवार को होने वाले प्रस्तावित लॉन्ग मार्च और विरोध रैली का कार्यक्रम बदलने की घोषणा की है। कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) और लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) ने केंद्र सरकार के साथ बातचीत में हालिया प्रगति और खराब मौसम के कारण शुरुआती

कार्यक्रम को रद्द करने का फैसला किया है। नए कार्यक्रम के मुताबिक कारगिल में 23 सितंबर को शांतिपूर्ण विरोध रैली निकाली जाएगी। 24 सितंबर को शहीद दिवस से जुड़े अन्य कार्यक्रम होंगे।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केडीए के सह-अध्यक्ष सज्जाद कारगिली ने बताया कि मार्च को इसलिए टाल दिया गया क्योंकि गृह मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर अक्टूबर 2026 के पहले सप्ताह में कारगिल में संरचनात्मक बातचीत का अगला दौर तय किया है। सरकार ने नेताओं को भरोसा दिलाया है कि वह एक ड्राफ्ट साझा करेगी जिसमें अनुच्छेद 371के जैसे प्रावधान शामिल होंगे, ताकि लद्दाख को जमीन, संसाधनों और संस्कृति पर प्रशासनिक नियंत्रण वाली विधानसभा मिल सके। सोनम वांगचुक ने भी ऊंचे पहाड़ों में खराब मौसम और रात के तापमान में गिरावट के कारण अपनी प्रस्तावित लंबी पदयात्रा छोड़ दी है।
रविवार के सड़क कार्यक्रमों के बजाय, संयुक्त नेतृत्व ने कार्यक्रम को 2 बड़े यादगार कार्यक्रमों में बदल दिया है। 23 सितंबर को 20 किलोमीटर की सांकेतिक मार्च और रैली और 24 सितंबर को एक सार्वजनिक रैली जिसमें पिछले साल की हिंसा में मारे गए लोगों की बरसी मनाई जाएगी। 23 सितंबर को सोनम वांगचुक लेह में मार्च का नेतृत्व करेंगे, जबकि केडीए उसी समय कारगिल में अपनी बड़ी सार्वजनिक रैली करेगा। 24 सितंबर को पूरे लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में शहीद दिवस मनाया जाएगा, जिसमें लेह और कारगिल दोनों उप-मंडल औपचारिक रूप से श्रद्धांजलि देंगे। यह दिन 24 सितंबर 2025 की दुखद हिंसा के एक साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसमें पुलिस फायरिंग में चार युवा प्रदर्शनकारियों की जान चली गई थी। नेताओं ने कहा कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य लद्दाख के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल करना, भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में शामिल होना और पिछले साल के पीड़ितों के लिए न्यायिक जवाबदेही और उचित मुआवजा मांगना है।

देश के 9 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी

-अंडमान के ऊपर बन रहा डीप डिप्रेशन सिस्टम चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई होने के बीच मौसम के बदलते मिजाज ने कई राज्यों में चिंता बढ़ा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को महाराष्ट्र समेत देश के 9 राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। अंडमान सागर के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के तेजी से सक्रिय होने के कारण तटीय और प्रायद्वीपीय भारत में मौसमी गतिविधियों में भारी तीव्रता देखी जा रही है।
अंडमान सागर में बना सिस्टम, 23 सितंबर को बदलेगा डीप डिप्रेशन में मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अंडमान सागर के ऊपर विकसित हुआ कम दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। यह सिस्टम 23 सितंबर की सुबह तक ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों पर पहुंचने से ठीक पहले डीप डिप्रेशन में

तब्दील हो सकता है। मौसम विज्ञान में डीप डिप्रेशन सामान्य लो-प्रेशर से कहीं अधिक शक्तिशाली प्रणाली होती है, जो चक्रवाती तूफान बनने से ठीक पहले का चरण माना जाता है। इसके प्रभाव से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और आसपास के तटीय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं चल सकती हैं।
मौसम विभाग ने विशेष रूप से 10 संवेदनशील जिलों बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल, पुरी, खुर्दा और नयागढ़ में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। मध्य भारत में मानसून की बेरुखी और आकाशीय बिजली जानलेवा साबित हो रही है। छत्तीसगढ़ में शनिवार को कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने खराब मौसम के दौरान लोगों से खुले मैदानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। वहीं उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बाढ़ और नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव से कटान की समस्या गंभीर हो गई है। रिपोर्टों के मुताबिक नदियों के तेज बहाव और कटान के चलते लगभग 12 एकड़ उपजाऊ व रिहायशी जमीन जलमग्न होकर बह गई, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल है।

आईआईटी रुड़की दीक्षांत समारोह संपन्न, 2,701 डिग्रियां वितरित, दिग्गजों ने दिया सक्सेस सूत्र

रुड़की, एजेंसी।
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी रुड़की में दो दिवसीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में कुल 2 हजार 701 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं. पहले दिन 1 हजार 277 स्नातक विद्यार्थियों को डिग्री दी गई. दूसरे और अंतिम दिन 1 हजार 424 स्नातकोत्तर और पीएचडी विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं. जिनमें 903 स्नातकोत्तर, 518 पीएचडी और तीन एमएस बाय रिसर्च की डिग्रियां मिली. बता दें रविवार 20 सितंबर को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने आज दीक्षांत समारोह का समापन किया. इस अवसर

पर स्नातकोत्तर और डॉक्टोरल छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं. दो दिवसीय दीक्षांत समारोह के दूसरे दिन उच्च शिक्षा, शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता की उपलब्धियों को सम्मानित किया गया. दीक्षांत समारोह के दूसरे दिन कुल 1 हजार 424 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं. इनमें 903 स्नातकोत्तर डिग्रियां, 518 पीएचडी/पीएचडी ड्यूल डिग्रियां और 3 एमएस बाय रिसर्च डिग्रियां शामिल हैं. समारोह में हीरो मोटोकॉर्प के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हर्षवर्धन छिताले मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. ऑयलमैक्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक और एशियन एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. कपिल गर्ग समारोह में सम्मानित अतिथि रहे. दीक्षांत समारोह 2026 का एक प्रमुख आकर्षण 518 पीएचडी डिग्रियों का प्रदान किया जाना रहा, जो आईआईटी रुड़की द्वारा अब तक प्रदान की गई पीएचडी डिग्रियों की सबसे अधिक संख्या है.

तेरे सिर में गोलियां मरवाऊंगा और तेरे पीछे कोई पालतू पशु भी नहीं छोड़ना है

-मूसेवाला पर बयानबाजी करने पर कांग्रेस नेता गुरप्रीत को विदेश से मिली धमकी

चंडीगढ़, एजेंसी।
दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला और उनके पिता बलकौर सिंह सिद्धू के संबंध में की गई बयानबाजी को लेकर मानसा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरप्रीत सिंह विक्की को धमकी मिलने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक नेता को पुर्तगाल से एक विदेशी नंबर से धमकी मिली। बताया जा रहा है कि धमकी देने वाले ने खुद को कुख्यात बंबीहा गैंग का सदस्य बताया है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस नेता गुरप्रीत सिंह विक्की की शिकायत पर मानसा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गुरप्रीत सिंह विक्की ने बताया कि उन्हें एक विदेशी नंबर से व्हाडसएप कॉल आई थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को

बंबीहा ग्रुप से संबंधित बताया और सिद्धू मूसेवाला और उनके पिता बलकौर सिंह के संबंध में की जा रही बयानबाजी पर आपत्ति जताई। इसके साथ ही भविष्य में इस तरह की बयान देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उसने विक्की से कहा कि तेरे सिर में गोलियां मरवाऊंगा और तेरे घर के अंदर तक तेरे पीछे कोई पालतू पशु भी नहीं छोड़ना है।
वहीं नेता गुरप्रीत सिंह विक्की का कहना है कि उनकी ओर से सिद्धू मूसेवाला के लिए व्यक्तिगत तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। उनके द्वारा की गई बयानबाजी सिद्धू मूसेवाला के पिता की ओर से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग के संबंध में की गई टिप्पणियों के जवाब में थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने भविष्य में सिद्धू मूसेवाला या उनके पिता के संबंध में बयान नहीं करने के लिए कहा है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा कॉल से संबंधित तथ्यों और इसमें शामिल व्यक्ति की पहचान को लेकर जांच की जा रही है।

डूसू चुनाव में एबीवीपी की शानदार जीत पर गृह मंत्री अमित शाह ने दी बधाई

नई दिल्ली , एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई देते हुए इसे देश के युवाओं के मिजाज का स्पष्ट प्रतिबिंब बताया है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश उन ताकतों के लिए कड़ा संदेश है जो युवाओं को विघटनकारी एजेंडे की प्रयोगशाला बनाना चाहते हैं। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं है, बल्कि यहां देश के कोने-कोने से छात्र पढ़ने आते हैं। ऐसे में डीयू का यह जनादेश पूरे भारत के युवाओं की सोच और प्राथमिकताओं को दर्शाता है।
अमित शाह ने कहा कि एबीवीपी को मिली शानदार जीत उन राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए स्पष्ट संदेश है। देश का युवा आज राष्ट्र प्रथम की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ा है और यही इस जनादेश का सबसे बड़ा संदेश है। बता दें दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी ने चार में से तीन पदों अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पर जीत हासिल की है। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर एक निर्दलीय उम्मीदवार ने जीत दर्ज की, जबकि छात्र संगठन एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुल सका।

मॉस्को पर 1,000 से ज्यादा ड्रोन हमलों का दावा, 2 की मौत

मॉस्को, एजेंसी ।
रूस के अधिकारियों के मुताबिक, मॉस्को की ओर बढ़ रहे 450 ड्रोन नष्ट किए गए। हमले में मॉस्को ऑयल रिफाइनरी और एक रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा, जबकि मॉस्को क्षेत्र में 20 लोग घायल हुए। रूस ने दावा किया है कि यूक्रेनी सेना ने रातभर देश के अलग-अलग हिस्सों में 1,000 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, इनमें सैकड़ों ड्रोन मॉस्को की ओर भेजे गए थे। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने इसे राजधानी पर अब तक का सबसे

बड़ा ड्रोन हमला बताया। उनके अनुसार, हमले में मॉस्को ऑयल रिफाइनरी और एक रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा है। वहीं, मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दो लोगों की मौत और 20 लोगों के घायल होने की जानकारी दी।

रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, उसकी सेना ने देशभर में, क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र समेत, 1,100 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि राजधानी की ओर बढ़ रहे 450 ड्रोन नष्ट किए गए। सोब्यानिन ने हमले को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि ड्रोन हमलों के कारण मॉस्को ऑयल रिफाइनरी और एक रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में रिफाइनरी को हुए नुकसान की सटीक सीमा या उत्पादन पर इसके असर का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, हमले में मॉस्को क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 लोग घायल हुए हैं। गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने मृतकों की पहचान 74 वर्षीय पुरुष और 44 वर्षीय महिला के रूप में की। हमले के बाद नुकसान का आकलन किया जा रहा था। अधिकारियों ने प्रभावित इलाकों में हुई क्षति को लेकर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की थी।

रूस के संसदीय चुनाव के आखिरी दिन हुआ हमला

ड्रोन हमले का दावा ऐसे समय किया गया, जब रूस में संसदीय चुनाव का तीसरा और आखिरी दिन चल रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे युद्ध शुरू होने के बाद रूस का पहला संसदीय चुनाव बताया गया। चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्ष की मौजूदगी बेहद सीमित बताई गई। रूस ने यूक्रेन के उन चार क्षेत्रों में भी मतदान कराया, जिन्हें उसने युद्ध के बाद अपने कब्जे में लेने का दावा किया है, लेकिन जिन पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है। क्रीमिया में भी मतदान हुआ।

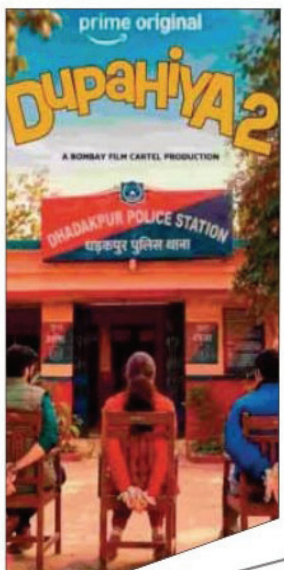

'दुपहिया सीजन-2' का प्रीमियर एक अक्टूबर को

मुंबई। प्राइम वीडियो की हिंदी ओरिजिनल सीरीज दुपहिया के दूसरे सीजन का प्रीमियर एक अक्टूबर को होगा। धडक़पुर की पृष्ठभूमि पर आधारित कॉमेडी-ड्रामा सीरीज के नए सीजन में गांव के लोगों के सामने नई चुनौतियां और परेशानियां आएंगी। दुपहिया के दूसरे सीजन का निर्देशन सोनम नायर ने किया है। सलोना बैन्स जोशी और शुभ शिवदासानी ने बॉम्बे फिल्म कार्टेल एलएलपी के बैनर तले इसका निर्माण किया है। अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग इसके लेखक और रचनाकार हैं। सीरीज में गजराज राव, रेणुका शहाणे, स्पर्श श्रीवास्तव, भुवन अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

लाइफ Style

वहीदा

महात्मा गांधी की मां पुतलीबाई का निभाएंगी किरदार

दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान फिल्मकार अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा की आगामी फिल्म में महात्मा गांधी की मां पुतलीबाई की भूमिका निभाएंगी। फिल्म में मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी का किरदार निभा रहे हैं, जबकि सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म महात्मा गांधी के जीवन के कम चर्चित 21 दिनों की कहानी पर आधारित है। सुधीर मिश्रा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण अनुभव सिन्हा और नरेंद्र हिरावत ए बनारस मीडियावर्क्स के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म को एनएच स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। वहीदा रहमान की मौजूदगी से फिल्म में भावनात्मक गहराई जुडऩे की उम्मीद है।

वहीदा रहमान का जुड़ना सम्मान की बात : सुधीर

सुधीर मिश्रा ने कहा कि वहीदा रहमान का इस परियोजना का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि प्यासा, साहिब बीबी और गुलाम, कागज के फूल और गाइड जैसी फिल्मों से उनका गहरा जुड़ाव रहा है और उन्हें यकीन नहीं होता कि ऐसी ऐतिहासिक फिल्मों की अभिनेत्री अब उनके निर्देशन वाली फिल्म का हिस्सा बनने जा रही हैं। अनुभव सिन्हा ने कहा कि वहीदा रहमान के साथ फिल्म और खास तौर पर इस परियोजना पर चर्चा करना उनके लिए सम्मान की बात रही। उन्होंने खुशी जताई कि सुधीर मिश्रा और फिल्म की पटकथा वहीदा रहमान को फिर से सेट पर लाने में सफल रहे।

हॉलीवुड मसाला

विवादों में हॉलीवुड अभिनेत्री स्वीनी

नई दिल्ली। वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड जैसी कई शानदार मूवीज के जरिए फैंस का दिल जीतने वालीं हॉलीवुड की लेडी सुपरस्टार सिडनी स्वीनी को भला कौन नहीं जानता। मौजूदा समय में अपनी फिल्मों के अलावा एक विवादित टीवी ऐड को लेकर सिडनी का नाम सुर्खियां बटोर रहा है। जिसमें हॉलीवुड अदाकारा ने बेशर्मी की सारे हदों का पार कर दिया है। स्पोर्ट्स गैंबलिंग कंपनी के लिए किए गए इस विज्ञापन में सिडनी का न्यूड अंदाज देख खेल जगत में हडकंप मच गया है और अभिनेत्री को आलोचनाओं को सामना करना पड़ा रहा है।

अभिनेत्री मिली बॉबी ब्राउन दूसरी बार बनीं मां

लॉस एंजिलस। नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स' में 'इलेवन' की भूमिका निभाने वालीं हॉलीवुड अभिनेत्री मिली बॉबी ब्राउन 22 साल की उम्र में दूसरी बार मां बन गई हैं। उन्होंने अपने पति जेक बोंगियोवी के साथ मिलकर एक बेटे का स्वागत किया है। इसका ऐलान उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर किया। साथ में बच्चे की पहली झलक भी दिखाई। मिली और जेक ने इंस्टाग्राम पर अपनी संयुक्त पोस्ट में बेटे के आगमन का ऐलान किया है। उन्होंने बच्चे की एक झलक साझा की है, जिसमें उसका नन्हा हाथ अपने पिता जेक की उंगली में लिपटा हुआ है। वहीं, मिली ने अपना हाथ दोनों हाथों पर रखा हुआ है। तस्वीर में वह अपनी 'मॉम' रिंग भी दिखा रही हैं।

'तुम मेरे हो' में एक साथ आएंगे नजर...

मुंबई। गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय पहली बार फिल्म तुम मेरे हो में साथ नजर आएंगे। आशीष पांडा निर्देशित यह फिल्म प्रेम, एक्शन और रोमांच से भरपूर होगी। फिल्म 23 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म ईशा मालवीय की बॉलीवुड में पहली फिल्म है। निर्देशक आशीष पांडा ने कहा कि फिल्म में प्यार के साथ उन भावनाओं और चुनौतियों को भी दिखाया गया है, जो रिश्ते की परीक्षा लेती हैं। रेवा क्रिएटिव हाउस और डेबगुरु फिल्म्स निर्मित इस फिल्म की निर्माता आरती एस और डेबिना बनर्जी हैं। फिल्म की कहानी और पटकथा निरंजन अयंगर तथा पूर्वा नरेश ने लिखी है। संगीत सारेगामा के सहयोग से तैयार किया गया है, जबकि वितरण पीवीआर पिक्चर्स करेगा। फिल्म के निर्माताओं ने इसके पहले पोस्टर जारी किए हैं।

'लव रंजन' में छह नए चेहरों की दस्तक

मुंबई। निर्माता लव रंजन की फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। अनुज सैनी के निर्देशन में बनी यह फ्रेंडशिप-कॉमेडी फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के जरिए अलीशा चोपड़ा, स्पर्श वालिया, साक्षी वैद्य, कुणाल वैद्य, सरगुन कौर लूथरा और तुषार छिब्बर हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं। जारी पोस्टर में सभी छह कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने किया है। लव रंजन ने कहा कि नए कलाकारों को पेश करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि छह नए चेहरों के लिए एक दुनिया तैयार करना और उन्हें उसमें अपनी लय तलाशते देखना उनके लिए सुखद अनुभव रहा।

टीवी मसाला

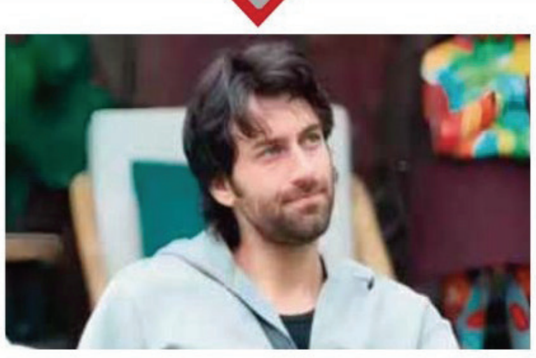

'बिग बॉस : रोहेद खान बने शो से बेघर होने वाले पहले प्रतियोगी

मुंबई। 'बिग बॉस 20' के हालिया एपिसोड में इस सीजन का पहला एविक्शन देखने को मिला। रोहेद खान शो से बेघर होने वाले पहले प्रतियोगी बन गए हैं। हालांकि, अचानक हुए इस फैसले से फैंस बेहद नाराज हैं। 'एक्स्ट्रा जीवदान' नियम के तहत रोहेद को बिना किसी मजबूत वजह के बेघर किए जाने पर दर्शकों का गुस्सा सोशल मीडिया पर फूटा।

अजय की फिल्म 'रेंजर' टली, मगर 'गोलमाल 5' की रिलीज हुई पक्की

मुंबई। अजय देवगन के फैंस के लिए एक तरफ थोड़ी मायूसी तो दूसरी तरफ बड़ी खुशखबरी आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रेंजर' की रिलीज को फिलहाल टाल दिया गया है। हालांकि, कॉमेडी के शौकीनों के लिए राहत की बात ये है कि अजय की ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी 'गोलमाल 5' की रिलीज तारीख पक्की हो गई है। आइए जानते हैं रोहित शेट्टी और अजय देवगन की ये सुपरहिट जोड़ी कब सिनेमाघरों में वापसी कर रही है।

8 जनवरी को हंसाने आ रही रोहित शेट्टी की टीम

रोहित शेट्टी की ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली किस्त 'गोलमाल 5' की रिलीज तारीख आधिकारिक तौर पर तय हो गई है। ये फिल्म 8 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और साल 2027 की पहली बड़ी फिल्म बनेगी। फिल्म में अजय के साथ-साथ इस बार अक्षय कुमार भी गैंग में शामिल हो रहे हैं। उनके अलावा अरशद वारसी, श्रेयस तलपड़े, कुणाल खेमू, तुषार कपूर और शरमन जोशी जैसे सितारे दर्शकों को हंसी का डोज देने के लिए तैयार हैं।

'गोलमाल अगेन' के दशक भर बाद आ रही 'गोलमाल 5'

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली 'गोलमाल 5' के साथ ये ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी करीब एक दशक बाद वापसी कर रही है। इससे पहले साल 2017 में 'गोलमाल अगेन' रिलीज हुई थी। इस सीरीज की शुरुआत साल 2006 में 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड' से हुई थी, जिसके बाद साल 2008 में 'गोलमाल रिटर्न्स' और साल 2010 में 'गोलमाल 3' आई।

दिसंबर में नहीं अब मार्च में दस्तक देगी 'रेंजर'

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रेंजर' की रिलीज को टाल दिया गया है। पहले यह फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन अब ये मार्च, 2027 में ईद के बाद रिलीज होगी। जगन शक्ति के निर्देशन और लव रंजन के प्रोडक्शन में बन रही इस जंगल-एडवेंचर फिल्म में अजय एक फॉरेस्ट ऑफिसर की भूमिका में हैं, जो शेरों की रक्षा करते नजर आएंगे। फिल्म में संजय दत्त और तमन्ना भाटिया भी नजर आएंगी।

राका में अलग अंदाज में दिखे अल्लू रहस्यमय टीजर रिलीज...

मुंबई। आइकन स्टार अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की बहुप्रतीक्षित फिल्म राका को लेकर रहस्य गहराता जा रहा है। मेकर्स ने 37 के क्रिप्टिक पोस्ट के बाद अब एक और रहस्यमय टीजर जारी किया है, जिसने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। सन पिक्चर्स की ओर से साझा किए गए टीजर में लिखा है, जो असंभव सा लगता था, उससे भी आगे। हमने कल्पना करने की हिम्मत की। हमने इसे साकार करने की हिम्मत की। राका-एक वैश्विक विजय। टीजर में एक वैश्विक विजय संदेश ने खास तौर पर प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़े अहम खुलासे को फिलहाल पर्दे के पीछे रखा है और हर नए संकेत के साथ दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहे हैं। 37 के बाद सामने आए इस नए टीजर को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। प्रशंसक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि नए संदेश का पिछले संकेत से कोई संबंध है या नहीं।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रमेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.